शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, गुरुवार 04 सितंबर 2025 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 148 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

दो बीसीसीएल कर्मी रिश्वत लेते गिरफ्तार

धनबाद। सीबीआई ने बीसीसीएल के दो कर्मियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है. एक रिटायर्ड कर्मी से 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए उन्हों रंगे हाथ पकड़ा. गिरफ्तार लोगों में बीसीसीएल लोदना क्षेत्र के राम आश्रय गरेडिया और राजकुमार सिंह शामिल हैं. इन पर आरोप है कि वे एक रिटायर्ड कर्मी जगदीश साव से एनओसी देने के लिए 20 हजार की रिश्वत की मांग कर रहे थे. सीबीआई ने जाल बिछा कर बुधवार को जब दोनों कर्मियों को पकड़ लिया.

बंगाल मतुआ समाज का राहुल को न्योता

कोलकाता। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से बंगाल से आए मतुआ समुदाय के लोगों ने मुलाकात की थी. कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि मतुआ समुदाय बंगाल और केंद्र में मौजूद सरकारों से नाखुश है. उन्होंने कहा कि दोनों सरकारों ने उनके मतुआ समुदाय के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया. अब वे कांग्रेस को समर्थन देने के बारे में सोच रहे है. उन्हें आशंका है कि एसआईआर से उनके वोट को खतरे में डाला जा सकता है.

नवादा में तालाब में डूब कर 5 लोगों की मौत

नवादा। बिहार में नवादा जिले के पकरीबरवां थाने के दतरौल गांव में बुधवार को पांच लोगों की तालाब में डूब कर मौत हो गई है. घटना पकरीबरमा थाना क्षेत्र के दतरॉल गांव की है. जब गांव की बहनें अपने भाइयों की सुरक्षा व लंबी उम्र के लिए करमा पर्व मना रही थीं. उसी समय तालाब में स्नान करने गईं. गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई. ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सभी शवों को बाहर निकाला.

करगहर से चुनाव लड़ सकते हैं प्रशांत किशोर

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने ऐलान कर दिया है कि वह रोहतास की करगहर विस सीट से चुनाव लड़ेंगे. बुधवार को डिजिटल चैनल के कॉन्क्लेव में पीके ने यह घोषणा की. इस सीट से वर्तमान में कांग्रेस से संतोष मिश्रा विधायक हैं. 2020 के चुनाव की बात करें तो यहां से नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के वशिष्ठ सिंह दूसरे नंबर पर रहे थे. पीके ने कहा कि किसी को भी अपनी जन्मभूमि या कर्मभूमि से लड़ना चाहिए.

रूस ने यूक्रेन पर हमले और बढ़ाए, दागे ड्रोन

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला किया है. रूस ने 500 से ज्यादा ड्रोन और करीब दो दर्जन मिसाइलें एक साथ दागीं. इस हमले का निशाना नागरिक ढांचा, खासतौर पर ऊर्जा संयंत्र बने हैं. यह हमला ऐसे समय हुआ जब सर्दियों का मौसम नजदीक आ रहा है और तीन साल से जारी युद्ध ने यूक्रेन की बिजली और हीटिंग व्यवस्था को पहले ही बुरी तरह प्रभावित कर रखा है. यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि हमले का मध्य यूक्रेन रहा. राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि यह हमला रूस की दम दिखाने की कोशिश है.

ट्रेड वॉर पर विदेश मंत्री वेडफुल ने नई दिल्ली से कर दी बड़ी घोषणा

ट्रंप कुढ़ते रहे, पर जर्मनी ने मानी भारत की ताकत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

ट्रेड वॉर के बीच रूस के करीबी दोस्त भारत से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही खफा हों और कुढ़ रहे हों, लेकिन जर्मनी इस बात को मान रहा है कि भारत यूरोप में शांति बहाली में अहम भूमिका निभा सकता है. जर्मनी ने बुधवार को इस बात की तस्दीक भी कर दी. जर्मनी ने भारत से कहा कि वह रूस के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल यूरोप में शांति बहाली के लिए करे. दो दिन की भारत की यात्रा पर दिल्ली पहुंचे जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही.

पहले बात ट्रेड डील की... जर्मनी ने क्या कहा?

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और जोहान वाडेफुल ने वैश्विक चुनौतियों पर भी गहरी चर्चा की और भारत-जर्मनी के बीच व्यापार को दोगुना करने का भरोसा जताया. वाडेफुल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता आने वाले महीनों में हो सकता है. उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि अगर दूसरे देश व्यापार में बाधाएं डालते हैं, तो हमें उन्हें कम करके जवाब देना चाहिए. बता दें कि पिछले साल दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार करीब 50 बिलियन यूरो का था. वाडेफुल ने कहा कि जर्मनी इस व्यापार को दोगुना करने के लिए पूरी ताकत लगाएगा, और जयशंकर ने भी इस लक्ष्य के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई.

यूरोप में शांति बहाली में भूमिका निभाए भारत

यूक्रेन में शांति बहाली के मुद्दे पर जर्मन विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने कहा, पीएम मोदी ने कुछ दिन पहले राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के दौरान यूक्रेन में शीघ्र शांति समझौते की आवश्यकता पर भी जोर दिया था, जो हमारे लिए महत्वपूर्ण है. हम यूरोपीय लोग अपने अमेरिकी और यूक्रेनी मित्रों के साथ मिलकर इस युद्ध को जल्द समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं.

गुटनिरपेक्ष भारत की तारीफ

जर्मन विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने कहा, आप भारत के इतिहास पर नजर डालिए. जब मैं युवा था और स्कूल जाता था और बाद में विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था, तब मैंने भारत को एक गुटनिरपेक्ष देश के रूप में जाना. इसने इस पर अपनी छाप छोड़ी है. उन्होंने कहा, यह मुल्क (भारत) जर्मनी से अलग है और शीत युद्ध के दौरान हमारा तत्कालीन सोवियत संघ से टकराव था, और दुर्भाग्य से, क्योंकि हमने सोचा था कि हम उस पर विजय पा लेंगे, हम फिर से ऐसी स्थिति में आ गए हैं. जहां हम उस पर विजय नहीं पा सके हैं, हम फिर से ऐसी स्थिति में आ गए हैं जहां हमारा सामना रूस से है, रूस और यूरोप के बीच टकराव है, क्योंकि वहां अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो रहा है. हम खुद को फिर से इसी स्थिति में पाते हैं, और भारत खुद को एक अलग स्थिति में पाता है.

भारत हमारे लिए एशिया के बराबर है : विदेश मंत्री वाडेफुल ने कहा, भारत हमारे लिए एशिया के बराबर है और जर्मनी और यूरोपीय संघ एक तरह से भारत के लिए समान हैं. भारत एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और हालांकि हम दोनों की अपनी-अपनी राजनीतिक स्थितियां और राजनीतिक प्राथमिकताएं हैं, लेकिन जब लोकतांत्रिक सिद्धांतों और नियामक कदमों की बात आती है, तो हमारे दोनों देश और हमारे बाज़ार बारीकियों का पालन करने के लिए सतर्क और प्रतिबद्ध रहते हैं. हम दूसरे पक्ष के लिए संबंधित बाज़ार में भागीदारी को आसान बना सकते हैं और हमने आज अपनी चर्चाओं में इस बात पर ज़ोर दिया है और मुझे लगता है कि इस संबंध में हम दोनों को अभी तैयारी करनी है.

हम पुतिन को बातचीत के लिए राजी करना चाहते हैं : जोहान वाडेफुल ने कहा, हम शुरू से ही ऐसी नीति पर चल रहे हैं जिसका उद्देश्य रूस और यूक्रेन को बातचीत के रास्ते पर ले जाना है. हालांकि, हमने जो देखा वह यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए गए अथक प्रयासों के बावजूद, रूस बातचीत के लिए तैयार नहीं है, जबकि यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की बातचीत करने के लिए राजी हैं. एक तरह से, इसने पहला कदम उठाया है. हम एक एक ऐसा देश जिस पर हमला हुआ है, जबकि उसने हमले को भड़काने के लिए कुछ भी नहीं किया है. बस यही मांग है कि हथियार खामोश हो जाएं. बस इतना ही... जर्मन और यूरोपीय दृष्टिकोण यही है कि हम राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत की मेज़ पर लाने के लिए हर संभव कोशिश करना चाहते हैं.

जीएसटी परिषद की बैठक में 5 और 18% के टैक्स स्लैब पर मुहर

बिस्किट, चिप्स, टीवी, फ्रिज से लेकर कार तक होंगे सस्ते

- दीवाली की खरीदारी जेब पर भारी नहीं पड़ेगी. मोदी सरकार ने इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली है.

एजेंसियां। नयी दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल की 56वीं दो दिवसीय बैठक बुधवार को शुरू हो गई है. इस बार दीवाली की खुशियां दोगुनी हो सकती हैं. दीवाली की खरीदारी भारी नहीं पड़ेगी. मोदी सरकार ने इसकी तैयारी कर ली है. सरकार ने जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव का फैसला किया है. गुरुवार को फैसलों का ऐलान होगा. सरकार की तैयारी है कि फैसलों को नवरात्र से पहले ही लागू कर दिया जाए.

जीएसटी काउंसिल की बैठक का मेन एजेंडा टैक्स स्लैब कम करना है. अभी मुख्य रूप से चार जीएसटी स्लैब हैं- 5%, 12%, 18% और 28%. सरकार इनमें से 12 और 28 पर्सेंट के स्लैब को खत्म कर दिया गया है. सरकारका यह निर्णय 22 सितंबर से पूरे देश में लागू हो जाएगा. इसके अलावा सिन गुड्स (हानकारिक वस्तुओं) पर 40% का स्पेशल टैक्स लगाया जा सकता है.

2500 तक के जूते-चप्पल और वस्त्रों पर जीएसटी 5%किया गया

इस बीच खबर है कि जीएसटी परिषद 2,500 रुपये तक के जूते और वस्त्रों पर जीएसटी दर घटाकर 5% करने को मंजूरी दे सकती है. अभी 1,000 रुपये तक के जूते और परिधानों पर 5% कर लगता है. इस सीमा से अधिक पर 12% जीएसटी लगता है. बैठक में 5% स्लैब में जूते और परिधान के लिए सीमा को 1,000 प्रति पीस से बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति पीस करने का निर्णय लिया गया. परिषद ने बुधवार को 12 और 28% के स्लैब को समाप्त करने तथा अधिकांश वस्तुओं को इन स्लैब से हटाकर क्रमशः 5 और 18% के स्लैब में लाने का निर्णय लिया. ये सारी घोषणाएं गुरुवार को की जाएंगी.

400 से अधिक वस्तुओं पर कर घटाने की चर्चा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान इसका करों से जुड़ा पैनल हेयर ऑयल से लेकर छोटी कारों तक लगभग 400 से अधिक वस्तुओं पर कर कटौती की योजना पर फैसला करेगा. जीएसटी परिषद में करों की कटौती के फैसले से हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज इंडस्ट्रीज जैसी एफएमसीजी कंपनियों और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की बिक्री में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. दूसरी ओर, वाहन निर्माताओं में मारुति, टोयोटा मोटर और सुजुकी मोटर को भी जीएसटी परिषद के फैसले से बड़े राहत की उम्मीद है.

टूथपेस्ट-शैम्पू पर कर को 5% करने की तैयारी

पैनल उपभोक्ता वस्तुओं जैसे टूथपेस्ट और शैम्पू पर कर को 18% से घटाकर 5% करने और छोटी कारों, एयर कंडीशनर और टेलीविजन पर कर को 28% से घटाकर 18% करने पर भी विचार करेगा. अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इस कटौती से 21 बिलियन डॉलर के जीएसटी राजस्व नुकसान होगा. इस नुकसान में राज्यों की हिस्सेदारी केंद्र सरकार से अधिक होगी. हालांकि राज्य मोटे तौर पर इन बदलावों पर सहमत हैं.

प्रस्तावित सुधार तीन स्तंभों पर आधारित

परिषद के समक्ष प्रस्तुत केंद्र का जीएसटी सुधार प्रस्ताव तीन स्तंभों पर आधारित है, संरचनात्मक सुधार, दरों का युक्तिकरण और जीवन को आसान बनाना. संरचनात्मक सुधार, उद्योग जगत में विश्वास पैदा करने और बेहतर व्यावसायिक योजना बनाने में सहायता के लिए दरों और नीति निर्देशों पर दीर्घकालिक स्पष्टता प्रदान करके स्थिरता सुनिश्चित करेंगे. जीवन को आसान बनाने से जुड़े वित्त मंत्रालय के प्रस्ताव में विशेष रूप से छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए निर्बाध, तकनीक-आधारित जीएसटी पंजीकरण शामिल है. इसमें निर्यातकों और उल्टे शुल्क ढांचे वाले लोगों के लिए पहले से भरे हुए जीएसटी रिटर्न और रिफंड की तेज, स्वचालित प्रक्रिया को लागू करने का भी सुझाव दिया गया है.

सुधारों के लिए आठ क्षेत्रों पर दिया जा रहा ध्यान : जीएसटी सुधारों के लिए केंद्र की रूपरेखा के अनुसार, आठ क्षेत्रों पर ध्यान दिया जा रहा है. इसमें कपड़ा, उर्वरक, नवीकरणीय ऊर्जा, मोटर वाहन, हस्तशिल्प, कृषि, स्वास्थ्य और बीमा के दरों में बदलाव से सबसे अधिक लाभ होगा.

विपक्षी राज्यों की मांग, नुकसान की भरपाई का किया जाए इंतजाम

रांची। जीएसटी काउंसिल की बैठक में विपक्षी राज्यों केरल, हिमाचल, झारखंड, कर्नाटक, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना और बंगाल की ओर से कहा गया कि जीएसटी में बदलाव से लेकर स्लैब घटाने तक के सुधार का लाभ कंपनियों के बजाय सीधे उपभोक्ताओं तक मिलना चाहिए. राज्यों को होने वाले रेवेन्यू के नुकसान की भरपाई के लिए भी प्रबंध किए जाने चाहिए. उनकी ओर से एक स्पष्ट मुआवजा योजना बनाए जाने की मांग की गई है. बैठक में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर शामिल थे.

जीएसटी सुधार का राज्यों पर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग असर

जीएसटी सुधारों का राजस्व पर असर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होगा. बेकर टिली एएसए इंडिया एलएलपी के संदीप गुप्ता के मुताबिक, उपभोग-आधारित राज्यों को बढ़ी हुई मांग से लाभ हो सकता है, जबकि झारखंड, पंजाब, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे भारी कर्ज वाले राज्य जीएसटी रेवेन्यू में नुकसान से बड़े संकट का सामना कर सकते हैं. पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने भी यही चेतावनी दोहराते हुए कहा है कि विपक्षी राज्यों ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्याप्त मुआवजा जरूरी है.

झारखंड में पूरी श्रद्धा के साथ मना करमा पर्व

राज्य की कृषि मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की बुधवार को करमा पर्व पर मांदर की थाप पर युवतियों के साथ थिरकती हुईं. करमा पर्व पर राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में बहनों ने अपने भाइयों के लिए व्रत रखा और पूजा की.

पीएम मोदी की मां को गाली देने के विवाद पर तेजस्वी का पलटवार, बोले

ये हमारे संस्कार नहीं, लेकिन 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड बोलना क्या था

शुभम संदेश। पटना

बिहार के दरभंगा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी की मां के प्रति कथित अपमानजनक टिप्पणी का मामला गरमाया हुआ है. बीजेपी नेताओं में इसको लेकर जबरदस्त आक्रोश है. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है. अब इस मामले में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. तेजस्वी ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए पीएम मोदी के गाली प्रकरण पर कहा कि यह गलत है. किसी की भी मां को अपशब्द नहीं बोलना चाहिए. उन्होंने कहा कि हम इसके पक्षधर नहीं हैं, ये हमारे संस्कार में नहीं है. लेकिन कभी-कभी पीएम मोदी समेत भाजपा के अन्य नेताओं को भी देखना चाहिए कि वो विपक्षी नेताओं के बारे में क्या-क्या बोलते हैं.

50 करोड़ की गर्लफ्रेंड और नीतीश का डीएनए : भाजपा पर हमला बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड बोलने वाले पीएम मोदी हैं, सोनिया गांधी को इतनी भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं, नीतीश कुमार के डीएनए पर सवाल उठाए गए. रेणुका चौधरी को राज्यसभा में पीएम मोदी ने सूर्पणखा तक कहा था. मुझे भी भाजपा विधायकों ने मां-बहनों की गालियां सदन में दी. भाजपा के प्रवक्ता कई बार महिलाओं का अपमान लाइव कैमरे पर करते हैं. मोदी इतने दिनों से विदेश में थे यहां आए, तो उनको रोना आया विदेश में ठहाके लगा रहे थे.

एनडीए का बिहार बंद आज : इस बीच एनडीए ने गुरुवार को सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिहार बंद का ऐलान किया है. सरकारी बंद को लेकर सारी तैयारियां कर ली गई हैं.

गृह मंत्रालय बोला-बिना पासपोर्ट, वीजा भारत में रहने की आजादी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी व ईसाई समुदाय के सदस्यों को पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के बिना भी देश में रहने की अनुमति दी जाएगी. खबर के मुताबिक, पिछले साल लागू हुए नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के अनुसार, 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए इन उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी.

- पाक, अफगानिस्तान व बांग्लादेश से 2024 तक आए लोगों को तोहफा

मूडी की वॉर्निंग, ट्रंप की नीतियों से यूएस की इकोनॉमी 'रसातल' में

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ऐसे फैसले लेते रहे, जिनसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल है. अमेरिकन फर्स्ट का नारा देने वाले ट्रंप का ये दांव अब उल्टा पड़ गया है. दुनियाभर के देशों पर टैरिफ थोपने की उनकी नीति ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मंदी की चपेट में ला खड़ा किया है. यह दावा अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने किया है. ट्रंप अमेरिकियों को भरोसा दिलाते हैं कि उनके नेतृत्व में इकोनॉमी मजबूत है. लेकिन मूडीज के अर्थशास्त्री मार्क जैंडी ने उनके इस दावे की हकीकत सामने रख दी है.जैंडी ने कहा, 2025 के आखिर तक अमेरिका की अर्थव्यवस्था भारी मंदी की चपेट में आ जाएगी.

सेहत की बात : घर बैठे आप भी जानिए कितने स्वस्थ हैं आपके फेफड़े?

बोल्ट टेस्ट से मिनटों में मिलेगा रिजल्ट वो भी फ्री

शुभम संदेश डेस्क

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी ने कई तरह की बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ा दिया है. लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी के साथ प्रदूषित होता वातावरण भी इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है. इसका सबसे ज्यादा नुकसान हमारे फेफड़ों को उठाना पड़ रहा है. यही कारण है कि पहले जहां सांस से जुड़ी बीमारियां ज्यादातर बुजुर्गों में दिखाई देती थीं, वहीं अब कम उम्र के लोग यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार होने लगे हैं. शोध बताते हैं कि पिछले दो दशकों में भारत समेत कई देशों में अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट बताती है कि हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों की वजह से हो जाती है. स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ सरल आदतें अपनाकर हम फेफड़ों को स्वस्थ रख सकते हैं.

बोल्ट टेस्ट से जानिए फेफड़ों की सेहत का हाल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्रदूषण के स्तर में होती बढ़ोतरी के चलते अब न केवल सांस लेना मुश्किल हो गया है, बल्कि यह आपके फेफड़ों के स्वास्थ्य पर भी भारी असर डालती है. बोल्ट यानी ब्लड ऑक्सीजन लेवल टेस्ट स्कोर की मदद से ये जाना जा सकता है कि आपके फेफड़े कितने स्वस्थ हैं? और इन्हें कोई खतरा तो नहीं है. बोल्ट (बॉडी ऑक्सीजन लेवल टेस्ट) एक सरल, घर पर किया जाने वाला परीक्षण है जो आपकी कार्बन डाइऑक्साइड सहनशीलता को मापता है. इससे यह पता चल सकता है कि आप कितनी देर तक आराम से अपनी सांस रोक सकते हैं. जितनी देर आप सांस रोक सकते हैं उससे आपके फेफड़ों की सहनशक्ति के बारे में पता चलता है. ये टेस्ट बिल्कुल आसान है और आप इसे घरपर ही करके आसानी से अपने फेफड़ों की शक्ति का अंदाजा लगा सकते हैं. बोल्ट स्कोर 10 से कम होना अलार्मिंग माना जाता है.

कैसे करें बोल्ट टेस्ट : इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले एक शांत और आरामदायक जगह ढूंढें जहां कोई व्यवधान न हो. इसके बाद अच्छी मुद्रा में सीधे बैठें जिसमें सांस लेना आपके लिए आसान हो. एक सामान्य और लंबी सांस लें और आराम से सांस छोड़ें. इसके बाद अब अपनी उंगलियों से नाक को बंद करें ताकि हवा आपके फेफड़ों में प्रवेश न कर सके और अपना टाइमर चालू करें. जब आपको सांस लेने की इच्छा होने लगे और आपकी छाती अकड़ने लगे, तो टाइमर बंद कर दें. आपने जितने सेकेंड तक अपनी सांस रोकी, वह आपका बोल्ट स्कोर है.

फेफड़ों की क्षमता कैसे सुधारें : स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ सामान्य सी बातों का ध्यान रखकर आप अपने फेफड़ों को स्वस्थ बना सकते हैं. अपने बोल्ट स्कोर को बढ़ाने के लिए आप गहरी सांस लेने वाले व्यायाम कर सकते हैं जो श्वसन की मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं. इसके अलावा हमेशा नाक से ही सांस लें, मुंह से नहीं. रोज हल्की कसरत-योग और पैदल चलने से भी फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार होता है. सबसे जरूरी है कि धूम्रपान से बचें. इतना ही नहीं पैसिव स्मोकिंग यानी आसपास सिगरेट पीने वाले लोगों के धुंए से भी बचाव करें.

यूपी में संविदा कर्मियों को भी मिलेगी पेंशन

लखनऊ। यूपी में लाखों संविदा कर्मी काम कर रहे हैं. अब उन्हें राज्य सरकार की तरफ से बड़ी राहत देने का ऐलान किया गया है. इन कर्मियों को अब तक कई सुविधाएं नहीं मिली हैं. नौकरी खत्म होने के बाद उनके भविष्य को लेकर सवाल खड़े होते रहे. कई बार कर्मचारी संगठनों ने आवाज उठाई कि इन्हें भी स्थायी कर्मियों जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए. सरकार ने आखिरकार इस पर कदम बढ़ाया है. कैबिनेट में इस पर चर्चा हो रही है और मंजूरी मिलने पर संविदा कर्मचारियों की सबसे बड़ी टेंशन खत्म हो जाएगी. अब सबकी नजर इस बात पर है कि नया नियम लागू होने के बाद हर महीने इन्हें कितनी पेंशन दी जाएगी. चलिए आपको बताते हैं इसकी जानकारी. यूपी में संविदा कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है. सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में आउटसोर्स सेवा निगम के गठन पर फैसला लिया जा सकता है.

सुप्रीम कोर्ट में बंगाल सरकार की दलील

विधेयकों की विधायी क्षमता राज्यपाल नहीं जांच सकते

एजेंसियां। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय-सीमा तय करने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को भी सुनवाई जारी रही. इस दौरान बंगाल सरकार ने कहा कि विधेयकों की विधायी क्षमता की जांच राज्यपाल नहीं कर सकते. बंगाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि शायद ही कोई ऐसा उदाहरण हो जहां राष्ट्रपति ने संसद से पारित किसी बिल को जनता की इच्छा के कारण रोका हो.

बंगाल सरकार ने दी ये दलील : चीफ जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ के सामने कपिल सिब्बल ने कहा कि बिल की विधायी क्षमता का परीक्षण कोर्ट में हो. उन्होंने कहा,किसी कानून को कोई भी नागरिक कोर्ट में चुनौती दे सकता है. राज्यपाल यह कहें कि मैं बिल को मंजूरी नहीं दे सकता और इसे रोके रखता हूं, तो ये अत्यंत दुर्लभ मामला है. पीठ में चीफ जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और चंदुरकर भी शामिल हैं. सिब्बल ने कहा कि संसद संप्रभु है और जनता की इच्छा लागू होनी चाहिए. जब कोई बिल पारित होता है तो उसे सांविधानिकता प्राप्त होती है और इसका परीक्षण कोर्ट में हो सकता है. बिल का केंद्रीय कानून के संदर्भ में विरोधाभास दुर्लभ मामला है, उस स्थिति में राज्यपाल विवेक का प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन राज्यपाल सुपर विधायी निकाय नहीं हो सकते.

अब थोड़ा शर्म करें माननीय, आपकी भाषा से आपके बच्चे भी आपसे घृणा करने लगेंगे

शुभम संदेश। रांची

हमारे माननीय क्या बोल रहे हैं और इनकी भाषा क्या है, पहले इसे जान लीजिए. यह इनका एक-दूसरे के विरुद्ध लेटेस्ट बयान है. दोनों के बयान सोशल मीडिया पर वायरल हैं. लोग उसे इंटरेस्ट लेकर सुन रहे हैं. अब वे इन्हें कोस रहे हैं. इनसे सीख कर इन्हें भी गाली देने लगे हैं. स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी-अंग्रेजों को भगाए हैं, इसको (भानू प्रताप शाही) भी खदेड़ेंगे. इसके बाप का औकात है. (बीच में किसी ने कहा भानू शाही झारखंडी हैं) ये विदेशी लोग हैं. झारखंड में हम लोग शरण दिए हुए हैं. शरण दिए हुए हैं, तो तमीज से रहो. तमीज से बोलो. इरफान अंसारी को नहीं जानता. बहुत डेप्थ है. झारखंड हमारा है. तुम इरफान अंसारी को बोल दोगे. मीडिया में दारू पीकर बोलता है. रात दस बजे इरफान जी, इरफान जी करता है.

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री भानू प्रताप शाही-इरफान जी मीडिया में आकर हमरा बाप-दादा के उकटत रह. पहले हमरा से फरिया ल. बाप दादा पर बाद में जइह. तोहर कितना डेप्थ है, बहुत बढ़िया से जानिले. तोहर कितना डेप्थ बा केकरो से छूपल नइखे. हम झारखंड के ही या कहां के ही, कबो हमर घर आब. जहिया तू गुली डंडा खेलत रह, हम मंत्री बनल रही. तोहार परिवार जहिया आयल होई बिहार या झारखंड में, ओ से एक हजार साल पहले हमार परिवार यहां आयल रही. रेकर्ड बा.

बार बार कहल जे भानू जी दारू पीके बोल लन. पर भानू दारू-वारू ना पीयल. हम उप चुनाव में मधुपुर गइल रही. चार पांच लोग मिलनन. कहे लगलन सांझ में फुरकान अंसारी और इरफान अंसारी दोनों बैठ के पीयलन. अल-बल मत बोल. मंत्री बाड़ तो यह मत समझ कि कोई तोरा से डेरा जाई. तोरा से हिसाब-किताब करे ले हमेशा तैयार ही. कहां आबे के बा और कब आबे के बा, बतइह, हम आ जाइब. अकेले तोरा लेल काफी ही.

राज्य के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री भानू प्रताप शाही की भाषा आपने पढ़ ली होगी. यह पहला मौका नहीं है, जब दोनों ही कद्दावर नेता इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं. सोशल मीडिया में बने रहने के लिए अथवा अपनी भड़ास निकालने के लिए, ये लगातार इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं. कभी कोई किसी को गुंडा कह रहा है, तो कभी कोई पागलखाने भेजने की बात कर रहा है. अब केवल मां-बहन की गाली देना ही बाकी है. जनता ने आपको विधायक, मंत्री, नेता इसलिए नहीं चुना कि आप एक-दूसरे पर कीचड़ उछालें. लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मर्यादा में रहकर. जब नेता ही मर्यादा को तिलांजलि दे दे तो वह आम जनता से क्या अपेक्षा कर सकता है. समाज पर इसका क्या असर होगा, इसे समझने की जरूरत है. किस तरह की राजनीतिक गतिविधि होगी, इसे महसूस करने का समय है. राज्य की जनता पहले ही बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है. उसे नेताओं से उम्मीद है समाधान की, न कि तमाशे की. इसलिए अब वक्त आ गया है कि आप दोनों रुक जाएं, सोचें, और अपने शब्दों की गरिमा को पहचानें. बहस करें, आलोचना करें, पर राजनीतिक शालीनता के साथ. क्योंकि आपके द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध की जा रही बयानबाजी पर बच्चे भी शर्मिंदा होने लगे हैं. थू-थू करने लगे हैं. माननीय अब भी मौका है, जो आप अपनी मर्यादा को समझें. अपनी भाषा को समझें. नहीं तो आपके बच्चे भी आपसे घृणा करने लगेंगे.

एक नजर

आठवें वेतन आयोग में हो रही देरी को लेकर राज्यपाल से मिले पेंशनर्स

रांची। फोरम ऑफ सिविल पेंशनर्स एसोसिएशन झारखंड का एक प्रतिनिधिमंडल एमजेड खान के नेतृत्व में राज्यपाल से मिला. प्रतिनिधिमंडल ने पेंशन अधिनियम में संशोधन और आठवें वेतन आयोग के गठन में हो रही देरी पर चिंता जताई और ज्ञापन सौंपा. उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया कि यह मामला डीओपीटी को अग्रसारित किया जाए. राज्यपाल ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया. प्रतिनिधिमंडल में राज्य सचिव एम जेड खान (पोस्टल), राज्य अध्यक्ष साधन कुमार सिन्हा, जगजीत सिंह बहल (रेलवे), चंचल कुमार सिंह (जोनल सेक्रेटरी) और नरेश लाल (बीएसएनएल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन) शामिल थे. प्रतिनिधियों ने कहा कि संशोधन के कारण 32 लाख केंद्रीय सिविल पेंशनर्स आठवें वेतन आयोग के लाभ से वंचित हो जाएंगे, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है. उन्होंने संशोधन वापसी की मांग की.

भाजपा महिला मोर्चा ने राज्यपाल गंगावर से की मुलाकात, पुलिस कार्रवाई को लेकर की शिकायत

रांची। झारखंड प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा के शिष्टमंडल ने बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में एक सितंबर को रांची में आयोजित भाजपा महिला मोर्चा की शांतिपूर्ण रैली पर पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा की गई कार्रवाई का विरोध जताया गया है.महिला मोर्चा ने बताया कि यह रैली प्रधानमंत्री एवं उनकी माताजी पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में निकाली गई थी। जब कार्यकर्ता कांग्रेस भवन, रांची का लोकतांत्रिक ढंग से घेराव करने जा रही थीं, तब पुलिस ने बल प्रयोग किया. ज्ञापन में कहा गया है कि पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिला कार्यकर्ताओं से धक्का-मुक्की की और उन पर लाठीचार्ज किया, जिससे कई महिलाएं घायल हो गईं. शिष्टमंडल ने राज्यपाल से घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है.

विस्थापन आयोग का गठन स्वागत योग्य कदम : माकपा

रांची। माकपा ने राज्य के विस्थापितों के अधिकारों की रक्षा के लिए विस्थापन आयोग के गठन को स्वागत योग्य कदम बताया है. पार्टी के राज्य सचिवमंडल की ओर से बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि कैबिनेट ने झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग गठन कार्य और दायित्व नियमावली की स्वीकृति देकर सकारात्मक पहल की है.पार्टी की ओर से कहा गया है कि हालांकि वर्ष 2024 के जुलाई महिने में ही विस्थापन आयोग का गठन के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी थी. लेकिन एक साल के बाद उसकी नियमावली तैयार की गई है.माकपा झारखंड के गठन के पहले से ही राज्य की महत्वपूर्ण ज्वलंत समस्या विस्थापन जिसमें लाखों लोग खनन कार्य, बड़े डैम, सिंचाई परियोजनाओं, कल - कारखानों, सेंक्चोरी और कॉरिडोर के निर्माण के लिए अपनी जमीन खोकर विस्थापित होने का दंश झेलते हुए गुमनामी के अंधेरे में खो गए इन्हें न्याय दिलाए जाने के लिए लगातार आवाज उठाती रही है.

अमृत भारत योजना : रांच रेल डिवीजन के मुरी, पिस्का और लोहरदगा स्टेशनों का हुआ कायाकल्प

नई बिल्डिंग, हाई लेवल प्लेटफॉर्म, कंप्यूटरीकृत टिकट काउंटर, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड मिलेंगी

ये सुविधाएं भी

- एलईडी लाइटिंग, स्वच्छ शौचालय पेयजल, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, दिव्यांगजनों के लिए रैंप और लिफ्ट

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के यात्रियों को जल्द ही तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों मुरी, पिस्का और लोहरदगा का नया और अत्याधुनिक रूप देखने को मिलेगा. अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इन स्टेशनों का कायाकल्प अंतिम चरण में है और सितंबर के अंत तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनका ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे.रेल मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य छोटे और मझोले स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना है. रांची रेल मंडल की डीआरएम करुणानिधि सिंह के अनुसार, मुरी, पिस्का और लोहरदगा स्टेशनों पर कार्य 90% से अधिक पूरा हो चुका है. यात्रियों को नई बिल्डिंग, हाई लेवल प्लेटफॉर्म, कंप्यूटरीकृत टिकट काउंटर, स्वच्छ शौचालय, एलईडी लाइटिंग, पेयजल, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, दिव्यांगजनों के लिए रैंप और लिफ्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी.

तीनों स्टेशनों में लोहरदगा और मुरी को विशेष रूप से आधुनिक वास्तुकला के साथ तैयार किया गया है, वहीं पिस्का स्टेशन पर भी जरूरी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं.अमृत भारत योजना के तहत रांची रेल डिवीजन के 15 स्टेशनों को पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिनमें ओरगा, टाटीसिलवे, बालसिरिंग, नामकुम जैसे स्टेशन भी शामिल हैं. इनमें से कई पर कार्य 80% से अधिक पूरा हो चुका है और अगले कुछ महीनों में बाकी का कार्य भी पूर्ण कर लिया जाएगा.

लंबित आपराधिक कार्यवाही पेंशन और ग्रेच्युटी रोकने का आधार नहीं : हाईकोर्ट

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया है कि बिना दोषसिद्धि के लंबित आपराधिक कार्यवाही के आधार पर किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन और ग्रेच्युटी जैसे वैधानिक लाभों को रोका नहीं जा सकता. यह आदेश मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सेवानिवृत्त महिला लेक्चरर शांति देवी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया. हाईकोर्ट का यह फैसला न केवल शांति देवी जैसे प्रभावित कर्मचारियों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि यह राज्य के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए भी मिसाल बनेगा. अदालत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि सेवानिवृत्ति लाभ किसी दया का विषय नहीं, बल्कि कर्मचारी का कानूनी और वैधानिक अधिकार है, जिसे मनमाने ढंग से रोका नहीं जा सकता.

दूसरी बार निलंबन और अनिवार्य सेवानिवृत्ति : 2015 में नैतिक पतन से जुड़े मामले की कार्यवाही लंबित रहने के कारण शांति देवी को फिर से निलंबित कर दिया गया. इसके बाद रांची विश्वविद्यालय ने 18 दिसंबर 2018 को उन्हें झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 67 के तहत अनिवार्य सेवानिवृत्त करने का फैसला किया. 25 जनवरी 2019 को उन्हें तीन महीने के वेतन के साथ सेवानिवृत्त कर दिया गया. हालांकि भविष्य निधि (पीएफ) का भुगतान 2020 में कर दिया गया, लेकिन पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण जैसे अन्य लाभ अब तक नहीं दिए गए थे.

कोर्ट का रुख

लाभों के भुगतान की मांग को लेकर शांति देवी ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की. सुनवाई में अदालत ने माना कि सेवानिवृत्त कर्मचारी के पेंशन और ग्रेच्युटी उसके वैधानिक अधिकार हैं. केवल इसलिए कि कोई आपराधिक मामला लंबित है, और उसमें अभी दोषसिद्धि नहीं हुई है, इन लाभों को रोका नहीं जा सकता. खंडपीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जब तक अदालत से दोषसिद्धि नहीं हो जाती, तब तक केवल कार्यवाही लंबित रहने के आधार पर पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ रोकना कानून के अनुरूप नहीं है.

मामला क्या है

शांति देवी को 1 नवंबर 1984 को बी.एन.जे. कॉलेज में अस्थायी तौर पर हिंदी व्याख्याता नियुक्त किया गया था. नियम के अनुसार, उनकी सेवा किसी भी समय समाप्त की जा सकती थी. उन्होंने जनवरी 1985 में कार्यभार ग्रहण किया. बाद में 2002 में उनका स्थानांतरण राम लखन सिंह यादव कॉलेज में हुआ. इसके कुछ समय बाद 7 नवंबर 2003 को उन्हें झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) का सदस्य नियुक्त किया गया. जेपीएससी में कार्यकाल पूरा करने के बाद शांति देवी 2009 में पुनः आरएलएसवाई कॉलेज में लौट आईं. लेकिन 2 जून 2011 को सतर्कता विभाग ने उन्हें कुछ आपराधिक मामलों में गिरफ्तार कर लिया. अगले ही दिन वे निलंबित कर दी गईं. हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिली और 2014 में सेवा में बहाल कर दिया गया.

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने प्रकृति पर्व करमा की प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रकृति पर्व करमा पूजा की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रकृति पर्व करमा की राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, यह लोकपर्व भाई-बहन के स्नेह के साथ ही प्रकृति के संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन का संदेश देता है. यह पर्व सभी के जीवन में स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि लाए, यही मेरी मंगलकामना है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रकृति पूजा करमा पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं, बधाई और जोहार कहा है. अपने सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि करम पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और जीवनशैली का प्रतीक है. यह पर्व भाई-बहन के अटूट बंधन, सामाजिक समरसता तथा प्रकृति के प्रति हमारी गहरी आस्था और कृतज्ञता को दर्शाता है. हमारे पूर्वजों की ओर से हमें दिया गया यह अद्वितीय उपहार है. इस दिन पूजा कर हम सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और स्वस्थ समाज की मंगलकामना करते हैं. मुख्यमंत्री ने कहा है कि जल, जंगल, माटी और जीव-जंतुओं से हमारा जीवन गहराई से जुड़ा हुआ है. करम पर्व हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन और समाज के सतत विकास का संदेश देता है. आइए, इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर अपने रीति-रिवाजों, परंपराओं को सहेजने, समाज को सशक्त बनाने और पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लें. आप सभी का जीवन सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली से परिपूर्ण हो, यही कामना करता हूं.

वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रकृति महापर्व करमा पूजा की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है. मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि यह पर्व आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के प्रति गहरे जुड़ाव का प्रतीक है. करमा पूजा हमें पेड़-पौधों, जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संदेश देती है. आइए, इस पावन अवसर पर हम सब आदिवासी समाज की जीवनशैली और उनके प्रकृति-प्रेम से प्रेरणा लेकर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के संकल्प को मजबूत करें. करमा महापर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाए, ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं.

बिहार विस चुनाव: महागठबंधन में झामुमो की भी हिस्सेदारी तय

शुभम संदेश। रांची

इसी साल होने जा रहे बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है. राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पर अंतिम मुहर लगा दी है. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की बिहार इकाई ने शुरू में 16 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अब संभावना है कि पार्टी कम से कम 12 सीटों पर मैदान में उतरेगी. इनमें से 8 सीटों पर झामुमो का मजबूत जनाधार बताया जा रहा है.

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के समापन कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी भाग लिया था. पटना प्रवास के दौरान उन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी. इसी बैठक में सीट बंटवारे पर सहमति बनी और आगे की रणनीति तय हुई. झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता एवं केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने कहा कि महागठबंधन में पार्टी की हिस्सेदारी सुनिश्चित हो गई है.

उन्होंने बताया कि झामुमो ने विधानसभा चुनाव के लिए 12 सीटों की सूची सौंपी है और राजनीतिक क्षमता के अनुरूप सम्मानजनक समझौता हुआ है. सीट शेयरिंग को लेकर सकारात्मक बातचीत हुई है और अब सिर्फ आधिकारिक घोषणा का इंतजार है.

झामुमो पूरी मजबूती के साथ महागठंधन के साथ: झामुमो प्रवक्ता मनोज पांडेय ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी पूरी तरह बिहार में महागठबंधन के साथ खड़ी रहेगी. हमारे नेता बिहार में अपनी सीटों के साथ-साथ साथी दलों को भी जिताने के लिए जी जान लगा देंगे. उन्होंने दावा किया बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के बाद नीतीश कुमार सरकार का जाना पक्का हो गया है.

पटना भी गए सीएम हेमंत सोरेन: सीएम हेमंत सोरेन ने पटना की रैली में भाजपा समेत पूरे एनडीए को जम कर लताड़ा था. उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी को एसआईआर कराना ही है, तो पहले दिल्ली की छोड़ दें. एसआईआर हो जाए, उसके बाद चुनाव हो, जो जीते उसकी सरकार बने.

सूर्या हांसदा एनकाउंटर केस में बढ़ी बात

एनएचआरसी सख्त, डीसी और एसपी से 4 हफ्ते में रिपोर्ट तलब

शुभम संदेश। रांची

सूर्या हांसदा एनकाउंटर केस में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाते हुए गोड्डा के डीसी और एसपी से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट तलब की है. यह कार्रवाई आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव संजय मेहता द्वारा आयोग में दायर शिकायत पर की गई है. आयोग की इस सक्रियता से पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद जगी है.

आयोग ने माना गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता में सुनवाई करते हुए शिकायत में लगाए गए आरोपों को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना है. आयोग ने इस मामले में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत संज्ञान लिया है और आवश्यक कार्रवाई की शुरुआत कर दी है.

शिकायत के आधार पर आयोग की कार्यवाही:

- 20 अगस्त 2025 : आजसू नेता संजय मेहता ने एनएचआरसी में शिकायत दर्ज की.
- 27 अगस्त 2025 : आयोग ने शिकायत को संज्ञान में लिया.
- 29 अगस्त 2025 : आयोग ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का निर्देश दिया. महानिदेशक (जांच) को पत्र भेजा गया.
- 02 सितंबर 2025 : गोड्डा के डीएम और एसपी को नोटिस जारी, 4 सप्ताह में एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी गई.

मुठभेड़ की रिपोर्ट समय पर क्यों नहीं दी गई? आयोग ने गोड्डा पुलिस से यह स्पष्ट करने को कहा है कि मुठभेड़ की सूचना आयोग को निर्धारित समय सीमा में क्यों नहीं दी गई. यह आयोग की गाइडलाइंस का उल्लंघन माना जा रहा है, जिसे लेकर पुलिस अधीक्षक से जवाब मांगा गया है.

खत्म हुआ सस्पेंस घाटशिला से सोमेश सोरेन ही लड़ेंगे चुनाव

रांची। झामुमो ने अटकलों को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि घाटशिला उपचुनाव में स्व. रामदास सोरेन के बेटे सोमेश सोरेन ही पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार होंगे. इस संबंध में जल्द ही आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी.

AFFIDAVIT

I **Pradeep Kumar Singh**, S/o Murari Singh, resident of Radhikanagar, Khadangajhar, Telco, P.O. & P.S. Telco, Town Jamshedpur-831004, District - East Singhbhum, Telco, State Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare as follows:

1. That I am Indian citizen since birth.
2. That I am residing at my above noted residence with my family members.
3. That **Khushi Singh** is my own daughter, **Muskan Singh** is my own daughter and **Prateek Singh** is my own son studying in **Shiksha Niketan**, Telco vide Admission No. (**Khushi Singh** Admission No. 317/17 and Admission No. of **muskan Singh** 413/17, Son **Prateek Singh** Admission No. 242/22) respectively studying in class IXC, **muskan singh** class VIth and **prateek Singh** class-1 in **Shiksha Niketan**).
4. That my wife's name **Anita Devi** was wrongly mentioned by me during my daughter's **Khushi Singh** admission, my daughter **muskan Singh** admission and my son's **Prateek Singh's** admission in class (**Khushi Singh** in class1, **muskan Singh** in class Nursery and **Prateek Singh** in class Nursery).
5. That my wife's actual and correct name is **Anita Singh (Aadhar Card No. 576031597596)**
6. That at present all relevant documents bear the name **Anita Singh** which is actual and correct name.
7. That I state that **Anita Devi** and **Anita Singh** is the name of same and one person that is my wife.
8. I am getting a public notice published to this effect in newspaper.
9. That I am executing this declaration to be submitted to the concerned authorities for the change of my wife's name from **Anita Devi to Anita Singh.**

Affidavit No.: 10, Dated : 01.09.25

रघुवर दास का तंज : यू टर्न सरकार! हेमंत ने हमारी नीतियों की ओर लौटना शुरू किया

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यू टर्न सरकार! लौट कर बुद्धू घर को आए वाली कहावत हेमंत सरकार पर पूरी तरह लागू होती है.

पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार बार-बार उन्हीं नीतियों को लागू करने पर मजबूर हो रही है, जिन्हें पहले बदलकर खुद नई नीति पेश की थी. उन्होंने जेएसएससी की परीक्षा पद्धति का उदाहरण देते हुए कहा कि सोरेन सरकार ने पहले उनके कार्यकाल के दो चरणों (पीटी और मेंस) वाले पैटर्न को खत्म कर केवल एक चरण में परीक्षा कराने का निर्णय लिया, लेकिन अब उसी पुराने पैटर्न को फिर से लागू करना पड़ रहा है.

रघुवर दास ने स्थानीय नीति और शराब नीति को लेकर भी मौजूदा सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि चुनाव के समय हेमंत सोरेन ने हमारी स्थानीय नीति की आलोचना की थी और उसे बड़ा मुद्दा बनाया था. लेकिन अब सरकार खुद मान रही है कि वही नीति सही थी. इसी तरह शराब नीति को भी हमारी ही योजना के आधार पर लागू किया गया. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद हेमंत सोरेन ने बदले की भावना से हमारी हर अच्छी नीति-नियमावली को बदल दिया, लेकिन अब धीरे-धीरे यह साफ हो रहा है कि हमारी नीतियां ही राज्यहित, जनहित और युवाओं के भविष्य के हित में थीं.

झारखंड जेएसएससी स्नातक परीक्षा की नई नियमावली लागू हुई

दो चरणों में होगी परीक्षा, कट-ऑफ मार्क्स और सिलेबस तय

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षाओं के लिए नई नियमावली को मंजूरी दे दी है. मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में "स्नातक स्तर तकनीकी या विशिष्ट योग्यता वाला पद, संचालन (संशोधन) नियमावली 2025" को स्वीकृति दी गई. इसके तहत अब परीक्षा दो चरणों, प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा में आयोजित की जाएगी. नए नियमों के अनुसार, यदि किसी भर्ती प्रक्रिया में 50,000 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं, तो प्रारंभिक परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी. इसके अलावा सभी वर्गों के लिए कट-ऑफ अंक भी निर्धारित कर दिए गए हैं:

- सामान्य वर्ग के लिए कट-ऑफ 40%, एससी-एसटी के लिए 32%
- 50 हजार से कम आवेदन पर नहीं होगी प्रारंभिक परीक्षा
- झारखंड से संबंधित सामान्य ज्ञान और राज्य विशेष विषय भी होंगे सिलेबस में शामिल

निर्धारित न्यूनतम कट-ऑफ मार्क्स

वर्ग	न्यूनतम प्रतिशत
अनारक्षित व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस)	40%
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / महिला	32%
अत्यंत पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-1)	34%
पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-2)	30.5%
आदिम जनजाति	30%

परीक्षा सिलेबस का विस्तृत विवरण

1. सामान्य ज्ञान : झारखंड, भारत और पड़ोसी देशों से जुड़े प्रश्न सम-सामयिक घटनाएं, विज्ञान, पुरस्कार, भारतीय भाषाएं, खेल, इतिहास, भूगोल, स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान, पंचायती राज, योजनाएं इत्यादि

2. झारखंड विशेष : झारखंड का भूगोल, इतिहास, भाषा-संस्कृति, खनिज, उद्योग, आंदोलन में योगदान, प्रसिद्ध व्यक्ति और राज्य की योजनाएं

3. सामान्य गणित (मैट्रिक स्तर) : अंकगणित, बीजगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति

4. सामान्य विज्ञान : दैनिक जीवन से जुड़े सामान्य विज्ञान के प्रश्न

5. मानसिक क्षमता जांच : शाब्दिक व गैर-शाब्दिक तर्क, सादृश्य, विश्लेषण, कोडिंग-डिकोडिंग, अंकीय तर्क शक्ति, आदि

नियमावली की खास बातें

- मुख्य परीक्षा के लिए चयन, प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा
- कुल रिक्तियों के 15 गुणा अभ्यर्थियों की मेधा सूची तैयार की जाएगी
- यदि किसी वर्ग के उम्मीदवारों की संख्या कम हुई तो अतिरिक्त उम्मीदवारों को मौका मिलेगा
- कट-ऑफ अंक बराबर होने पर सभी योग्य उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा

इस नई नियमावली का उद्देश्य चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक बनाना है, ताकि सभी वर्गों को न्यायसंगत अवसर मिल सके.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 04 सितंबर 2025 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 148 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

खूंटी: पंखे से लटक कर युवक ने की खुदकुशी

खूंटी। तोरपा थाना क्षेत्र के कुल्डा गांव में मंगलवार की रात अनुग्रह बारला नामक (25) वर्षीय युवक ने फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली. अनुग्रह के पिता जॉर्ज बरला ने बताया कि मंगलवार की रात खाने खाने के बाद अनुग्रह अपने कमरे में सोने चला गया. वहीं सीलिंग फंखे में एक बड़े तौलिए से लटक कर उसने खुदकुशी कर ली. बुधवार सुबह परिजन उसके कमरे में गये तो, देखा कि अनुग्रह फंखे से लटक रहा है। परिजन उसे उतार कर रेफरल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना पाकर तोरपा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया.

जहरीला भोजन करने से बाप-बेटे की मौत

बोकारो। बोकारो जिले के चास प्रखंड अंतर्गत मानगो पंचायत के कर्मागोड़ा गांव से देर से एक

- 5 लोग गंभीर रूप से बीमार

दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के सभी सदस्य विषाक्त भोजन की चपेट में आ गए. जहरीला भोजन खाने से सबसे पहले 22 वर्षीय नरेश मांझी की सोमवार की सुबह लगभग 4 बजे घर पर ही मौत हो गई. इसके बाद मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे इलाज के दौरान उनके पिता, 55 वर्षीय लोबिन मांझी की भी सदर अस्पताल में मृत्यु हो गई. परिवार के अन्य पांच सदस्य बड़े पुत्र 35 वर्षीय वकील मांझी, बहू सोमली देवी (30 वर्ष), बेटी सोहगी कुमारी (18 वर्ष), पोता अरुण मुर्मू (2 वर्ष) और लोबिन मांझी की पत्नी भी गंभीर रूप से बीमार हैं और फिलहाल बोकारो सदर अस्पताल में भर्ती हैं. घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आया और सिविल सर्जन के निर्देश पर ग्राम स्तरीय मेडिकल टीम को तत्काल जांच के लिए गांव भेजा गया. बाद में जिला स्तरीय मेडिकल टीम भी कर्मागोड़ा पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है. हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भोजन में ज़हर कैसे मिला.

रिनपास का शताब्दी समारोह आज, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे मुख्य अतिथि, सभी तैयारियां पूरी

मंत्री इरफान अंसारी ने सौंपा न्योता, अस्पताल का निरीक्षण कर दिए निर्देश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजधानी रांची स्थित रिनपास (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकेट्री एंड एलाइड साइंसेज) अपने 100 साल पूरे होने पर शताब्दी समारोह का आयोजन करने जा रहा है. यह भव्य आयोजन 4 सितंबर को कांके स्थित रिनपास परिसर में आयोजित होगा. इस ऐतिहासिक मौके पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया, जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया है. मुख्यमंत्री की

उपस्थिति को लेकर संस्थान के कर्मियों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है. इस शताब्दी समारोह में देश-विदेश से नामचीन मानसिक रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर और शोधकर्ता शामिल होंगे. कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल रिनपास की ऐतिहासिक उपलब्धियों को रेखांकित करना है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भविष्य की दिशा को भी रेखांकित करना है. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि रिनपास ने मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में पिछले 100 वर्षों में जो योगदान दिया है, वह गौरवपूर्ण है. अब यह समारोह राज्य के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में एक नई उम्मीद और नई पहचान लेकर आएगा. गौरतलब है कि रिनपास की स्थापना 1925 में हुई थी और तब से यह संस्थान न केवल झारखंड, बल्कि देशभर के मानसिक रोगियों के लिए प्रमुख इलाज केंद्र बना हुआ है. शताब्दी वर्ष का यह आयोजन इस ऐतिहासिक यात्रा को सम्मान देने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का भी कार्य करेगा.

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने किया निरीक्षण

रिनपास का शताब्दी समारोह 4 सितंबर को आयोजित किया जाएगा और इसकी तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं. बुधवार को झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कांके स्थित रिनपास परिसर का निरीक्षण किया और कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारियों की समीक्षा की. डॉ. अंसारी ने विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि, यह कार्यक्रम सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के एक नए युग की शुरुआत है. यह झारखंड के लिए गर्व की बात है.

डॉ. इरफान अंसारी द्वारा जारी दिशा-निर्देश:

- मीडिया प्रतिनिधि समय से पूर्व कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाएं
- आमंत्रित अतिथि केवल निर्धारित प्रवेश द्वार का ही उपयोग करें.
- सुरक्षा और यातायात से जुड़े प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन हो.
- कार्यक्रम स्थल पर अनुशासन और गरिमा बनाए रखी जाए.
- सभी विभागीय पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियां तत्परता से पूरी तरह सक्रिय होकर निभाएं.

100 वर्षों की सेवा का सम्मान

रिनपास झारखंड ही नहीं, पूरे पूर्वी भारत के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख संस्थान रहा है. इस शताब्दी समारोह के जरिए न सिर्फ इसकी 100 वर्षों की सेवा यात्रा का सम्मान किया जाएगा, बल्कि आने वाले समय में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और संसाधनों के विस्तार का संकल्प भी दोहराया जाएगा. डॉ. अंसारी ने कहा, यह समारोह राज्य के हर नागरिक के लिए गर्व का विषय है और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मरीजों के लिए नई आशा की किरण भी.

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

- मेदिनीगर टाउन थाना में दर्ज की गई जीरो एफआईआर

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू में पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री केएन त्रिपाठी के खिलाफ मेदिनीगर टाउन थाना में जीरो एफआईआर दर्ज हुई है. एससी-एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में दर्ज एफआईआर में पूरे मामले की जांच के लिए दारोगा रैंक के पुलिस अधिकारी को जिम्मेवारी सौंपी गयी है. मेदिनीनगर टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने एफआईआर की पुष्टि की है. मालूम हो कि झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी पर अपने अंगरक्षक से दुर्व्यवहार और जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल करने का आरोप लगा है.

पुलिस को दिए आवेदन में क्या लिखा है बॉडीगार्ड ने: पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के दोनों बॉडीगार्ड ने पुलिस को लिखे आवेदन में कहा कि मंगलवार को पूर्व मंत्री मेदिनीनगर से लातेहार के लिए रवाना हुए थे. लातेहार के जुबली

चौक पर जाम लगा हुआ था, जिसे पूर्व मंत्री ने हटाने का आदेश दिया था. जाम हटाने के क्रम में कुछ देर बाद पूर्व मंत्री बॉडीगार्ड के पास पहुंचे और जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए उन्हें थप्पड़ जड़ दिया. इसके बाद में दोनों लातेहार थाने में चले गए, जहां लातेहार एसडीपीओ की मौजूदगी में अल्कोहल टेस्ट भी किया गया. दोनों जवान बुधवार को मेदिनीनगर टाउन थाना पहुंचे और एफआईआर के लिए आवेदन दिया.

झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने डीजीपी को लिखा पत्र: पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के बॉडीगार्ड मामले में झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने डीजीपी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की थी. झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन की टीम बुधवार को पलामू पहुंची और दोनों बॉडीगार्ड से बातचीत की. इसके बाद झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष कर्ण सिंह ने मीडिया से कहा कि घटना निंदनीय है. मामले में गृह सचिव, डीजीपी और वरीय अधिकारियों को अवगत कराया है. इसी कड़ी में एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है. आरोपी को बचाने वालों के खिलाफ भी झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन आंदोलन करेगा.

38 लोगों से गाड़ी दिलाने के नाम पर की थी ठगी

कल्पना सोरेन के खिलाफ चुनाव लड़ने वाला ठग शमीम गिरफ्तार

शुभम संदेश। गिरिडीह

गिरिडीह जिले के पचम्बा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक ऐसे ठग को गिरफ्तार किया गया, जिसकी चालाकी ने सभी को हैरान कर दिया. थाने लाए गए इस साधारण से दिखने वाले व्यक्ति की असलियत सामने आते ही सभी चौंक गए. गिरफ्तार शख्स कोई और नहीं, बल्कि शमीम अख्तर है, जो झारखंड की चर्चित महिला नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ चुका है. शमीम अख्तर ने 2024 के विधानसभा चुनाव में गांडेय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था. वह उस समय राधा स्वामी नामक संगठन से जुड़ा हुआ था और उसी के बैनर तले मैदान में उतरा था. हालांकि, चुनाव में कल्पना सोरेन ने भारी अंतर से जीत हासिल की थी और शमीम की जमानत तक जब्त हो गई थी. बावजूद इसके, उसने चुनाव लड़कर एक अलग पहचान बनाने की

कोशिश की थी.

अब शमीम अख्तर पर 38 लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप है. उसने नई गाड़ियां दिलाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की वसूली की, लेकिन न तो गाड़ियां दिलाईं और न ही फाइनेंस कंपनियों को किस्तें चुकाईं. पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया. राधा स्वामी संगठन की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया है कि शमीम अब संगठन का हिस्सा नहीं है. संगठन ने उसकी हरकतों को गंभीरता से लेते हुए उसे पहले ही निष्कासित कर दिया था.

एक पीड़ित ने बताया कि उसने शमीम को गाड़ी के लिए नकद पैसे दिए थे. वह चेक देने को तैयार था लेकिन शमीम ने चालाकी दिखाते हुए केवल कैश में रकम ली और फिर फाइनेंस कंपनी को कोई भुगतान नहीं किया. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और शमीम अख्तर के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है.

झारखंड के एक और अपराधी का यूपी में एनकाउंटर

अपराधी चंद्रेश पर 25 हजार का इनाम था घोषित

शुभम संदेश। रांची

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के रेणुकूट स्थित गांधी नगर रेलवे मार्केट में एक छह साल की बच्ची के अपहरण की कोशिश के बाद पुलिस ने झारखंड के गढ़वा जिले के एक आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की पहचान गढ़वा जिले के धुरकी थाना क्षेत्र के पुतुर गांव निवासी 29 वर्षीय चंद्रेश कुमार बैठा के रूप में हुई है, जिसे मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगी है. घटना सोमवार की रात की है. इससे पहले बीते महीने यूपी पुलिस ने धनबाद के रहने वाले अपराधी आशीष रंजन सिंह को एनकाउंटर में मार गिराया था.

सोनभद्र के गांधी नगर रेलवे मार्केट स्टेशन के वार्ड नंबर एक में रहने वाले दिनेश मेहता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके मोहल्ले में बच्चों को टॉफी और बिस्कुट बांट रहा था. इसी दौरान उसने दिनेश मेहता की छह वर्षीय भतीजी खुशी कुमारी को अगवा करने की कोशिश की. बच्ची के परिवार और स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा. खुशी के परिवार द्वारा तुरंत सूचना दिए जाने पर, एसपी अशोक कुमार मीणा ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया. मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सोमवार रात धौकीनाला के जंगल में घेराबंदी की.

गायब नाबालिग राजस्थान से बरामद, आरोपी हुआ गिरफ्तार

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

तरहसी प्रखंड क्षेत्र से गायब 17 साल की दलित नाबालिग लड़की को राजस्थान से बरामद किया गया है. नाबालिग लड़की को शादी की नियत से भगा ले जाने के आरोपित चैनपुर के गरदा गांव के बॉबी आलम, पिता लतीफ उर्फ कुद्दूस मियां को गिरफ्तार किया गया है. बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

उल्लेखनीय है कि घर से दलित नाबालिग लड़की के गायब हो जाने पर 15 जुलाई को तरहसी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी और बॉबी आलम पर शादी की नियत से नाबालिग लड़की को भगा ले जाने का आरोप लगाया गया था. मामला दर्ज होने पर एएसआई संजय कुमार, जवान विकेश पाल और सुनिता देवी ने कार्रवाई शुरू की. बॉबी और नाबालिग लड़की का मोबाइल ट्रेस करने पर राजस्थान में लोकेशन मिला. एएसआई संजय टीम के साथ राजस्थान पहुंचे और वहां की स्थानीय पुलिस की मदद से कोटपुतली जिले के बहरोड़ इलाके में छापेमारी की तो यहां किराये के मकान से नाबालिग लड़की मिली. बॉबी उसे वहां छुपाकर रखा था. बॉबी को गिरफ्तार करने के बाद उसे वहां के स्थानीय कोर्ट में पेश किया गया और ट्रांजिट रिमांड पर लेकर पुलिस दो सितंबर को तरहसी पहुंची. लड़की की मेडिकल जांच करायी गयी और आरोपित को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

बुजुर्ग पिता को पीटा, कैंसर पीड़ित मां को भी घर से निकाला...

बेटे के खिलाफ धरने पर बैठे दंपती

शुभम संदेश। चक्रधरपुर

हर माता-पिता अपने बच्चों की परवरिश हैसियत से बढ़कर करते हैं. बच्चे को मामूली सर्दी-जुकाम भी होता है तो वे परेशान हो जाते हैं. डॉक्टर-अस्पताल के चक्कर लगाते हैं, लेकिन वही बच्चे जब बड़े होकर इस एहसान को भूल जाते है तो सोचिए उन बुजुर्ग माता-पिता पर क्या गुजरती होगी. ऐसे ही एक कलयुगी बेटे और बहू की करतूत ने मानवता को शर्मसार कर दिया है. मामला पश्चिम सिंहभूम के चक्रधरपुर का है, जहां झुमका मुहल्ला के सज्जन गली के रहने वाले बुजुर्ग पिता के साथ उनके बेटे-बहू ने मारपीट की. इतना ही नहीं उन लोगों ने कैंसर पीड़ित मां को भी नहीं बख्शा. दोनों को धक्के मार कर घर से निकाल दिया.

बेटा-बहू पर प्रताड़ित करने का आरोप : बेटे-बहू से प्रताड़ित बुजुर्ग दंपति चौक में तख्तियां लेकर धरने पर

बैठ गये. 65 वर्षीय अर्जुन प्रताप साव और उनकी 55 वर्षीया पत्नी शकुंतला देवी ने बेटे आलोक साव और बहू सुषमा पर मारपीट करने और घर से बेदखल करने का आरोप लगाया. शकुंतला देवी अपने हाथ में जो तख्ती लेकर बैठी थी उसमें लिखा था, "मुझे कैंसर है". वहीं चोट की वजह से सिर पर पट्टी बांधकर धरने पर बैठे अर्जुन साव के हाथ में जो तख्ती थी उसमें लिखा था, "पुत्र आलोक साव और बहू सुषमा देवी ने मुझे और मेरी पत्नी के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया है. मैं अभी किराया के मकान में रह रहा हूं. 29 अगस्त को उनलोगों ने किराये के मकान में आकर फिर से मारपीट किया. आलोक साव के खिलाफ यह धरना है.

दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने जेवर दुकान से लूटे नकदी सहित लाखों के गहने

जमशेदपुर। दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने ज्वैलर्स दुकान से नकदी सहित लाखों के गहने लूटकर फरार हो गए. घटना सोनारी थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर घटी. वर्धमान ज्वैलर्स में पांच से सात की संख्या में हथियारबंद अपराधी ग्राहक बन कर घुसे और पलक झपकते ही लाखों रुपये मूल्य के गहने और नकदी लूटकर फरार हो गए. इस दौरान अपराधियों ने दुकान मालिक पर पिस्टल की बट से हमला कर उसे घायल भी कर दिया. अचानक हुई घटना से पूरे इलाके में भगदड़ मच गई. घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी पियूष पांडे, सिटी एसपी शिव आशिष कुमार और डीएसपी मनोज ठाकुर दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की. पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर नाकाबंदी की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है. खास बात यह है कि जिस स्थान पर

यह लूट हुई, वहां से कुछ ही दूरी पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का कार्यालय स्थित है. इसके बावजूद अपराधियों का बेखौफ होकर दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देना शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपराधियों ने चेहरा ढक रखा था और सभी पहले से योजना बनाकर आए थे. दुकानदार पंकज जैन को इलाज के लिए टाटा मेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कुल कितने की लूट हुई है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान के अनुसार गहनों और नकदी की कीमत लाखों रुपये तक पहुंच सकती है.

दुर्गा पूजा के दौरान मंडरा रहा बारिश का साया

बंगाल की खाड़ी में दो नए निम्न दबाव क्षेत्र बन रहे

शुभम संदेश। रांची

दुर्गा पूजा के दौरान झारखंड में बारिश की आशंका जताई जा रही है. राज्यभर में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है और सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है. मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने जानकारी दी है कि पूरे दुर्गोत्सव के दौरान बारिश की संभावना बनी रहेगी. मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में दो नए निम्न दबाव क्षेत्र विकसित हो सकते हैं, जिनका प्रभाव झारखंड के मौसम पर भी पड़ेगा. अनुमान है कि 15 सितंबर के बाद एक नया सिस्टम बनेगा, जिसके चलते दुर्गा पूजा के दौरान हल्की से लेकर भारी बारिश हो सकती है. साथ ही, इस बार मानसून 15 अक्टूबर तक सक्रिय रह सकता है.

हालांकि अगस्त में अपेक्षाकृत कम बारिश हुई. जहां औसत वर्षा 290.6 मिमी होनी चाहिए थी, वहीं केवल 251.5 मिमी ही रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से 13% कम है. लेकिन मौसम विभाग का मानना है कि सितंबर में अच्छी बारिश की संभावना है. अगर महीने में तीन से चार दिन अच्छी वर्षा हो गई, तो सितंबर का औसत कोटा आसानी से पूरा हो सकता है. फिलहाल, बंगाल की खाड़ी के उत्तर और मध्य हिस्से में बने सिस्टम के कारण यह सिस्टम ओडिशा से गुजरते हुए झारखंड को प्रभावित करेगा. इसके असर से 2 से 5 सितंबर तक राज्य में बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. खासकर 2 सितंबर को दक्षिणी और मध्य झारखंड में भारी वर्षा के आसार हैं. इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं.

सितंबर माह में बारिश

- सितंबर माह में सामान्य बारिश 212.3 मिमी होती है.
- 2020 में सबसे कम 118.1 मिमी (44% कम) बारिश दर्ज हुई.
- 2021 में 290 मिमी (37% अधिक), 2022 में 318.8 मिमी (50% अधिक), 2023 में 273.6 मिमी (29% अधिक) और 2024 में 333.1 मिमी (57% अधिक) बारिश हुई.
- अगस्त माह में इस साल 251.5 मिमी बारिश हुई, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे कम है. जबकि 2022 में सबसे अधिक 598.2 मिमी दर्ज की गई थी.

झारखंड के विभिन्न जिलों में 5 सितंबर तक बारिश के आसार

झारखंड के विभिन्न जिलों में पांच सितंबर तक हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है. साथ ही कहीं - कहीं पर तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है. इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि निम्न दबाव के कारण एक ट्रफ दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान और आसपास के इलाकों से होते हुए झारखंड और और मध्य प्रदेश एवं दक्षिणी उत्तर प्रदेश को पार कर रहा है. इसके चलते झारखंड के विभिन्न जिलों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश होने की संभावना है. 24 घंटे के दौरान झारखंड में सबसे अधिक बारिश गढ़वा जिले के धुरकी में 35.5 मिलीमीटर दर्ज की गई. मंगलवार को सुबह में रांची और आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश दर्ज की गई. बारिश होने से तापमान में कमी दर्ज की गई. राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा जिले में 35.6 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार जिले में 21.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री, जमशेदपुर में 33.3 डिग्री, डालटेनगंज में 33.6, बोकारो में 35.2, चाईबासा में 33.8, खूंटी में 31.8, लोहरदगा में 30.9 और गढ़वा में अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

खूंटी में हाथी ने युवक को कुचलकर मार डाला

खूंटी। जिले में जंगली हाथियों का आतंक और खूनी खेल लगातार बढ़ता जा रहा है. शायद ही कोई ऐसी रात गुजरती है, जब गजराज किसी न किसी गांव में आतंक न मचाते हो. मंगलवार की रात को भी रनिया थाना क्षेत्र के बोंगतेल गांव के नजदीक जंगल के पास जंगली हाथी ने 32 वर्षीय कृष्णा सिंह नामक युवक को कुचलकर मार डाला. कृष्णा सिंह स्थानीय ग्रामीणों के साथ गांव में घुसे एक जंगली हाथी को गांव से जंगल की ओर भगा रहा था. इसी दौरान जंगली हाथी ने कृष्णा पर हमला कर दिया और उसे कुचलकर मौत के घाट उतार दिया. घटना के बाद मामले की जानकारी वन विभाग के कर्मियों को दी गई. ग्रामीणों ने बताया कि कृष्णा सिंह को कुचलने के बाद जंगली हाथी शव के नजदीक घंटों खड़ा रहा. इसके कारण रात में स्थानीय ग्रामीण शव को ला नहीं सके.

धनबाद के गोविंदपुर क्षेत्र-3 में अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ का आंदोलन

मजदूरों ने लगाए नारे, 'रिटायरमेंट के बाद भी मिले सहारा- कैशलेस इलाज हो हमारा'

शुभम संदेश। रांची/धनबाद

गोविंदपुर क्षेत्र संख्या-3 में अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के तीसरे चरण का आंदोलन हुआ. आंदोलन के क्रम में न्यू आकाशकिनारी कोलियरी के चेक पोस्ट से लेकर भटमुरना मोड़ तक मजदूरों ने प्रभात फेरी निकाली. प्रभात फेरी की अगुवाई केंद्रीय संगठन मंत्री सुशील कुमार सिंह ने की. आंमदोलन को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय पदाधिकारी, डीसीकेएस व फेडरेशन के मंत्रियों ने एक स्वर में "कोल इंडिया को बचाने" का संकल्प लिया. आंदोलन के क्रम में संघ ने संकल्प लिया कि गली से लेकर दिल्ली तक एक ही नारा गूंजेगा – कोयला उत्पादन हो स्थायी मजदूरों के द्वारा, "निजीकरण छोड़ प्रबंधन श्रमिकों को 50% उत्पादन का अवसर दे.

कार्यक्रम में पर्यावरण और सेवानिवृत्त कर्मियों के मुद्दों को भी उठाया गया. मजदूरों ने नारा लगाया- प्रदूषण से राष्ट्र को बचाना है, कोल इंडिया को सहारा बनाना है. सेवानिवृत्त कर्मियों का अधिकार – सीपीआरएमएसई में कैशलेस इलाज हर बार, रिटायरमेंट के बाद भी मिले सहारा – कैशलेस इलाज हो हमारा.

संघ के पदाधिकारियों ने एक स्वर में 'कोल इंडिया को बचाने' का संकल्प लिया

कोल इंडिया प्रबंधन की सकारात्मक पहल

अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के आंदोलन के मद्देनजर कोल इंडिया प्रबंधन ने संघ की मांगों को पूरा करने को लेकर सकारात्मक पहल की है. प्रबंधन ने ठेका मजदूरों के लिए एक एसओपी जारी किया है, जिसमें फ्री इलाज, शिक्षण संस्थान में ठेका मजदूरों के बच्चों को छूट और कंपनी के सरप्लस आवासों को ठेका मजदूरों को आवंटित करने की बात कही गयी है. सके अलावा भी प्रबंधन ने ठेका मजदूरों को अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही है.

आंदोलन में मजदर संघ के इन पदाधिकारियों की रही भागीदारी

अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के मंत्री कृष्णा कुमार सिंह, धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मुरारी तांती, डीसीकेएस के कार्यकारी अध्यक्ष सुशील कुमार सिंह, उपाध्यक्ष मंतोष कुमार तिवारी, संयुक्त महामंत्री भौमिक महतो, गोविंदपुर क्षेत्र के प्रभारी चंद्रशेखर राय, गोविंदपुर क्षेत्र के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय संगठन मंत्री नूनमनी सिंह, कोषाध्यक्ष राखाल रजवार , क्षेत्रीय कल्याण बोर्ड सदस्य चंद्रशेखर महतो, क्षेत्रीय संयुक्त सचिव गजेंद्र कुमार, विजय सिंह , रामबचन पासवान, दिलीप सिंह, घनश्याम यादव, गुलु प्रसाद, मंतोष कुमार तिवारी, श्याम कुमार यादव, प्रदुमन नोनिया, पवन कुमार लोध, संजय कुमार, अशोक कुमार एवं सभी शाखा के प्रभारी, अध्यक्ष एवं सचिव के साथ मातृ शक्ति व कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे.

केके सिंह बने बीसीसीएल कंपनी कल्याण बोर्ड के मेंबर

धनबाद। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) में गंगा सागर राय के स्थान पर कंपनी कल्याण बोर्ड अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ का प्रतिनिधित्व करने के लिए कुसुंडा क्षेत्र के कृष्ण कुमार सिंह का मनोनयन किया गया है. यह जानकारी संघ के महामंत्री सुजीत सिंह ने दी. महामंत्री ने केके सिंह के मनोनयन की सूचना बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक को भी दे दी है. पत्र में बताया गया है कि सिंह कंपनी एवं मजदूरों की समस्याओं के निराकरण में सहयोग करेंगे.

करम उत्सव पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजधानी रांची के कांके नवा टोली पिठौरिया स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विवि में बुधवार को करम उत्सव धूमधाम से मनाया गया. इस पावन अवसर पर कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया.

इस अवसर पर संस्था कि संचालिका बीके राजमती बहन ने कहा कि करम उत्सव हमारी संस्कृति और सभ्यता का पहचान है. यह हमारे एकता को प्रकट करने वाला त्यौहार है. इस दिन सभी बहनें अपने भाइयों के लिए करमा का त्यौहार करती हैं. यह त्यौहार आपसी प्रेम, सद्भाव सहित अपनी प्रकृति और संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प भी दिलाता है.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय कि संचालिका बीके राजमती, पोद्दार ग्रुप के चेयरमैन सह उद्योगपति राज कुमार पोद्दार, समाजसेविका अन्नू पोद्दार, डीएवी गांधीनगर स्कूल, जूनियर विंग की इंचार्ज डॉ. जया जायसवाल, सीसीएल के प्रविस कुमार, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे. संस्था के बच्चों ने करम उत्सव के दौरान अपनी प्रस्तुतियों में लोक नृत्य और लोक गीत पेश किए. सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने लोक गीत और नृत्यों का शानदार प्रदर्शन किया.

रांची में चार लोगों से 13.58 लाख रुपये की धोखाधड़ी

बिना ओटीपी बताए भी साइबर ठगों ने खाते से उड़ाए लाखों

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में साइबर अपराधियों ने चार अलग-अलग लोगों को निशाना बनाते हुए कुल 13.58 लाख रुपये की ठगी कर डाली. चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ मामलों में पीड़ितों ने न तो कोई ओटीपी साझा किया और न ही किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक किया, फिर भी उनके खातों से लाखों रुपये निकाल लिए गए. सभी पीड़ितों ने मामले की शिकायत साइबर थाना, रांची में दर्ज कराई है.

पार्सल के बहाने संजय कुमार से उड़ाए 1.72 लाख रुपये : चुटिया निवासी संजय कुमार को ठगों ने पार्सल डिलीवरी के नाम पर शिकार बनाया. संजय ने अपने बेटे द्वारा भेजे गए पार्सल की जानकारी गूगल पर खोजी और वहां से एक कथित कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क किया. इसके बाद उन्हें एक कॉल आया, जिसमें खुद को गाजियाबाद पोस्ट ऑफिस का कर्मचारी बताकर 2 रुपये भेजने को कहा गया. जैसे ही संजय ने लिंक पर क्लिक कर भुगतान की प्रक्रिया शुरू की, उनके खाते से 1.72 लाख रुपये गायब हो गए.

ऑनलाइन ट्रेडिंग में श्रेयाज टोप्पो से 2.9 लाख की ठगी : डोरंडा के कुसई कॉलोनी निवासी श्रेयाज टोप्पो को टेलीग्राम के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग का लालच दिया गया. ठगों ने भारी मुनाफे का वादा कर उन्हें अपने जाल में फंसा लिया. श्रेयाज ने बताए गए खाते में क्रमशः 2.9 लाख रुपये निवेश कर दिए. न तो उन्हें कोई लाभ मिला और न ही रकम वापस. इसके बाद उन्होंने साइबर थाना में मामला दर्ज कराया.

बिना ओटीपी दिए गौरव कुमार के क्रेडिट कार्ड से निकाल लिए 1.57 लाख रुपये

हेहल निवासी गौरव कुमार का कहना है कि उन्होंने न तो कोई ओटीपी साझा किया, न ही किसी लिंक पर क्लिक किया, फिर भी उनके क्रेडिट कार्ड से 1.57 लाख रुपये की अवैध निकासी हो गई. यह घटना साइबर अपराधियों की तकनीकी क्षमता और सिस्टम में मौजूद खामियों को उजागर करती है.

इटकी निवासी शिव पीटर बाखला का चौंकाने वाला मामला

शिव पीटर बाखला के अनुसार, उनके मोबाइल पर एक अनजान कॉल आया जिसमें ओटीपी पूछने की कोशिश की गई. उन्होंने सतर्कता दिखाते हुए न तो ओटीपी बताया और न ही बात आगे बढ़ाई, बल्कि फोन काट कर मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया. इसके बावजूद जब वे बैंक पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके खाते से 7.39 लाख रुपये की अवैध निकासी हो चुकी है. यह मामला साइबर सुरक्षा की गंभीर चूक को उजागर करता है.

एक नजर

मंटू वर्मा बने रांची महानगर सुरक्षा दस्ता के अध्यक्ष

रांची। सुरक्षा दस्ता रांची महानगर की बैठक रातू रोड में मुख्य संरक्षक रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता में हुई. बैठक का संचालन मुख्य संरक्षक बजरंग वर्मा ने किया, जिसमें पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया. सर्वसम्मति से मंटू वर्मा को अध्यक्ष बनाया गया. रवींद्र वर्मा, बजरंग वर्मा को मुख्य संरक्षक, रुपेश चौरसिया को संयोजक, मिंटू सिंह को मंत्री, रोशन चौधरी, सुभाष राय, सुजीत वर्मा, सुरेश ठाकुर, राजेश सरदाना को उपाध्यक्ष, सोनू पांडा, रवि वर्मा, पिंकी टोप्पो शाह को मंत्री, कुमारी पूनम वर्मा, रविंद्र गौर को प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी, शिव कौशल शर्मा कोषाध्यक्ष, पूनम वर्मा, शुभम चौधरी, आर्य चंद्रवंशी को सह मीडिया प्रभारी सहित 51 कार्यकारिणी सदस्यों का मनोनीत किया गया. मौके पर अध्यक्ष मंटू वर्मा ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से सुरक्षा दस्ता रांची महानगर दुर्गा पूजा में सहायता शिविर लगाती आ रही है. इस साल पर श्रद्धालुओं की सेवा में शिविर लगाएगी.

भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर की हुई पूजा-अर्चना

रांची। पदमा एकादशी के पावन अवसर पर दिव्यदेशम श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मन्दिर में भगवान् श्रियः पति का पांचरात्र आगम शास्त्र में बताए विधान के अनुसार पूजा-अर्चना की गई. इसके पहले ब्रह्माण्डनायक श्रीहरि का विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम्, वेंकटेश स्तोत्रम्, मंगलाशासनम्, वेंकटेश प्रपत्ति और संकट हरण स्तुति की गई और पूरे देश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों के संकट निवारण के लिए प्रार्थना की गई. फिर सुश्राव्य वेदध्वनियों के बीच नक्षत्र, कुंभ और कर्पूर थाली से महाआरती की गयी. सांवा दाना का खीर, साबूदाना, आलू का लड्डू, पकौड़ा, फल और मेवे का बाल भोग निवेदित करके फिर स्तोत्रों, उपनिषदों और श्रुतिसम्मत स्तुतियों से स्तवन हुआ. इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने भक्तार्तिनाशन भगवान श्रीवेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना के आयोजन में भाग लिया और उनकी कृपा प्राप्त की. श्रद्धालुओं ने भगवान पूजा में हर्ष हृदय से भाग लिया और उन्हें आध्यात्मिक शान्ति और आत्मिक सुख की प्राप्ति हुआ. अनुष्ठान को अर्चक सुरज गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने शास्त्र सम्मत तरिके से संपन्न कराया.

खूंटा पूजन के साथ दुर्गोत्सव की तैयारियां हुईं शुरू

रांची। राजधानी रांची में भवानीपुर दुर्गा पूजा समिति डोरंडा की ओर से बुधवार को विधि-विधान से खूंटा पूजन किया गया. इसके साथ ही दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ हुआ. यह जानकारी समिति के अध्यक्ष रोहित वर्मा ने बुधवार को दी. अध्यक्ष रोहित वर्मा ने बताया कि अन्य वर्षों की भांति इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ दुर्गा पूजा मनाया जाएगा. धार्मिक आयोजनों को लेकर समितियां सक्रिय हो गई हैं. समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष पूजा पंडाल आकर्षण का केंद्र बनेगा. पूजा समिति की ओर से भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी. सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन से सहयोग लिया जाएगा. उन्होंने बताया कि खूंटा पूजन के साथ ही पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल और श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है. खूंटा पूजन के अवसर पर समिति के अध्यक्ष रोहित वर्मा, समिति के मुख्य संरक्षक, झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, जेएससीए उपाध्यक्ष संजय पांडे, समिति के संरक्षक गौतम उपाध्याय, राहुल झा, अध्यक्ष रोहित वर्मा, त्रिवेणी ठाकुर, रणधीर सिन्हा, रूपेश गुप्ता सहित अन्य सदस्य और स्थानीय लोग मौजूद थे

विस्थापन आयोग के गठन से विस्थापितों को मिलेगा न्याय : कमलेश

रांची। विस्थापन और पुनर्वास आयोग के गठन के लिए कैबिनेट से नियमावली को मंजूरी मिलने पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने विस्थापित परिवारों को न्याय देने की दिशा में सराहनीय पहल बताया है. कमलेश ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कैबिनेट के सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड में विस्थापन एक बड़ी समस्या है.उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए आयोग की मांग वर्षों से लंबित थी जिसे पूरा करने की दिशा में कदम उठाया गया है। आयोग के गठन से बोकारो, धनबाद, बड़कागांव, चांडिल और एचईसी सहित विभिन्न क्षेत्रों में विस्थापित परिवारों को न्याय मिलने का रास्ता साफ होगा. विकास और निर्माण के नाम पर हजारों परिवारों को उनकी जमीनों से विस्थापित किया गया था, सैकड़ों मामलों में विस्थापित परिवार अपनी मांगों को लेकर वर्षों से आंदोलनरत हैं, लेकिन उचित प्लेटफार्म के अभाव में विस्थापितों की मांगों पर सुनवाई नहीं हो पा रही थी.

परिवर्तनी एकादशी पर श्री श्याम मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

दरबार अनोखा, सरकार अनोखी जैसे भजनों की गंगा बही

शुभम संदेश। रांची

अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में बुधवार को पद्मा एकादशी महापर्व धूमधाम से मनाया गया. मौके पर दरबार अनोखा, सरकार अनोखी, खाटू वाले की हर बात अनोखी.. जैसे भजनों पर श्याम भक्त भाव-विभोर हो गए. सुबह से ही श्याम प्रभु के दर्शनों के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. प्रातः आरती के उपरांत श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) धारण कराया गया और स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न प्रकार के फूलों से उनका मनमोहक श्रृंगार किया गया. साथ ही मंदिर में विराजमान श्रीबजरंगबली एवं शिव परिवार का भी विशेष श्रृंगार किया गया.

रात्रि नौ बजे पावन ज्योत प्रज्वलन के साथ श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा गणेश वंदना से संगीतमय संकीर्तन का शुभारंभ किया गया. श्याम भजनों की मधुर स्वर-लहरियों पर भक्तजन भक्ति-रस में लीन हो गए. हारा हूं बाबा बस तुझपे भरोसा है, जीतूंगा एक दिन, मेरा दिल ये कहता है..., पलकों का घर तैयार सांवरे, मेरी अखियां करें इंतज़ार सांवरे, महलों जैसे ठाठ नहीं, देख तो आओ..., शाम सबेरे देखूं तुझको, कितना सुंदर रूप है.. मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है.. जैसे भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक खाटू नरेश की भक्ति में लीन रहे. भक्त संकीर्तन में मग्न रहते हुए पावन ज्योत में आहुति दे कर अपने मनवांछित फलों की कामना कर रहे थे.

इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को फल, मिठाई, मेवा, मगही पान एवं केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया. रात 12 बजे महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ आयोजन संपन्न हुआ.

आज खीर-चूरमा का भोग अर्पित किया जाएगा : कार्यक्रम को सफल बनाने में गोपी किशन ढांढनिया, चंद्रप्रकाश बागला, धीरज बंका, नितेश केजरीवाल, प्रदीप अग्रवाल, अमित जलान, ज्ञान प्रकाश बागला, अजय साबू, राजेश सारस्वत , सुमित पोद्दार, बालकिशन परसरामपुरिया का विशेष सहयोग रहा. सुमित पोद्दार ने बताया कि गुरुवार को द्वादशी के अवसर पर शाम 6:30 बजे श्री श्याम प्रभु को खीर-चूरमा का भोग अर्पित किया जाएगा.

भव्य श्रृंगार व अखंड ज्योति के साथ हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मनाई गई परिवर्तनी एकादशी

रांची। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भाद्रपद शुक्ल पक्ष की परिवर्तनी एकादशी के अवसर पर मंगलवार को भव्य धार्मिक आयोजन हुआ. बाबा श्याम के दरबार को बेंगलुरू से मंगवाए गए फूलों से अलंकृत किया गया.श्रृंगार सेवा श्याम प्रेमी के परिवारों द्वारा निवेदित की गई थी. सुबह 5:30 बजे की मंगला आरती से आरंभ हुआ कार्यक्रम रात्रि 12:15 बजे की आरती तक अनवरत चला. दिनभर दर्शन के लिए मंदिर के पट खुले रहे और भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं. प्रमुख भक्तों में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, मंत्री पंकज गाड़ोदिया, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

वन बंधु परिषद की राष्ट्रीय बैठक में महिला समिति की भूमिका की सराहना

एकल अभियान एक विलक्षण संस्था, सामाजिक परिवर्तन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका : समीर लोहिया

शुभम संदेश। रांची

वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय संगठन के पांचवें सत्र की बैठक बुधवार को राजधानी रांची स्थित होटल बीएनआर चाणक्य में हुई, जिसमें प्रख्यात उद्योगपति समीर लोहिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. लोहिया ने अपने संबोधन में एकल अभियान को एक विलक्षण एवं प्रेरक संस्था बताते हुए इसके कार्यों की सराहना की और सामाजिक परिवर्तन में इसकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया. परिषद के ईस्ट ज़ोन चैप्टर के चेयरपर्सन रमेश धरनीधरका ने देश के कोने-कोने से आए हुए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन की एकता और सहभागिता की भावना को सराहा. तत्पश्चात, राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता जाजू ने महिलाओं की वात्सल्य शक्ति, संगठनात्मक कुशलता और समर्पण के माध्यम से संगठन में हो रहे उल्लेखनीय कार्यों के बारे में जानकारी दी.

राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी ने महिला समिति की सुसंगठित, अनुशासित एवं प्रेरणादायक कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा की. उन्होंने बताया कि महिला समिति के प्रयासों से आज ग्राम स्तर पर शिक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रकाश फैल रहा है. साथ ही उन्होंने श्यामजी गुप्त के अविस्मरणीय योगदान को रेखांकित करते हुए उनकी उपस्थिति को गौरव का क्षण बताया. राष्ट्रीय एकल युवा की युवा कोऑर्डिनेटर रासु जैन ने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली, संस्कार निर्माण तथा बस्तियों में राष्ट्रीय चेतना के प्रचार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला.

कार्यक्रम में वनबंधु परिषद के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं देशभर से पधारी राष्ट्रीय महिला समिति की लगभग 250 सदस्याएं सक्रिय रूप से सम्मिलित हुईं. मंच संचालन परिषद की सचिव अंजलि तापड़िया ने किया. इस गरिमामयी सत्र में वनबंधु परिषद के संस्थापक प्रणेता श्यामजी गुप्त की विशेष उपस्थिति सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी. उन्होंने अपने आशीर्वचनों से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय महिला समिति की सह-सचिव रेनू कनोडिया के धन्यवाद ज्ञापन और सत्र समाप्ति की घोषणा के साथ हुआ.

मंईयां सम्मान योजना 3.78 लाख महिलाओं के खाते में भेजी गई राशि

रांची। करमा पर्व के मौके पर राज्य सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफ़ा दिया है. मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची ज़िले की 3 लाख 78 हजार 641 महिलाओं को अगस्त माह की सम्मान राशि दी गई है. इसके तहत लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में 94 करोड़ 66 लाख 2 हजार 500 रुपये का आधार आधारित भुगतान किया गया. जिले के अलग-अलग प्रखंडों और शहरी इलाक़ों में महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला. अगस्त माह में अनगड़ा की 16,687, बेड़ो की 20,672, बुंडू की 8,521, चान्हो की 19,772, कांके की 31,487, मांडर की 23,234, नगड़ी की 17,374, नामकुम की 17,524, ओरमांझी की 18,270, रातू की 18,630, सिल्ली की 21,234, सोनाहातू की 12,932 और तमाड़ की 18,486 महिलाओं को योजना का लाभ प्राप्त हुआ. इसके अलावा रांची शहरी क्षेत्र और विभिन्न नगर पंचायतों में भी हज़ारों महिलाएं इस योजना से लाभान्वित हुई हैं.

संविदा कर्मियों के नियमितीकरण की पहल का स्वागत, महासंघ ने जताया आभार

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष आदिल ज़हीर ने संविदा, दैनिक भत्ता और आउटसोर्सिंग कर्मियों के नियमितीकरण की दिशा में

झारखंड सरकार द्वारा की जा रही पहल का स्वागत किया है. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मुख्य सचिव अलका तिवारी का आभार जताते हुए कहा कि महासंघ द्वारा विधानसभा सत्र के दौरान महाधरना देकर जो मांगें रखी गई थीं, उन पर सरकार ने संवेदनशीलता के साथ सकारात्मक रुख अपनाया है. इससे राज्यभर के संविदा कर्मियों में खुशी का माहौल है. साथ ही महासंघ ने राज्यकर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से 62 वर्ष करने, चतुर्थवर्गीय कर्मियों को तृतीय वर्ग में प्रोन्नति, शिक्षकों को एमएसीपी लाभ, शिशु शिक्षण भत्ता, ओपीएस लागू करने, आईटीआई कर्मियों की वेतन विसंगति दूर करने और लिपिकीय संवर्ग को प्रोन्नति देने जैसी मांगों को लेकर सरकार से वार्ता की अपील की है. महासंघ को उम्मीद है कि सरकार शीघ्र समाधान करेगी.

ब्रीफ न्यूज

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर में बीती रात दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई. पहली घटना में सतबरवा थाना क्षेत्र के रजडेरवा गांव निवासी रोबिन कुमार की बाइक दुबियाखांड के पास दूसरी बाइक से टकराई. गंभीर घायल रोबिन को सदर थाना पुलिस ने मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. दूसरी दुर्घटना में गढ़वा जिला के रंका थाना क्षेत्र के कासीदाग गांव के छोटू भुइयां बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें भी अस्पताल लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई. दोनों हादसों से परिजन और स्थानीय लोग शोक में डूब गए हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

सड़क हादसे में युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

सतबरवा (पलामू)। रजडेरवा गांव निवासी 33 वर्षीय रोबिन चौधरी की मंगलवार रात टोल प्लाजा के पास सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि चचेरा भाई छोटू चौधरी गंभीर रूप से घायल है. जानकारी के अनुसार, दोनों रक्तदान के लिए मेदिनीनगर गए थे. लौटते समय निर्माणाधीन टोल प्लाजा के पास उनकी बाइक की टक्कर चारपहिया वाहन से हो गई. हादसे में रोबिन की मौके पर ही मौत हो गई. छोटू का इलाज एमएमसीएच में चल रहा है. बताया गया कि रोबिन ने हेलमेट नहीं पहना था, जो बाइक में ही टंगा रह गया था. शव गांव पहुंचते ही पत्नी सुनैना देवी व 10 वर्षीय बेटी रौशनी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया.

सिंदुरिया गांव तीन दिनों से अंधेरे में, ग्रामीणों में आक्रोश

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद प्रखंड के सिंदुरिया गांव के लोग पिछले तीन दिनों से अंधकार में जीवन गुजारने को मजबूर हैं. गांव में लगे 100 केवीए का ट्रांसफार्मर तेज बारिश और बज्रपात के कारण जल गया है.समाजसेवी बैजनाथ सिंह ने बताया कि इस गांव में 65 से अधिक उपभोक्ता हैं और कुल आबादी 400 से ऊपर है. ट्रांसफार्मर जलने की सूचना बिजली विभाग को दी गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. गांववासी विशेषकर छोटे बच्चे और छात्र-छात्राएं उमस भरी गर्मी और बिजली कटौती से परेशान हैं. रात में अंधेरे के कारण स्थिति और भी भयावह हो जाती है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. विभागीय उदासीनता से लोगों में भारी आक्रोश है.

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के साड़ी वितरण पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

साड़ियों को जला कर विरोध जताया

कमरूल आरफी ।बालूमाथ

बालूमाथ प्रखंड के नॉर्थ धाधू कोल परियोजना के गेरेंजा गांव में एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) द्वारा कर्मा पर्व के अवसर पर रात के अंधेरे में चुपचाप साड़ी वितरण किए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिना ग्रामसभा की अनुमति और जानकारी के बच्चियों व महिलाओं को बहला-फुसलाकर साड़ियां बांटी गईं. ग्रामीणों ने इसे कंपनी की एक साजिश करार दिया और विरोध स्वरूप सामूहिक रूप से साड़ियों को इकट्ठा कर आग के हवाले कर दिया.

गांव में जैसे ही यह खबर फैली, बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी. ग्रामीणों का कहना है कि पूरा गेरेंजा गांव कोल परियोजना का विरोध कर रहा है और इस संबंध में उपायुक्त को ग्रामसभा के फैसले की जानकारी दी जा चुकी है, जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि वे अपनी जमीन किसी भी सूरत में खनन के लिए नहीं देंगे.

ग्रामीण शंकर उरांव ने कहा, ₹हमने साफ कर दिया है कि यह हमारी पुश्तैनी जमीन है, और कंपनी किसी भी तरह के प्रलोभन या दबाव से हमसे यह नहीं ले सकती.₹ ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी बिचौलियों के माध्यम से लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है.

गांव की महिलाओं—कलावती देवी, अनिता देवी, ललिता देवी, सरिता देवी और अन्य ने भी कहा कि कंपनी उन्हें साड़ी जैसे छोटे-छोटे लालच देकर जमीन से बेदखल करना चाहती है. "हम जान दे देंगे लेकिन जमीन नहीं देंगे," ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा.

इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, विशेषकर महिलाएं शामिल रहीं जिनमें ललिता कुमारी, आरती कुमारी, चंद्रमनी कुमारी, रूमा कुमारी, मीना देवी, तारा कुमारी, फुलमनी देवी समेत सैंकड़ों लोग उपस्थित थे.

कंपनी की सफाई: ₹जिसने इच्छा जताई, उन्हीं को साड़ी दी गई₹

ग्रामीणों के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के भू-अर्जन पदाधिकारी और वरीय प्रबंधक सुशांत कुणाल ने सफाई दी कि साड़ी वितरण सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया था. उन्होंने कहा कि यह कर्मा पर्व के अवसर पर ग्रामीणों की सांस्कृतिक भागीदारी को ध्यान में रखते हुए किया गया और केवल उन्हीं महिलाओं को साड़ियां दी गईं जिन्होंने इसकी इच्छा जताई थी.

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि साड़ियों को जलाना एक अनुचित कदम है और ऐसी प्रतिक्रियाएं सामुदायिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती हैं.

नीलांबर-पीतांबर विवि में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया करमा पर्व

जैनेंद्र पांडेय।मेदिनीनगर

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय प्रांगण में बुधवार को आदिवासी समाज के प्रकृति पर्व करम का आयोजन पारंपरिक हर्षोल्लास और सांस्कृतिक आस्था के साथ संपन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश उरांव रहे. पाहन इंद्रदेव उरांव ने कुड़ुख परंपरा के अनुसार करम डाल की पूजा कराई.

कुलपति ने अपने संबोधन में करम पर्व को प्रकृति से जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देने वाला पर्व बताया. उन्होंने आदिवासी समुदाय की जीवन शैली की सराहना की, जो प्रकृति और संस्कृति के संतुलन का आदर्श उदाहरण है. कार्यक्रम में छात्रावासों—ज्योति हॉस्टल, केजी हॉस्टल और जे.एन. दीक्षित हॉस्टल के छात्रों ने पारंपरिक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जिससे माहौल में सांस्कृतिक रंग भर गया.

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी व शिक्षकगण उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. एसके पांडेय, डॉ. मनोरमा सिंह, डॉ. आरके झा, डॉ. विमल सिंह, डॉ. एसके मिश्रा, डॉ. महेंद्र राम प्रमुख थे. अतिथियों को प्रो. बर्नार्ड टोप्पो के नेतृत्व में पौधा व पारंपरिक गमछा भेंटकर सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम का संचालन इंदु मिंज व अनिमा कुमारी ने किया जबकि स्वागत भाषण डॉ. संगीता कुजूर ने दिया. आयोजन को सफल बनाने में शिक्षकों, कर्मियों और छात्रों की अहम भूमिका रही. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी शामिल हुए.

करमा पूजा प्रकृति संरक्षण और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक : डॉ. एसबीपी मेहता

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम राधाडीह, सुरजौन, अहीर और गुरहा के अखड़ा में आदिवासी समाज के प्रमुख पर्व कर्मा पूजा का आयोजन पारंपरिक उल्लास के साथ किया गया. इस अवसर पर स्थानीय विधायक डॉ. शशि भूषण मेहता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. ग्रामीणों और समिति सदस्यों ने उनका फूल-माला और अंगवस्त्र से स्वागत किया. पूजा-अर्चना के बाद पारंपरिक नृत्य और गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को जीवंत बना दिया. विधायक डॉ. मेहता ने कहा कि कर्मा पूजा आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहर है, जो हमें प्रकृति से जुड़ाव और सामूहिकता की भावना सिखाती है. उन्होंने युवाओं से इस विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने का आग्रह किया .इस मौके पर विधायक जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, प्रो. बच्चन ठाकुर, राजेंद्र यादव, रौशन सिंह, कमेश यादव, रीमा शर्मा, मंटू शर्मा, योगेंद्र उरांव, रामअवतार उरांव, सुंदरलाल उरांव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे.

लगातार बारिश से पैरा गांव की पुलिया टूटी आवागमन ठप हुआ

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड के उक्कामाड़ पंचायत के पैरा गांव को छिपादोहर मार्ग से जोड़ने वाली धड़धड़ी नदी पर बनी पुरानी पुलिया लगातार हुई बारिश के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है. इससे मार्ग बंद हो गया है और ग्रामीणों को 1 से 2 किलोमीटर का चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है. इससे ग्रामीणों की दैनिक जीवन व्यवस्था प्रभावित हो रही है और आपातकालीन समय में आवाजाही भी मुश्किल हो गई है. पंचायत मुखिया पूनम देवी, संजय सिंह, ननदेव सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन और विधायक रामचंद्र सिंह से पुल के शीघ्र निर्माण की मांग की. विधायक रामचंद्र सिंह ने बताया कि पैरा-सरईडीह मार्ग की पुलिया समेत कई सड़क और पुल बारिश से क्षतिग्रस्त हुई हैं. सभी जगहों की सूची तैयार कर संबंधित विभाग को भेज दी गई है. डीपीआर बनवाने के बाद जल्द ही सड़क-पुलों का पुनर्निर्माण कराया जाएगा. उन्होंने ग्रामीणों को राहत का भरोसा दिलाया है.

98 वर्षीया व्यास देवी का निधन, वाराणसी में हुआ अंतिम संस्कार

उंटारी। उंटारी रोड प्रखंड के मुरमा कला निवासी रिटायर्ड डीएसपी नरेंद्र कुमार सिंह की 98 वर्षीय माता व्यास देवी का निधन सोमवार को रांची स्थित आवास पर हो गया. मंगलवार को वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया. वे एक धार्मिक, सहृदय और समाजसेवी महिला थीं, जिन्होंने गांव में मंदिर निर्माण सहित कई सामाजिक कार्यों में योगदान दिया. बुधवार को श्री सिंह पैतृक गांव पहुंचकर परंपरागत विधि संस्कार शुरू किए.

करमा पूजा की धूम, मांदर की थाप पर झूमे ग्रामीण

शुभम संदेश ।गारू (लातेहार)

गारू प्रखंड में करमा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है. विभिन्न अखराओं में मांदर की थाप और करमा गीतों की गूंज से माहौल भक्तिमय बना हुआ है. कोटाम, गारू और मायापुर के सरनाटांड़ में विशेष पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है.

परंपरागत ढंग से मनाए जा रहे इस पर्व में महिला-पुरुष सभी बड़ी संख्या में शामिल होकर उत्सव का आनंद ले रहे हैं. पूजा स्थल की सफाई, सुरक्षा और सामग्री व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई.

जिप सदस्य जीरा देवी, बारेसांढ़ थाना प्रभारी प्रभात दास, मुखिया सुभाष सिंह और वनपाल परमजीत तिवारी के सहयोग से आयोजन को सफल बनाया गया. ग्रामीणों ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार जताया और कहा कि इसी तरह के सामूहिक प्रयासों से हमारी सांस्कृतिक परंपराएं जीवंत बनी रहती हैं.

महुआडांड़ प्रखंड में धूमधाम से मनाया गया करमा का त्योहार

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ प्रखंड क्षेत्र में आदिवासी समाज ने कर्म पर्व बड़े उत्साह और धार्मिक आस्था के साथ मनाया. बुधवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित धूमकुड़िया भवन सहित कई गांवों और मोहल्लों में दिनभर पूजा-अर्चना, गीत-संगीत और सामूहिक नृत्य का आयोजन हुआ. बहनों ने निर्जला उपवास रखकर अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना की और भगवान करमा-धरमा की कथा सुनी. गांव के पहान ने करम डाली विधि-विधान से अखाड़ा परिसर में गाड़ी. बहनों ने करम डाली पकड़कर कहा, "आपन करम, भैया कर धरम." महिलाएं और युवतियां पारंपरिक पोशाक और गहनों से सज-धजकर नजर आईं. पूरे क्षेत्र में नागपुरी गीतों और मांदर की थाप पर नृत्य हुआ.

बरवाडीह अस्पताल में कैंटीन उद्घाटन को लेकर विवाद, चिकित्सा प्रभारी पर मनमानी का आरोप

शुभम संदेश ।बरवाडीह (लातेहार)

बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों व परिजनों की सुविधा के लिए कैंटीन खोलना जहां एक सराहनीय कदम था, वहीं इसका उद्घाटन विवादों में घिर गया है. अस्पताल के नव नियुक्त चिकित्सा प्रभारी डॉ. मंटू कुमार पर प्रबंधन समिति को दरकिनार कर मनमानी करने का आरोप लगा है.

कुछ माह पूर्व प्रबंधन समिति की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि अस्पताल शहर से दूर होने के कारण वहां एक कैंटीन खोली जाए. समिति के अध्यक्ष, उपप्रमुख, प्रखंड प्रमुख व सदस्यों की सहमति से यह योजना बनी थी, लेकिन बुधवार को प्रभारी ने बिना किसी सूचना के कुछ स्टाफ के साथ

कैंटीन का उद्घाटन कर दिया.

प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी, उपप्रमुख बीरेंद्र जायसवाल और समिति सदस्य प्रवीण कुमार ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रभारी ने समिति की अनदेखी कर नियमों का उल्लंघन किया है. प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज ने भी पुष्टि की कि वे बैठक में मौजूद थीं और कैंटीन खोलने पर चर्चा हुई थी, लेकिन उद्घाटन की जानकारी उन्हें नहीं दी गई.

जिला चिकित्सा प्रभारी डॉ. राज मोहन खलखो ने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में कैंटीन खोले जा रहे हैं, ताकि मरीजों को बेहतर सुविधा मिल सके. हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि उद्घाटन में समिति को नहीं बुलाना गलत है. जिप सदस्य संतोषी शेखर ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि समिति को दरकिनार कर लिया जाना चिकित्सा प्रभारी की मनमानी को दर्शाता है. उन्होंने चेतावनी दी कि यह मुद्दा आगामी जिला परिषद बैठक में उठाया जाएगा.

फुटबॉल

अविनाश देव बोले-खेल के मैदान से तय होता है सत्ता का सिंहासन

सतबरवा की टीम ने बिरसानगर को हराया

शुभम संदेश ।मेदिनीनगर

चैनपुर प्रखंड अंतर्गत हरिनामाड़ हाईस्कूल मैदान में शहीद नीलांबर-पीतांबर फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला सतबरवा और बिरसानगर के बीच खेला गया. रोमांचक फाइनल मैच में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर रही. निर्धारित समय और पहली पेनल्टी के बाद भी स्कोर बराबर रहा, अंततः दूसरी पेनल्टी शूट में सतबरवा की टीम ने जीत दर्ज की.

मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड माटी कला बोर्ड के पूर्व सदस्य एवं संत मरियम स्कूल के अध्यक्ष अविनाश देव शामिल हुए. उन्होंने मैदान का भ्रमण कर दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया और

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद किक मारकर मैच की शुरुआत की.

अविनाश देव ने अपने संबोधन में कहा कि यह धरती नीलांबर-पीतांबर और भगवान बिरसा की है, जिसने मरांग गोमके जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देश को दिए हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड की प्रतिभा अद्वितीय है और यदि युवा पूरी ईमानदारी और खेल भावना से मैदान में उतरें, तो सत्ता तक का सफर भी मुमकिन है. उन्होंने खेल को संविधान का प्रतीक बताया, जहां धर्मनिरपेक्षता, समता, न्याय और बंधुता की भावना देखने को मिलती है.

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपने खेल को निखारने का

आग्रह करते हुए कहा कि जिस दिन खिलाड़ी ड्रग्स से खुद को मुक्त कर लेंगे, उस दिन वे न सिर्फ मैदान में बल्कि समाज और राजनीति में भी नेतृत्व करते नजर आएंगे.

अविनाश देव ने सरकार से आग्रह किया कि ग्रामीण भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच देने के लिए अधिक संसाधनयुक्त और सघन खेल मैदानों की जरूरत है.

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक प्रदीप नारायण, समाजसेवी संतोष चौधरी, लालजी चौधरी, कामता प्रसाद यादव, उदित चौधरी, अभिजीत यादव, रेफरी मुन्ना तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

दवा दुकान की जगह खुली शराब की दुकान,बेलवाटिका चौक पर फूटा लोगों का गुस्सा

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर के बेलवाटिका चौक पर दवा व्यवसायी संत सिंह होरा द्वारा अपनी मेडिकल दुकान को बंद कर शराब दुकान में तब्दील किए जाने से मोहल्लेवासियों में आक्रोश फैल गया. दुकान खुलते ही सैकड़ों स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. संजू सिंह की अध्यक्षता में एक आपात बैठक कर विरोध को संगठित रूप देने का निर्णय लिया गया. इसके तहत करीब 100 लोगों ने हस्ताक्षर कर डीसी समीर एस. को ज्ञापन सौंपा और शराब दुकान को बंद करने की मांग की. मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, तो वे आंदोलनात्मक रणनीति अपनाएंगे. वहीं उत्पाद विभाग अब तक चुप्पी साधे हुए है, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है.

एक नजर

करमा पर्व झारखंड की सांस्कृतिक पहचानः उदय राम

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर में बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में करमा पर्व के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की और संचालन संजय कुमार ने किया. उदय राम ने कहा कि करमा पर्व झारखंड की सांस्कृतिक पहचान है और आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है. उन्होंने युवकों से परंपरागत नृत्य, गीत और भाषा को जीवित रखने की अपील की और कहा कि डीजे डांस परंपरा को नुकसान पहुंचा सकता है. शिवनारायण साव ने कहा कि आदिवासी पूजा, खानपान प्रकृति पर आधारित हैं और जल, जंगल, जमीन की रक्षा जरूरी है. रामायद उरांव ने भी पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया. कार्यक्रम में जयपाल मोची, कृष्णा राम, मनेश उरांव, नानहक सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे.

सहायक आचार्य गणित व विज्ञान के अनुशंसित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग नौ सितंबर को होगी

मेदिनीनगर। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के सफल अभ्यर्थियों के लिए 9 सितंबर को स्थानीय जिला स्कूल सभागार में काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि यह काउंसलिंग पलामू जिले के कक्षा छह से आठ के गणित और विज्ञान विषय के अनुशंसित अभ्यर्थियों के लिए है. अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे से 30 मिनट पहले सभागार पहुंचना होगा और जांच-पत्रक को सही ढंग से भरना आवश्यक है. त्रुटिपूर्ण जांच-पत्रक स्वीकार नहीं होंगे. अभ्यर्थियों को स्वअभिप्रमाणित दस्तावेज भी साथ लाना होगा. अधिक जानकारी के लिए हेल्प-डेस्क नंबर 87093-55153, 81027-13045 या पलामू जिला की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क किया जा सकता है.

दुर्गापूजा से पहले चैनपुर बाजार में सजावट, मां दुर्गा पूजा को लेकर पूर्व महापौर का खास अनुरोध

चैनपुर/पलामू। चैनपुर नेवरा रोड के विकास को लेकर मंत्रिमंडल से मिली स्वीकृति पर प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने चैनपुर बाजार का दौरा किया और जनता को बधाई दी. उन्होंने वित्त मंत्री के सहयोग और सांसद के प्रयासों का धन्यवाद किया. महापौर ने कहा कि जनता, वार्ड पार्षद और पूर्व प्रमुख विजय कुमार गुप्ता के लगातार आंदोलन का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा. उन्होंने विधायक आलोक कुमार चौरसिया की भी सराहना की, जिन्होंने विधानसभा में मजबूती से इस मुद्दे को उठाया. चैनपुर के 34 नंबर वार्ड स्थित सूर्य मंदिर तालाब में पिछले चार वर्षों से मां दुर्गा की पूजा धूमधाम से होती आ रही है, इस वर्ष भी पूजा की अनुमति लेने का प्रयास किया जा रहा है. महापौर ने नगर निगम से अनुरोध किया है कि चैनपुर बाजार में दुर्गा पूजा से पहले डेकोरेटिव लाइट्स लगाई जाएं और पूजा को व्यवस्थित बनाने में सहयोग दें.

मेदिनीनगर : भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी की दादी राधिका देवी का निधन, शोक की लहर

मेदिनीनगर। भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी की 95 वर्षीय दादी राधिका देवी का बुधवार सुबह सर्वोदय नगर, जेलहाता स्थित आवास पर निधन हो गया. वे नित्य क्रिया के बाद आराम कर रही थीं, तभी शांतिपूर्वक परलोक सिधार गईं. उनके पति दिवंगत पंडित राजेन्द्र तिवारी लेखक और गीतकार रहे हैं. राधिका देवी ने अपने बेटे डॉ. संतोष तिवारी व बेटियों के साथ अभिभावक की भूमिका निभाई. उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. अंतिम संस्कार पैतृक गांव जामुनडीह में हुआ. भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह, परशुराम ओझा, अजय तिवारी, अरुणा शंकर, सुरेंद्र सिंह, अभय सिंह सहित दर्जनों लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की.

रिगड़ीटांड़ में बिजली संकट समाप्त, विधायक की पहल पर लगाए गए-दो- दो ट्रांसफार्मर

महुआडांड़ (लातेहार)। विधायक रामचंद्र सिंह की पहल पर झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा अम्बाटोली पंचायत के रिगड़ीटांड़ में 100 केवी के दो ट्रांसफार्मर और पोल लगाए गए. बुधवार को इसका उद्घाटन कांग्रेस प्रदेश प्रतिनिधि इफ्तेखार अहमद, उपप्रमुख अभय मिंज, मुखिया रोशनी कुजूर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से किया.रिगड़ीटांड़ के ग्रामीण लंबे समय से बिजली संकट से जूझ रहे थे. अब लगभग 70-80 घरों को स्थायी बिजली सुविधा मिल गई है. कांग्रेस आदिवासी अध्यक्ष अजीत पाल कुजूर ने बताया कि ग्रामीण पहले बांस के सहारे दूर से तार खींचते थे, जिससे 2-3 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च होता था. अब ट्रांसफार्मर और खंभे लगने से राहत मिली है. ग्रामीणों ने विधायक व जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया. मौके पर बिजली विभाग के मिस्त्री सहित कई ग्रामीण मौजूद थे.

ग्रामीणों की सतर्कता से 48 मवेशियों की की बची जान, पुलिस को देख भागे तस्कर

सतबरवा (पलामू)। सतबरवा प्रखंड के खामडीह गांव में मंगलवार रात ग्रामीणों की सतर्कता से प्रतिबंधित पशुओं की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम हो गई. ग्रामीणों ने संदेह होने पर पशुओं से भरे झुंड को रोककर सतबरवा थाना को सूचना दी. पुलिस के पहुंचने से पहले ही तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए. थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने बताया कि कुल 48 मवेशियों को जब्त किया गया है. अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है. ग्रामीणों ने बताया कि यह पशु पैदल ही तस्करी के लिए ले जाए जा रहे थे. समय रहते पुलिस को सूचना देने और घेराबंदी करने की कोशिश से बड़ी तस्करी रोकी जा सकी. इस घटना से ग्रामीणों की सजगता की सराहना हो रही है.

गर्भवती की जान बचाने आगे आए समाजसेवी शिवशंकर यादव, रक्तदान कर दिया मानवता का परिचय

हुसैनाबाद (पलामू)। अति सुदूरवर्ती महुडंड पंचायत के चोरपहरा गांव निवासी गरीब परिवार की महिला गुड्डी देवी को प्रसव के दौरान अचानक खून की कमी हो गई. चिकित्सकों ने बताया कि स्थिति गंभीर है और जच्चा-बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता है. गुड्डी देवी के पिता बचन पासवान आर्थिक रूप से इतने कमजोर हैं कि निजी स्तर पर ब्लड की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे. ऐसे में उन्होंने महुडंड पंचायत के युवा समाजसेवी शिवशंकर यादव से संपर्क किया. स्थिति की गंभीरता को समझते हुए शिवशंकर यादव ने खुद रक्तदान करने का निर्णय लिया और समय पर ब्लड देकर महिला और नवजात की जान बचाई. इस नेक कार्य के लिए पीड़ित परिवार ने उनका आभार जताया. इस मौके पर शिवशंकर यादव ने कहा कि 'मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है.' वे लगातार गरीबों की सेवा में सक्रिय रहते हैं और युवाओं को भी ऐसे कार्यों से प्रेरित होने का संदेश दिया.

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी की छवि धूमिल करने की कोशिश, कांग्रेस ने बताया राजनीतिक षडयंत्र

मेदिनीनगर। कांग्रेस नेताओं ने पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी पर उनके अंगरक्षकों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी को षडयंत्र बताते हुए तीव्र विरोध जताया है. उन्होंने इसे त्रिपाठी की छवि धूमिल करने की साजिश बताया और झारखंड सरकार से मुकदमा वापस लेने व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की. नेताओं ने चेतावनी दी कि जल्द न्याय न मिलने पर कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन करेगी. बैठक में कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे. वहीं, पर्यूषण पर्व के सातवें दिन 'तप धर्म' मनाया गया. अन्नू भैया जी ने तप को आत्मा की शुद्धि का साधन बताते हुए कहा कि इच्छाओं और कर्मों पर नियंत्रण से आत्मिक उन्नति होती है. सौधर्म इंद्र व श्रावक श्रेष्ठी के रूप में श्रद्धालुओं ने कलशाभिषेक किया। कार्यक्रम में सरस जैन, सागर जैन सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे.

पूर्व रेलवे

नीलामी सूचना

... दिनांक: 01.09.2025, सहायक मंडल अभियंता, पूर्व रेलवे, मधुपुर ... मधुपुर में रेलवे लोको ग्राउंड टैंक ... 05 (पांच) वर्ष की अवधि के लिए और गिरिडीह में रेलवे लोको ग्राउंड टैंक में 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस जारी करने हेतु नीलामी आयोजित की जाती है ... दिनांक 08.09.2025 को 11.00 बजे किया जाएगा। क्रम संख्या: 1, ... (01.10.2025 से 30.09.2030 तक), टैंक का क्षेत्रफल: 17372.80 मी², मूल मूल्य: रु.6,61,100/-, क्रम संख्या: 2, टैंक का स्थान: गिरिडीह में रेलवे लोको ग्राउंड टैंक, लाइसेंस की अवधि: 03 वर्ष (10.09.2025 से 09.09.2028 तक), टैंक का क्षेत्रफल: 11218.04 मी², मूल मूल्य: रु.1,35,900/-

ABN-176/2025-26

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ब्रीफ न्यूज

विधवा के घर का ताला तोड़कर चोरी कर ली

विष्णुगढ़ (हजारीबाग)। मडमो पंचायत के मडमो गांव में मंगलवार रात चोरों ने एक विधवा महिला डुगेश्वरी देवी के घर का ताला तोड़कर चोरी कर ली. पीड़िता ने बताया कि वह दो बच्चों के साथ पुराने घर में सोती हैं और नया घर दिन में उपयोग करती हैं. रोज़ की तरह रात में नया घर बंद कर पुराने घर में सोने चली गई थीं. सुबह लौटने पर देखा कि ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था. चोर घर से लगभग दो हजार रुपये नकद और मोबाइल चार्जर लेकर फरार हो गए. घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत समिति सदस्य बहराम हांसदा मौके पर पहुंचे और कहा कि यह काम किसी जानकार का हो सकता है. उन्होंने दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है.

गिट्टी लदे ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन घायल

मरकच्चो (कोडरमा)। कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर पुरनाडीह पुल के समीप बुधवार को गिट्टी लदे ट्रक और कार की टक्कर में एक तीन वर्षीय बच्चा समेत तीन लोग घायल हो गए. घायलों की पहचान एसएम अब्दुल्लाह (3 वर्ष), उनके पिता सायर सनवीर आलम (45 वर्ष) एवं निजार तबुसुल (40 वर्ष) के रूप में हुई है. सभी बिहार के मुंगेर जिले के निवासी हैं. जानकारी के अनुसार, पेशे से वकील सायर सनवीर आलम अपने परिवार के साथ हजारीबाग से मुंगेर जा रहे थे. तभी विपरीत दिशा से आ रहे गिट्टी लदे ट्रक (जेएच 02 एजेड 8107) ने उनकी कार (जेएच 02 एएन 4269) को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में उनका तीन वर्षीय बेटा घायल हो गया, जबकि पत्नी को मामूली चोटें आईं. घटना के समय जिप सदस्य शांति प्रिया मौके से गुजर रही थीं. उन्होंने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अपने वाहन से पुरनाडीह के एक निजी क्लिनिक में पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है.

हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करते ही खाते से उड़ गए 40 हजार

रामगढ़। शहर के टायर मोड़ निवासी प्रदीप महतो के साथ एटीएम फ्रॉड की बड़ी घटना सामने आई है. ब्लॉक कार्यालय के पास स्थित एटीएम से पैसे निकालने गए प्रदीप का कार्ड मशीन में फंस गया. मदद के लिए उन्होंने मशीन पर लिखे हेल्पलाइन नंबर 7280907156 पर कॉल किया, जहां फोन उठाने वाले ने खुद को बैंक कर्मचारी बताकर मदद का झांसा दिया. कुछ देर तक बातों में उलझाने के बाद जब प्रदीप लघुशंका के लिए बाहर गए, तो कार्ड गायब मिला. थोड़ी ही देर में उनके खाते से 40 हजार रुपये की निकासी का मैसेज आ गया. घटना के बाद पीड़ित ने रामगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. यह घटना एटीएम फ्रॉड के नए तरीके को उजागर करती है, जिससे सावधान रहने की जरूरत है.

कर्मा संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा पर्व: राजीव जायसवाल

रामगढ़। करम परब के अवसर पर भाजपा के युवा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने दुलमी और चितरपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ उत्सव मनाया. उन्होंने स्थानीय करम अखाड़ों में जाकर माताओं, बहनों और युवाओं संग झूमर नृत्य किया. उनके साथ झारखंड के लोकप्रिय कलाकार रमन गुप्ता और प्रीतम राज भी मौजूद थे. उन्होंने कहा कि करम परब केवल पर्व नहीं, बल्कि झारखंड की संस्कृति, परंपरा और प्रकृति से जुड़ा एक जीवंत प्रतीक है. यह पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते और प्रकृति के सम्मान का संदेश देता है.

सांसद मनीष जायसवाल ने नव नियुक्त प्रतिनिधियों को दिए विकास के मंत्र

जनहित में समर्पित भाव से काम करने का निर्देश

शुभम संदेश । हजारीबाग

सदर विधानसभा क्षेत्र के नव मनोनीत सांसद प्रतिनिधियों के साथ सिलवार स्थित तथास्तु फार्म्स सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें हजारीबाग लोकसभा के सांसद मनीष जायसवाल ने प्रतिनिधियों को दिशा-निर्देश दिए.

सांसद जायसवाल ने ₹कोई कड़ी टूटे नहीं, विकास कभी छूटे नहीं₹ के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं हर वर्ग तक पहुंचे, यह उनकी प्राथमिकता है. उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से तालमेल बनाकर काम करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने की अपील की.

उन्होंने यह भी बताया कि वे व्यक्तिगत स्तर पर भी कई योजनाओं का संचालन कर रहे हैं ताकि लोगों को यह एहसास हो कि उनका सांसद उनके बीच का सच्चा जनसेवक है.

इस बैठक में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, सह-सांसद प्रतिनिधि विनोद झुनझुनवाला, मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, जिला प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, इन्द्रनारायण कुशवाहा और जीवन मेहता सहित कई प्रतिनिधि उपस्थित थे. सांसद प्रतिनिधियों ने भी कहा कि मनीष जायसवाल का मार्गदर्शन उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे वे जनसेवा और विकास कार्यों को पूरी निष्ठा से आगे बढ़ाने में सक्षम हो पाते हैं.

इस अवसर पर सदर विधानसभा के प्रतिनिधि किशोर कुमार राणा, विशाल वाल्मीकि, रेणुका साहू, दीपू यादव, लब्बू गुप्ता, बीरेंद्र कुमार बीरू, प्रेमचंद प्रसाद, मिथलेश यादव, कृष्णा मेहता, दामोदर प्रसाद और बलदेव बाबू मौजूद रहे.

हजारीबाग मुख्य चौक पर जिला प्रशासन-पुलिस का मॉक ड्रिल

ईद मिलाद-उन-नबी को लेकर सुरक्षा की सारी तैयारियां पूरी

शुभम संदेश । हजारीबाग

आगामी ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने के लिए हजारीबाग में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने मुख्य चौक झंडा चौक एवं पेलावल इलाके में मॉक ड्रिल का आयोजन किया. इस मॉक ड्रिल में दर्जनों पुलिसकर्मी और फोर्स ने हिस्सा लिया. इस अभ्यास का नेतृत्व हजारीबाग के एसपी अमित कुमार और प्रशिक्षु आईएएस आनंद शर्मा ने किया. मॉक ड्रिल के दौरान दंगा नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और अफवाहों को नियंत्रित करने की रणनीतियों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया.

पुलिस बल को आंसू गैस के गोले, रंगीन पानी के छिड़काव से दंगाइयों की पहचान, तेज़ प्रतिक्रिया दल की तैनाती आदि के बारे में जानकारी दी गई. इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में पुलिस की तत्परता और दक्षता को परखना था. एसपी और प्रशिक्षु आईएएस ने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से यह साबित हो गया है कि जिला प्रशासन पर्व को शांति पूर्वक संपन्न कराने को पूरी तरह तैयार है.

मॉक ड्रिल में दंगा-फसाद की काल्पनिक स्थिति बनाई गई. उपद्रवियों की भूमिका भी पुलिसकर्मियों ने निभाई. पुलिस ने नकली उपद्रवियों पर लाठी चार्ज, आंसू गैस छोड़ना, हवाई फायरिंग, पानी की बौछार, रबर की गोली चलाने और पत्थरबाजी से निपटने के तरीके आजमाए. इसके अलावा, भीड़ में गिरफ्तारियों के सही तरीके और किसी घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया भी पुलिसकर्मियों को सिखाई गई. खासतौर पर एम्बुलेंस को भीड़ से सुरक्षित निकालने की जानकारी पर भी जोर दिया गया. यह मॉक ड्रिल पुलिस बल की तैयारी, समन्वय और दक्षता को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने में आसानी हो सके. जिला प्रशासन का यह कदम पर्व को शांति और सुरक्षा के साथ मनाने की प्रतिबद्धता दर्शाता है.

जयनगर : युवती ने थाने में दिया आवेदन सुरक्षा की लगाई गुहार

जयनगर (कोडरमा)। जयनगर निवासी एक नाबालिग ने बुधवार को थाना में आवेदन देकर अपने ही गांव के एक युवक पृथ्वीराज सिंह सहित 5 अन्य पर छेड़खानी का आरोप लगाया है.आवेदन में बताया गया कि मेरे घर के सामने पृथ्वीराज सिंह सहित 5 अन्य लड़के मुझे देखकर सिटी मारते हुए मेरे साथ छेड़खानी करने लगे. मेरी मां ने विरोध किया तो पृथ्वीराज सिंह गाली गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा साथ ही मुझे गलत तरीके से छूने लगा और धक्का मुक्की कर के चला गया.आवेदन में नाबालिक ने यह भी बताया कि पृथ्वीराज सिंह कुछ दिन पूर्व मुझे एक मोबाइल स्कूल से घर आने के दौरान दे रहा था जिस मैंने लेने से इनकार कर दी थी.कागज में अपना मोबाइल नंबर लिख कर मेरी मां को देने का कोशिश किया. मैने इज्जत के खातिर घर में किसी को नहीं बताई. नाबालिक ने बताया कि मेरे पिता जन्म से विकलांग है जो रोजगार के लिए गिरीडीह में कार्य करते है.इसकी शिकायत पृथ्वीराज के सगे चाचा उप प्रमुख राजनारायण सिंह के पास करने के लिए गई तो पृथ्वीराज सिंह वही मौजूद था. मुझे देखकर वह गंदी गंदी गाली देने लगा और वही एक थप्पड़ मार दिया जिससे मैं नीचे गिर गई

पेटो गांव में दो डीप बोरिंग पंप और ओवरहेड टैंक स्थापित

ग्रामीणों को मिलेगी स्वच्छ पेयजल सुविधा

शुभम संदेश । हजारीबाग

ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ पेयजल की कमी को दूर करने की दिशा में एनटीपीसी चट्टी बरियातू परियोजना ने सराहनीय पहल की है. सीडी-सीएसआर (सीडी-सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत पेटो गांव के प्रेम रजक के घर के पास और रविदास टोला में दो डीप बोरिंग पंप और ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया है.

इस परियोजना का उद्घाटन एनटीपीसी के अपर प्रबंधक नील माधव स्वय ने फीता काट कर किया. इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें वर्षों से चली आ रही पानी की समस्या से राहत मिल सके.

इस कार्य में सीबीसीएमपी के एचओपी श्री नवीन गुप्ता के मार्गदर्शन और सीडी-सीएसआर टीम की सक्रियता अहम रही. इस परियोजना से गांव के सैकड़ों परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ होगा. ओवरहेड टैंक से पानी के भंडारण और सुगम वितरण की सुविधा मिलेगी, जिससे ग्रामीणों को अब दूर-दराज से पानी लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. ग्रामवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाएगी, खासकर गर्मियों में यह जलस्रोत अत्यंत उपयोगी साबित होंगे. यह प्रयास स्थानीय विकास और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रभावी उदाहरण है.

मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान का हजारीबाग परिसदन में स्वागत

उपायुक्त-पुलिस अधीक्षक ने की शिष्टाचार भेंट

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तारलोक सिंह चौहान 3 सितंबर को अपने निजी दौरे पर हजारीबाग पहुंचे. उनके स्वागत के लिए हजारीबाग परिसदन भवन में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह और पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया. इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मुख्य न्यायाधीश से शिष्टाचार भेंट भी की.

मुख्य न्यायाधीश ने हजारीबाग के सिविल कोर्ट का भी निरीक्षण किया. उन्होंने कोर्ट भवन एवं परिसर का जायजा लेकर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की. इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रणजीत कुमार, साथ ही न्यायालय के अधिवक्ता और अधिकारी भी मौजूद थे. इस दौरे से न्यायालय की कार्यप्रणाली में सुधार और बेहतर व्यवस्था की उम्मीद जताई जा रही है.

झुमरीतिलैया के झरनाकुंड धाम की बदलेगी सूरत : डॉ नीरा

शुभम संदेश । कोडरमा

जिले के झुमरीतिलैया से सटे झरनाकुंड धाम की सूरत बदलने वाली है. झुमरीतिलैया स्थित तिलैया बस्ती से झरनाकुंड धाम तक लगभग 4.7 किमी सड़क का निर्माण कराया जाएगा. वहीं धाम परिसर का भी विकास होगा। स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव की पहल से सरकार से निर्माण कार्य की स्वीकृति और निविदा निस्तारण के बाद अब जलद् कार्य शुरू किया जाएगा. इस संबंध में विधायक डॉ नीरा यादव ने बुधवार को बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से उक्त कार्य के लिए निकाली गयी निविदा का निस्तारण कर लिया गया है. कुल तीन करोड़ 55 लाख की लागत से अलकतरा और पीसीसी सड़क निर्माण एवं झरनाकुंड धाम परिसर में भी पीसीसी सडक का निर्माण किया जाएगा. इससे श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत होगी और परिसर के विकास को भी गति मिलेगी. उल्लेखनीय है कि हर वर्ष झरनाकुंड से जल लेकर हजारों की संख्या में श्रद्धालु ध्वजाधारी धाम पहुंचकर भगवान भोले को जलाभिषेक करते हैं. इधर, विधायक ने यह भी बताया कि जेजे कॉलेज से मेघातरी तक सड़क मरम्मत का कार्य शुरू किया गया है. गत दिनों हुए कई सड़क हादसे और इस संबंध में अधिकारियों को पत्र लिखने, एनएचएआई के अधिकारियों से बात करने के बाद गड्ढों को भरने और मरम्मती का कार्य भी शुरू कर दिया गया है.

एक नजर

हजारीबाग के युवाओं ने दिखाया इंसानियत का जज्बा, झाड़ियों में पड़े अचेत वृद्ध की बचाई जान

हजारीबाग। वर्तमान समय में जब समाज में संवेदनशीलता की कमी महसूस की जा रही है, ऐसे में हजारीबाग के कुछ युवाओं ने मानवता की मिसाल पेश की. मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ट्रामा सेंटर के पीछे झाड़ियों में एक वृद्ध व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़े मिले, जिन्हें देखकर स्थानीय युवाओं ने बिना देर किए उनकी मदद की. भाजयुमो कार्यकर्ता आशेष सिन्हा, मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सदस्य राम लखन प्रजापति, और अस्पताल के सेवा कर्मी राहुल कुमार पासवान व रंजीत कुमार ने तत्काल झाड़ियों में उतरकर वृद्ध को सुरक्षित बाहर निकाला. वहीं, इन युवाओं ने वृद्ध को साफ-सुथरा कर नए कपड़े पहनाए और बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती भी करवाया. फिलहाल वृद्ध अपनी पहचान स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रहे हैं, जिससे उनकी पहचान सुनिश्चित करना कठिन हो रहा है. इस संवेदनशील और मानवीय कार्य की हर ओर प्रशंसा हो रही है. युवाओं ने यह साबित किया कि इंसानियत अभी भी जिंदा है और ज़रूरत के समय समाज में ऐसे लोग हैं जो बिना किसी स्वार्थ के मदद को आगे आते हैं. अगर आप इस वृद्ध को पहचानते हैं या उनकी पहचान में मदद कर सकते हैं, तो कृपया अस्पताल प्रशासन या स्थानीय थाने से संपर्क करें. आपकी एक छोटी सी मदद उन्हें अपने परिवार से मिलने का रास्ता दिखा सकती है.

शिक्षक सम्मान समारोह के बहाने संघ भवन पर कब्जा करने की कोशिश, झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ में रोष

हजारीबाग। झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने संघ भवन पर दूसरे फर्जी संघ द्वारा जबरन कब्जा करने की कोशिश का विरोध किया है. झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलासचिव सुरेश प्रसाद महथा ने बताया कि नवाबगंज में 1976 में बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ ने इस भवन का निर्माण किया था, जो बाद में झारखंड बनने पर झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ को मिला. हालांकि, एक फर्जी संघ ने 'राज्य माध्यमिक' शब्द जोड़कर अलग पंजीकरण कर कई जिलों के संघ भवनों पर कब्जा करने का प्रयास शुरू कर दिया. न्यायालय में यह मामला लंबित है. फर्जी संघ अब शिक्षक सम्मान समारोह के नाम पर विद्यालयों से वसूली कर झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के भवन में नूतन प्रवेश की तैयारी कर रहा है.

झारखंड सरकार की मुख्य सचिव अलका तिवारी का हजारीबाग परिसदन में भव्य स्वागत

हजारीबाग। झारखंड सरकार की मुख्य सचिव अलका तिवारी बुधवार को अपने निजी दौरे पर हजारीबाग पहुंचीं. वे हजारीबाग परिसदन भवन में कुछ समय के लिए रुकीं, जहां उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह और पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया. इस अवसर पर झारखंड के मुख्य न्यायाधीश तारलोक सिंह चौहान भी परिसदन भवन में मौजूद थे, जिनसे मुख्य सचिव ने शिष्टाचार भेंट की. अलका तिवारी को यहां गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया. इस स्वागत कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी ने इसे और भी खास बना दिया. हजारीबाग में मुख्य सचिव के आगमन से स्थानीय प्रशासन में उत्साह देखा गया और उम्मीद जताई गई कि इससे क्षेत्र के विकास कार्यों को बल मिलेगा.

विधायक के प्रयास से कोती झरना डैम और पाइपलाइन की होगी मरम्मत, किसानों में खुशी

केरेडारी। खपिया के कोती झरना डैम और क्षतिग्रस्त सिचाई पाइपलाइन की मरम्मत अब जल्द ही की जाएगी. विधायक रौशनलाल चौधरी के प्रयास से जिला प्रशासन ने इंजीनियरों की टीम को स्थल निरीक्षण के लिए भेजा, जहां डैम और पाइपलाइन का मापी कर रिपोर्ट जिला को सौंपी गई है. गौरतलब है कि खपिया के किसानों ने डैम की मरम्मती को लेकर विधायक से मुलाकात की थी. विधायक ने तुरंत संज्ञान लेते हुए हजारीबाग उपायुक्त से मिलकर कार्य में तेजी लाने की मांग की थी. उपायुक्त ने आश्वासन दिया था कि जल्द टीम भेजकर इस्टीमेट तैयार कराया जाएगा. यह डैम क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे बिना डीजल या मशीन के सैकड़ों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है. किसानों ने विधायक के प्रति आभार जताया. इंजीनियरिंग टीम के निरीक्षण में मोहन कुमार, तारकेश्वर महतो, कुलदीप महतो और परमेश्वर महतो सहित कई लोग मौजूद रहे.

पांडू मुखिया संघ की अध्यक्ष प्रियंका कुमारी के पिता का निधन, पंचायत में शोक की लहर

पांडू। पांडू पंचायत मुखिया एवं मुखिया संघ अध्यक्ष प्रियंका कुमारी के पिता बसंत सिंह (70 वर्ष) का हृदय गति रुकने से निधन हो गया. यह खबर सुनते ही पांडू प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गई. प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार, प्रमुख नीतू सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी एवं अन्य समाज के लोगों ने परिवार को गहरी संवेदना व्यक्त की. मृतक बसंत सिंह गनेश पुरथाना पांकि के निवासी थे. उनका अंतिम संस्कार गणेशपुर अस्थान घाट पर समाजसेवी और दामाद अविनाश कुमार सिंह की मौजूदगी में होगा. पूरे क्षेत्र के मुखिया, पंचायत सदस्य और शिक्षक भी शोक व्यक्त करने पहुंचे.

चित की अशुद्धियों का नियंत्रण ही उत्तम तप धर्म : निवेश शास्त्री

रामगढ़। श्री दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री दिगंबर जैन मंदिर और रांची रोड स्थित पारसनाथ जिनालय में चल रहे श्री दशलक्षण महापर्व में बुधवार को 'उत्तम तप धर्म' का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ. जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र चुड़ीवाल ने कहा कि इच्छाओं पर नियंत्रण और कषायों का दमन ही तप है. चित्त की मलिन वृत्तियों का उन्मूलन ही उत्तम तप धर्म का सार है. इस मौके पर दो महिला श्रद्धालुओं के पांच दिवसीय व्रत पूर्ण होने पर समाज ने अनुमोदना व्यक्त की. प्रथम अभिषेक का सौभाग्य सुभाष सेठी, अमित काला, जीवनमल पाटनी, रमेश जैन, योगेश जैन समेत अन्य परिवारों को प्राप्त हुआ.

भगवान की बाल लीलाओं का वर्णन कर भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

कोडरमा। झुमरीतिलैया में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस की शुरुआत यजमान अनुप जोशी व उनकी धर्मपत्नी नीलम जोशी द्वारा पूजा-अर्चना से की गई. कथावाचक आचार्य रामकरण सहल ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत मनमोहक वर्णन किया. उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन सेवा, संयम और प्रेम से ही सफल होता है. आचार्य जी ने जीवन मूल्यों की व्याख्या करते हुए कहा कि व्यक्ति के आचरण से उसके कुल का, भाषा से देश का और सत्कार से प्रेम का परिचय मिलता है.

नाराजगी स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिल पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को सौंपा ज्ञापन

शुभम संदेश। जयनगर (कोडरमा)

परसाबाद के कटिया बाजार में बुधवार को ग्रामीणों ने झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी का भव्य स्वागत किया. कार्यक्रम के दौरान उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. इस मौके पर क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर से अनाप-शनाप बढ़े बिजली बिल और मनमानी वसूली के खिलाफ एक ज्ञापन सौंपा.

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार की ओर से 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया गया था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं को हजारों से लेकर लाखों रुपये तक के बिजली बिल भेजे जा रहे हैं. पहले के भुगतान के बावजूद बार-बार मनमाना बिल थमाया जा रहा है, जिससे गरीब ग्रामीण आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं. ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द समाधान नहीं किया तो वे स्मार्ट मीटर को खुद हटाने को मजबूर होंगे.

बाबूलाल मरांडी ने मौके पर ही बिजली विभाग के जीएम से बात कर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की और कहा कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो वे ग्रामीणों के साथ हजारीबाग तक आंदोलन करेंगे. उन्होंने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार जनता को राहत देने के बजाय उन पर आर्थिक बोझ डाल रही है. स्मार्ट मीटर के बहाने लूट हो रही है और भाजपा इसके खिलाफ सड़क से सदन तक आवाज बुलंद करेगी.

मरांडी ने कोडरमा जिले में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर भी चिंता जताई और कहा कि सरकार कानून-व्यवस्था, बिजली और रोजगार सभी मोर्चों पर विफल है. ज्ञापन पर सैकड़ों ग्रामीणों के हस्ताक्षर थे, जिनमें सहदेव भदानी, आशीष राम, रवि चौधरी, पीयूष मोदी, मुन्ना मोदी, मनोज मोदी, कुंदन कुमार आदि प्रमुख रूप से शामिल थे. कार्यक्रम में भाजपा गिरिडीह जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, अशोक उपाध्याय, विजय राणा, प्रदीप साव समेत कई कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे.

दो नेताओं के बीच हुए झगड़े में चमका हथियार

शुभम संदेश । रामगढ़

शहर में समाजिक संगठन के दो नेताओं के बीच का झगड़ा हथियार चमकाए गए. इस मामले में विहिप के जिला मंत्री छोटू वर्मा की ओर से पुलिस को दिए गए आवेदन में कहा गया है कि वे एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और कुछ आसामाजिक तत्व उनसे नाराज हैं. 31 अगस्त की रात वे खाना खाकर सुरेंद्र लाइन होटल से निकल रहे थे, तभी विकास नगर निवासी दीपक मिश्रा, अनिल यादव, अंबुज पांडे, शुभम पांडे और अन्य दो लोगों ने उनके साथ मारपीट करने लगे. उन लोगों ने उन्हें कहा कि उनके होटल का बकाया बिल का भुगतान अभी करना होगा. उनके मना करने पर अनिल यादव ने रिवाल्वर भी चमकाया. इसी दौरान दीपक मिश्रा ने उनकी जेब से 12 हजार रुपए निकाल लिए. उन लोगों ने कहा कि वे गिरोह के आदमी हैं और वे कुछ भी कर सकते हैं. इस घटना के बाद एक सितंबर को मॉर्निंग वॉक के दौरान श्रवण होटल के पास उन सभी लोगों ने एक बार फिर उन्हें घेर लिया. विहिप नेता छोटू वर्मा ने उनका विरोध किया तो उन लोग ने उनके साथ हाथापाई की. छोटू वर्मा ने पुलिस से इस पूरे मामले की जांच करने और सीसीटीवी फुटेज में दर्ज हुए वीडियो को देखकर आसामाजिक और अपराधी किस्म के लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की है.

हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष पर हुआ हमला : वहीं मामले में दूसरा आवेदन हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने भी थाने में दिया है. उन्होंने कहा है कि 31 अगस्त की रात वे अपने मित्र अंबुज पांडे के साथ नया मोड़ कुजू से लौट रहे थे और सुरेंद्र होटल में खाना खाने रुके. वहां पहले से ही छोटू वर्मा, गौतम महतो और छह अन्य लोग मौजूद थे. इन लोगों को देखकर उन लोगों ने टिप्पणी करनी शुरू कर दी. जैसे ही वे अनदेखा कर आगे बढ़े, तभी छोटू वर्मा ने बियर के बोतल से उनका सिर फोड़ दिया. साथ ही इस टूटे हुए बोतल से दोबारा हमला किया. तब तक दीपक मिश्रा ने उनका हाथ पकड़ लिया. अंबुज पांडे जब उन्हें बचाने आए तो गौतम महतो ने भी बियर की बोतल से उसके सिर पर हमला किया, जिससे अंबुज का सिर फट गया. इसके बाद में दोनों भाग कर रामगढ़ थाने पहुंचे. लेकिन छोटू वर्मा और गौतम महतो उनका पीछा करते हुए थाने पहुंचे और वहां भी जान से मारने की धमकी दी. उन्होंने भी इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है.

गुमला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से की गयी करमा पूजा

बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र की कामना की

शुभम संदेश । गुमला

गुमला एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को करमा पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया. इस अवसर पर कुंवारी कन्याएं और महिलाएं पूरे दिन उपवास रखकर शाम को करम डाली की पूजा करती हैं और अपने भाइयों के सुख, शांति, समृद्धि तथा दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं. करमा पर्व प्रकृति प्रेम, सामाजिक सद्भाव और कर्म करने का महत्वपूर्ण संदेश देता है. यह पर्व भाद्रपद शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है, जब करम डाली को गांव के प्रमुख द्वारा आंगन या आखड़ा में लाकर पूजा की जाती है.

सनातन धर्म में करम देवी की पूजा पुरोहित के द्वारा करमा और धरमा नामक दो भाइयों की कहानी सुनाकर की जाती है, जो धर्म और कर्म की महत्ता को दर्शाती है. वहीं, सरना सनातनी समुदाय सामूहिक रूप से आखरा में पूजा करते हैं और रातभर गीत-संगीत तथा नृत्य करते हुए जागरण करते हैं. अगले दिन करम डाली का विसर्जन किया जाता है.

इस बार भी गुमला के पालकोट रोड स्थित राधा कृष्ण मंदिर में आचार्य कमलेश मिश्र के नेतृत्व में भव्य पूजा अर्चना हुई. इसके अलावा श्री कृष्णा छात्रावास, एसएस स्कूल छात्रावास, कालेज छात्रावास, उरांव छात्रावास और शबरी आश्रम में भी सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया. पूजा के दौरान करमा और धरमा की कथा सुनाकर सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया. जनजातीय क्षेत्र के लिए करमा पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, इसलिए सनातन धर्मावलंबियों के बीच इस दिन का माहौल उल्लासपूर्ण रहता है. मांदर की थाप के बीच रातभर गीत-संगीत और नृत्य के साथ करमा महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र में उत्सव का रंग जमा दिया. इस प्रकार करमा पर्व ने प्रकृति की पूजा के साथ-साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का संदेश दिया.

गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में विधि विधान के साथ करम डाली पूजा का आयोजन

गुमला । पॉलिटेक्निक कॉलेज में बुधवार को हर्षोल्लास के साथ करम डाली पूजा विधि विधान से मनाई गई. इस अवसर पर पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान और लोक नृत्यों का आयोजन किया गया. सभी संकाय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने उत्सव में भाग लिया. बहनों ने अपने भाइयों की सुख-समृद्धि और दीर्घायु जीवन की कामना की. करमा पर्व को प्रकृति पूजन का प्रतीक माना जाता है और यह बहनों द्वारा भाइयों के लिए किया जाता है. गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में करमा पूजा झारखंड की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं के संरक्षण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है. इस आयोजन ने सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने में अहम भूमिका निभाई.

खूंटी पुलिस ने चोरी कांड का किया खुलासा, चार गिरफ्तार

खूंटी । जिले में विभिन्न थाना क्षेत्रों में हो रही बैट्री चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए महज 12 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. इनके पास से चोरी की गई 31 बैट्रियाँ, तीन मोबाइल फोन, एक होंडा सिटी कार और चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं. पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि मंगलवार की रात तोरपा थाना क्षेत्र से बैट्री चोरी कर आरोपी रांची भाग गए थे. सूचना मिलने के बाद तोरपा सर्किल इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई. टीम में तोरपा, रनिया, जरियागढ़, मुरहू थाना और खादगढ़ा ओपी की पुलिस शामिल थी. छापेमारी कर कांटाटोली, रांची निवासी शहादत अहमद उर्फ शाहिल को पकड़ा गया. उसकी निशानदेही पर कार से 19 बैट्रियाँ बरामद की गईं.

एसबीयू की टीम ऐरावत को इनोवेट-ए-थॉन 3.0 में मिला पुरस्कार

नामकुम । सरला बिरला यूनिवर्सिटी (एसबीयू) की टीम ऐरावत ने राष्ट्रीय स्तर की इनोवेट-ए-थॉन 3.0 प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया. बीआईटी मेसरा में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के चार हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया. पहले राउंड में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के बाद टीम ने 36 घंटे के हैकाथॉन फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. टीम लीडर आकाश कुमार सिंह, राकेश कुमार और कुनाल शाहदेव (सभी एमसीए तृतीय सेमेस्टर) ने वेब-3 आधारित हेल्थ क्राइसिस समाधान प्रस्तुत किया, जिसे जूरी ने सराहा और टीम को 1 टीबी एसएसडी से सम्मानित किया गया.

रातू में चोरों का तांडवः शिव मंदिर की दान पेटी से 10 हजार चोरी

रातू (रांची) । रातू थाना क्षेत्र में मंगलवार रात चोरों ने एक साथ कई स्थानों को निशाना बनाया. पावर हाउस स्थित शिव मंदिर की दान पेटी से लगभग 10 हजार रुपये की चोरी कर ली गई. मंदिर प्रबंधन ने इस संबंध में रातू थाना में लिखित शिकायत दी है. इसी रात, काली मंदिर के सामने स्थित राम निहोर झा की गुमटी का ताला तोड़कर चोरों ने दुकान में रखे सामान चुरा लिए. साथ ही पास की फल दुकान को भी निशाना बनाया गया. लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल है और लोग पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

रातू रिंग रोड पर स्कूटी और कार की टक्कर, पिता-पुत्र घायल

रातू (रांची) । रातू थाना क्षेत्र के रिंग रोड स्थित हाजी चौक के पास बुधवार को एक कार (जेएच 02 बीजी 1952) ने स्कूटी (जेएच 24 एन 2577) को टक्कर मार दी. दुर्घटना में भुरकुंडा गिद्दी निवासी रमेश करमाली और उनके पुत्र श्रीकांत करमाली घायल हो गए. स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है. घटना की सूचना मिलने पर रातू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले गई. हादसे के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई थी.

ईद-मिलादुन्नबी व करमा पर सौहार्द बनाए रखें

कुडू/लोहरदगा । कुडू थाना परिसर में सीओ सह प्रभारी बीडीओ संतोष उरांव की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी और करमा पर्व को लेकर आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई. सीओ ने सभी समुदायों से मिलजुलकर शांतिपूर्ण माहौल में पर्व मनाने का आग्रह किया. थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि अफवाहों से बचें और त्योहार की खुशी में खलल डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. शांति समिति के सदस्यों ने भी पारंपरिक भाईचारे को बरकरार रखने का भरोसा जताया. उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने गंगा-जमुनी तहजीब के साथ त्योहार मनाने की बात कही.

गुमलाः बिशुनपुर में कार पेड़ से टकराई, छह घायल

गुमला। जिले के बिशुनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मदार डीपा के समीप एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई, जिससे कार में सवार छह लोगों में से तीन गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बुधवार को एंबुलेंस 108 के जरिए तीनों घायलों को गुमला सदर अस्पताल रेफर किया गया. घायल अविनाश किंडो ने बताया कि हादसे के वक्त वह, जेने राइन, जितिया उरांव सहित कुल छह लोग कार में सवार थे. इनमें से तीन को गंभीर और तीन को मामूली चोटें आईं.

गुमला में बेरोकटोक बालू का अवैध कारोबार

गुमला । गुमला में एनजीटी के आदेश का मानसून काल में बालू के अवैध खनन को रोकने का उद्देश्य प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पा रहा है. 10 जून से 15 अक्टूबर तक जारी इस आदेश के बावजूद बालू का अवैध खनन और ढुलाई बदस्तूर जारी है. खनन विभाग के अधिकारियों की कमजोर निगरानी और पुलिस की ढीली कार्रवाई के कारण बालू के ट्रैक्टर सुबह-सुबह बालू घाटों से निकलते देखे जा सकते हैं.

खंडहर बन चुके आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की जान जोखिम में, विभाग बेखबर

शुभम संदेश। चैनपुर (गुमला)

चैनपुर प्रखंड अंतर्गत दरकाना पंचायत का आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर हालत में पहुंच चुका है. कभी जहां बच्चों की किलकारियां गूंजा करती थीं, अब वहां सन्नाटा पसरा है. केंद्र की छत जगह-जगह से टूटी हुई है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. हाल ही में एक बच्चा छज्जा गिरने से घायल भी हो गया था. खिड़कियां टूटी हुई हैं, जिन्हें बंद करना मुमकिन नहीं. दरवाजे गायब हैं और भवन पूरी तरह से खंडहर बन चुका है. स्थिति इतनी गंभीर है कि आंगनबाड़ी सेविकाएं भी भवन के अंदर जाने से डरती हैं, कि कहीं मलबा गिरने से जान को खतरा न हो जाए. बैठने की कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे बच्चों को शिक्षण और पोषण दोनों से वंचित रहना पड़ रहा है. यह समस्या केवल दरकाना तक सीमित नहीं है. पूरे चैनपुर प्रखंड में कई आंगनबाड़ी केंद्र या तो खंडहर बन चुके हैं या फिर किराए के जर्जर मकानों में संचालित हो रहे हैं. आश्चर्यजनक बात यह है कि प्रखंड मुख्यालय स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय भी खुद एक जर्जर भवन में कार्यरत है. ग्रामीणों का कहना है कि वे बच्चों को आंगनबाड़ी भेजने से डरते हैं क्योंकि भवन की स्थिति कभी भी जानलेवा साबित हो सकती है. विभाग की उदासीनता और लापरवाही साफ नजर आ रही है. अब तक न तो मरम्मत का कोई कार्य शुरू हुआ है, न ही नए भवन के निर्माण की कोई योजना सामने आई है. ऐसे में बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों पर गंभीर संकट मंडरा रहा है.

चैनपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया प्रकृति पर्व करमा, डीजे पर थिरके ग्रामीण

शुभम संदेश । चैनपुर (गुमला)

चैनपुर प्रखंड क्षेत्र में प्रकृति और भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व करमा पारंपरिक रीति-रिवाजों और उत्साह के साथ मनाया गया. इस अवसर पर ग्रामीणों, युवाओं और बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आयोजन को खास बना दिया.

करमा पर्व विशेष रूप से बहनों द्वारा भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है. पर्व के दिन युवतियों ने निर्जला व्रत रखा और अपने भाइयों के दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए करमा पूजा में भाग लिया. पूजा की शुरुआत पारंपरिक विधि-विधान से हुई, जिसमें पुजारियों और बैगाओं ने धार्मिक अनुष्ठान पूरे श्रद्धा भाव से संपन्न कराए. पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा. ग्रामीण महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक लोकगीत गाए, वहीं युवक डीजे की धुन पर जमकर थिरके. रातभर चली पूजा और गीत-संगीत ने लोगों को भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का काम किया. इस पर्व का प्रमुख हिस्सा करम डाल होता है. इसे पूजा के बाद विशेष रूप से सजाकर जलाशय में विसर्जित किया जाता है. गुरुवार को छिलका रोटी और दातुवन के साथ करम डाल का विसर्जन किया जाएगा, जिसके साथ ही यह पावन पर्व संपन्न होगा. करमा पर्व न सिर्फ भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है, बल्कि यह मानव और प्रकृति के बीच संतुलन और सौहार्द का भी संदेश देता है.

करम पर्व की धूम, पूजा उपवास के साथ ईंद जतरा की तैयारी शुरू

इटकी । प्रखंड क्षेत्र में करम पर्व की शुरुआत बुधवार से पारंपरिक आस्था और उल्लास के साथ हुई. इस अवसर पर बहनों ने भाई की लंबी उम्र की कामना करते हुए निर्जला उपवास रखा. शाम को करम पेड़ की डाली को विधि-विधान से गाड़कर पूजा-अर्चना की गई. कई स्थानों पर सामूहिक पूजा का आयोजन हुआ. अच्छी फसल की कामना करते हुए खेतों में भी करम डाली स्थापित की गई. गुरुवार को नृत्य-गान के साथ करम डाली और जावा का विसर्जन जलाशयों में किया जाएगा. पर्व का समापन 5 सितंबर को ईंद जतरा के साथ होगा. इस दौरान आदिवासी समाज ईंदटोपर गाड़कर पूजा करेगा. कुंदी गांव में भी पारंपरिक रूप से ईंद जतरा का आयोजन किया जाएगा.

रांची-टाटा मार्ग पर वाहन की टक्कर से दो युवक घायल हुए

शुभम संदेश। तमाड़

बुधवार को रांची-टाटा मार्ग के रांगामाटी चौक के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल युवक नीरज कुमार सिंह और सुजीत कुमार सिंह जमशेदपुर के आदित्यपुर निवासी हैं. बताया गया कि वे रांची से अपने घर आदित्यपुर लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को जमशेदपुर अस्पताल पहुंचाया गया. घटना बुधवार शाम लगभग 4 बजे हुई. घायल युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है.

- घायल युवक नीरज और सुजीत कुमार जमशेदपुर के आदित्यपुर निवासी हैं.

एक नजर

करमा पर्व से पहले सिमडेगा के 88 हजार लाभुकों को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि मिली

सिमडेगा । झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत सिमडेगा जिले के 88,003 लाभुकों को अगस्त माह 2025 की 2,500 रुपये की सम्मान राशि उनके बैंक खातों में करमा पर्व से पहले ट्रांसफर कर दी गई है. कुल राशि लगभग 22 करोड़ रुपये से अधिक है. यह राशि आधार आधारित भुगतान प्रणाली के माध्यम से दी गई है. जिले के विभिन्न प्रखंडों में लाभुकों की संख्या इस प्रकार हैः बानो (12,165), बांसजोर (3,949), बोलबा (3,535), जलडेगा (8,751), केरसई (5,244), कोलेबिरा (9,499), कुरडेग (6,607), पाकरटांड़ (5,965), सिमडेगा (11,789), ठेठईटांगर (14,464) और नगर परिषद क्षेत्र (6,035). जिला नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा ने बताया कि भौतिक सत्यापन का कार्य जारी है और जल्द ही शेष लाभुकों को भी योजना का लाभ मिलेगा. जिन लाभुकों का सत्यापन लंबित है, वे पंचायत सेवक या प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं.

गुमला सदर अस्पताल में मोतियाबिंद ऑपरेशन बंद

गुमला । गुमला सदर अस्पताल में मोतियाबिंद ऑपरेशन कई दिनों से बंद है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को परेशानी हो रही है. अस्पताल में नेत्र दान पखवाड़ा चल रहा है, लेकिन संसाधन और सुविधाओं की कमी के कारण ऑपरेशन नहीं हो पा रहे हैं. नेत्र चिकित्सक डॉ. वत्सल लाल ने बताया कि ऑपरेशन कक्ष में बरसात का पानी टपक रहा है, नमी है और माइक्रोस्कोप भी खराब है. उन्होंने वरीय अधिकारियों को संसाधन उपलब्ध कराने का पत्र लिखा है, जिस पर आश्वासन मिला है. डीएस डॉ. अनुपम किशोर ने कहा कि ऑपरेशन शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा दिए गए हैं और एक-दो दिनों में ऑपरेशन फिर से शुरू हो जाएगा. मोतियाबिंद ऑपरेशन बंद होने से निजी अस्पतालों की चांदी कट रही है.

जंगल से युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

गुमला । गुमला के टोटो बीट क्षेत्र अंतर्गत बसुआ बरहाटोली पतरा से बुधवार सुबह पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया. मृतक की पहचान फटकपुर निवासी 22 वर्षीय चंपा उरांव के रूप में हुई है. वह हाल ही में हिमाचल प्रदेश से घर लौटा था, जबकि उसकी पत्नी और बच्चा वहीं रह गए थे. ग्रामीणों के अनुसार, सुबह करमा डाली काटने जा रहे युवकों ने शव देखा और तुरंत सूचना दी. शव के गले में तौलिया लिपटा हुआ था, जिससे गला घोंटकर हत्या की आशंका जताई जा रही है. चंपा का मोबाइल भी गायब है, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा. रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा. पुलिस जांच में जुटी है.

करमा पर्व पर दीवार गिरने से ग्रामीण की मौत

गुमला । गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत महुगांव टंगरा टोली में मंगलवार देर रात मिट्टी की दीवार गिरने से 45 वर्षीय लीचा उरांव की दर्दनाक मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, लीचा करमा पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौटा था और भोजन कर रहा था. तभी अचानक घर की दीवार भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आकर लीचा मिट्टी में दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मुखिया सुकेश उरांव को दी गई. बुधवार सुबह भरनो थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेजा गया. करमा जैसे सांस्कृतिक पर्व पर इस दुखद घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई और पर्व की खुशियां मातम में बदल गईं.

गुमला में ब्राउन शुगर के साथ एक युवक गिरफ्तार, दूसरा फरार

गुमला । गुमला थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पुग्गू रोड स्थित फुटबॉल मैदान के पास छापेमारी कर आठ ग्राम ब्राउन शुगर के साथ घाटो बगीचा निवासी रितेश केसरी को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि रितेश केसरी छात्रों और नाबालिग बच्चों को ब्राउन शुगर बेचकर नशे की दुनिया में धकेलने की साजिश में लिप्त था. एसपी के निर्देश पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने पुग्गू रोड पर खड़े कुछ युवकों को भागते देखा. घेराबंदी कर एक युवक को पकड़ा गया, जिसने अपना नाम रितेश केसरी बताया. तलाशी के दौरान रितेश के पास से आठ ग्राम ब्राउन शुगर, दो मोबाइल फोन और एक स्कूटी (नंबर जेएस 07जे-0901) जब्त की गई.

बुंडू में दो सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

बुंडू (रांची)। बुंडू में दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया. पहली घटना में सलगाडीह निवासी वशिष्ठ मुंडा (30) स्कूटी से घर लौट रहा था, तभी अनुमंडल अस्पताल के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. दूसरी घटना होटल पंचवटी के पास घटी, जहां रांची से टाटा की ओर जा रहे मोहम्मद नेयाज को एक कार ने टक्कर मार दी. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने उसे बुंडू अस्पताल पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर किया गया. दुर्घटना के बाद कार रेलिंग से टकरा गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. कार चालक मौके से भाग गया. पुलिस ने कार जब्त कर जांच शुरू की है.

जंगली सुअरों ने नष्ट की एक एकड़ मकई की फसल

चैनपुर (गुमला) । प्रखंड के रामपुर महुआ टोली गांव में किसान रूबेन खलखो की एक एकड़ मकई की फसल को जंगली सुअरों ने पूरी तरह से बर्बाद कर दिया. पांच एकड़ में लगी फसल में से लगभग एक एकड़ फसल को सुअरों ने खाकर और रौंदकर नुकसान पहुंचाया, जिससे किसान को भारी आर्थिक क्षति हुई है. साथ ही, तोतों के झुंड ने भी फसल को नुकसान पहुंचाया. मामले की जानकारी मिलते ही जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने वन विभाग को सूचित किया. वनपाल चंद्रेश उरांव के साथ टीम ने खेत का मुआयना कर मुआवजे के लिए आवेदन लिया. किसानों ने सरकार से मुआवजा देने और जंगली जानवरों से फसल सुरक्षा के लिए स्थायी समाधान की मांग की है. लगातार हो रहे नुकसान से किसान चिंतित हैं.

नारी नवाडीह में दुर्गापूजा ऐतिहासिक तरीके से मनाने की तैयारी

किस्को/लोहरदगा । जिले के किस्को प्रखंड के नारी नवाडीह में आगामी दुर्गापूजा को भव्य और ऐतिहासिक रूप से मनाने के लिए समिति का विस्तार कर नए सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं. मुख्य संरक्षक के रूप में विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता और अनंत प्रसाद गुप्ता को नियुक्त किया गया है. अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संजय कुमार राम को दी गई है, जबकि उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों का चयन भी किया गया है. कार्यक्रम की सफलता के लिए मीडिया प्रभारी, पुजारी और सह पुजारी सहित कार्यकारिणी टीम भी बनाई गई है, जिसमें कई युवा और अनुभवी सदस्य शामिल हैं. समिति ने बैठक कर इस बार भी भव्य आयोजन की रणनीति तैयार की है. हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी ताकि पूजा समारोह इतिहास में यादगार बने. दुर्गापूजा समिति नारी नवाडीह हर साल की तरह इस बार भी श्रद्धा और उत्साह के साथ पूजा को मनाने का लक्ष्य रखती है.

सेन्हा थाना में छह हजार सीएफटी अवैध बालू जब्त

सेन्हा/लोहरदगा । जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र में बुधवार को प्रशासन ने अवैध बालू भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 6000 सीएफटी बालू जब्त किया. यह कार्रवाई कल्हेपाट-नंदगांव पथ के पास वीकेएस कंपनी के अवैध भंडारण स्थल पर की गई. ग्रामीणों की सूचना पर सीओ पंकज कुमार भगत, राजस्व कर्मचारी विशाल कुमार और अंचल अमीन ने संयुक्त रूप से जांच की. मौके पर कंपनी द्वारा किसी भी वैध दस्तावेज की प्रस्तुति नहीं की गई, जिसके बाद प्रोपराइटर विजय कुमार साहू के खिलाफ कांड संख्या 78/25 के तहत मामला दर्ज किया गया. कार्रवाई में खनन अधिनियम 1957, एनजीटी अधिनियम और आईपीसी की धाराएं लगाई गई हैं. जब्त बालू को चौकीदार की निगरानी में रखा गया है.

सदर अस्पताल में ब्रेन हेल्थ क्लिनिक का ऑनलाइन उद्घाटन

गुमला । नीति आयोग के अंतर्गत सदर अस्पताल गुमला में ब्रेन हेल्थ क्लिनिक का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर डॉ. अनुपम किशोर और डॉ. सारिब अहमद ने फीता काटकर क्लिनिक का विधिवत उद्घाटन किया. यह उद्घाटन झारखंड के सभी जिलों में एक साथ ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुआ. ब्रेन हेल्थ क्लिनिक में मिर्गी, लकवा, माइग्रेन और अन्य न्यूरोलॉजिकल रोगों का इलाज उपलब्ध होगा. कार्यक्रम में नील कुसुम लकड़ा, नमिता कुमारी, विनोद कुमार, सुजीत कुमार महतो सहित कई अन्य लोग मौजूद थे. इस नई सुविधा से मरीजों को बेहतर और समर्पित इलाज मिलेगा.

दुस्साहस राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर पटेल चौक और कल्याणी ढाबा में हुई वारदात

लाइन होटल में अपराधियों ने युवती से की छेड़खानी

शुभम संदेश। रामगढ़

जिले में एक बार फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों ने हथियार लहराया है. पहले तो युवती के साथ छेड़खानी की, फिर गोली चलाकर अपना दबदबा बनाने की कोशिश की. बुधवार को यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर पटेल चौक और कल्याणी ढाबा में हुआ है. इस वारदात में कार पर सवार दो युवकों और तीन युवतियों की जान बाल बाल बची, लेकिन गाड़ी का शीशा टूट गया. इस घटना के बाद पुलिस भी हरकत में आई और अब उन लोगों की तलाश कर रही है, जिन लोगों ने गोली चलाकर पुलिस को चुनौती दी है.

कल्याणी ढाबा में युवतियों के साथ हुई छेड़खानी : थाने में युवक विमल कुमार सोनी ने इस पूरी घटना की सूचना दर्ज कराई है. भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के रिवर साइड के रहने वाले शिवम कुमार सोनी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की रात में वे बुध बाजार से टाटा टिगोर कार (जेएच 01 डीवाई 7514) से निकले थे. रास्ते में बुध बाजार के पास ही अपनी जान पहचान की गुनगुन कुमारी, डिंपल कुमारी और मान्या कुमारी को कार में बिठाया. वे उन लोगों को खाना खिलाने के लिए निकले थे. रास्ते में सभी होटल और रेस्टोरेंट बंद होने के कारण वे लोग रामगढ़ फोरलेन हाईवे पर पहुंच गए. वहां उन लोगों ने कल्याणी ढाबा नानक होटल को खुला देखा और उसके बाद कल्याणी ढाबा में खाना खाने के लिए बैठ गए. तडके सुबह खाना खाने के बाद वे लोग निकलने की तैयारी कर रहे थे. इसी दौरान गुनगुन कुमारी आइसक्रीम लेने दोबारा होटल में गई. वहीं पर बैठे हुए दो लोगों ने उसपर अश्लील टिप्पणी की. युवती से छेड़खानी की जानकारी मिलते ही शिवम अपने दोस्त अमन तिवारी और तीनों लड़कियां उस अनजान शख्स से भिड़ गए जिसने अश्लील टिप्पणी की थी. इसके बाद होटल के लोगों ने उन लोगों को समझाकर कार में बिठाया. होटल से निकलते ही उन दो लोगों ने यामाहा मोटरसाइकिल से उनका पीछा किया और पटेल चौक के पास उनकी गाड़ी पर फायरिंग की. जब वे लोग डर से वापस होटल पहुंचे तो सीसीटीवी कैमरे में अपराधियों की पहचान हुई.

अनिल यादव और मनोज महतो ने चलाई गोली : शिवम ने पुलिस को बताया कि कल्याणी ढाबा में पहुंचते ही उन लोगों ने देखा कि उनकी कर का शीशा टूटा हुआ है और बाएं दरवाजे पर गोली का निशान है.

उन्होंने तत्काल कार के मालिक विक्रम कुमार सोनी को वहां बुलवाया. सीसीटीवी फुटेज में देखकर अनिल यादव और मनोज महतो की पहचान हुई. उन लोगों ने मोटरसाइकिल से पीछा कर युवक और युवतियों को जान से मारने की नीयत से गोली चलाई थी. मामले में थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि जिन अपराधियों ने गोली चलाई थी उनकी पहचान कर ली गई है. उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी जारी है. उनके घरों और संदिग्ध ठिकानों पर पुलिस पहुंच रही है. जल्द ही उनकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी.

मंथन

झारखंड में विस्थापितों के अधिकार और नई पहल

झारखंड सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के गठन को मंजूरी दी है. लंबे समय से विस्थापन और पुनर्वास का सवाल यहां विमर्श का केंद्र रहा है. खनन परियोजनाओं, बांधों और औद्योगिक विस्तार ने हजारों परिवारों को प्रभावित किया, लेकिन समुचित पुनर्वास अब तक एक चुनौती बना रहा. तीन सदस्यीय आयोग में प्रशासनिक और न्यायिक अनुभव का समावेश इसकी विश्वसनीयता को मजबूत करेगा. कैबिनेट के अन्य फैसलों में कला, साहित्य और संस्कृति को प्रोत्साहन देने वाले प्रस्ताव उल्लेखनीय हैं. ललित कला, साहित्य और संगीत-नाटक अकादमी की स्थापना से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नया आयाम मिलेगा. राज्य के 35 बांधों के पुनर्वास के लिए 238 करोड़ की स्वीकृति भी महत्वपूर्ण है. वर्ल्ड बैंक के सहयोग से चल रही यह परियोजना प्रभावित परिवारों की जिंदगी को बेहतर बनाने का अवसर है. साथ ही, पुनासी योजना के लिए दी गई बड़ी राशि राज्य की सिंचाई और कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी. शिक्षा और रोजगार के मोर्चे पर भी सकारात्मक कदम उठे हैं. जेएसएससी द्वारा दो चरणों में परीक्षा व्यवस्था पारदर्शिता और योग्यता आधारित चयन को मजबूती देगी. वहीं, मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना में स्पष्ट श्रेणी निर्धारण से वंचित तबकों के छात्रों को अवसर मिलेगा. कुल मिलाकर, कैबिनेट के ये फैसले विकास और सामाजिक न्याय दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में आशाजनक हैं. अब जिम्मेदारी इन योजनाओं के ईमानदार और त्वरित क्रियान्वयन पर है.

नजरिया

नगर निकाय चुनाव, लोकतंत्र में देरी पर हाईकोर्ट का कड़ा रुख

झारखंड हाईकोर्ट ने नगर निकाय चुनाव कराने में लगातार हो रही देरी पर कड़ा रुख अपनाया है. कोर्ट का यह संदेश साफ है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के संचालन में टालमटोल किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है. सरकार द्वारा और समय मांगना न केवल प्रशासनिक अक्षमता को उजागर करता है, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था के प्रति उसकी जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है. नगर निकाय चुनाव लोकतांत्रिक ढांचे की बुनियाद हैं. इनसे स्थानीय स्तर पर जनता की भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित होती है. जब सरकार बार-बार बहाने बनाकर चुनाव टालने का प्रयास करती है, तो यह न केवल नागरिक अधिकारों का हनन है बल्कि शासन की पारदर्शिता पर भी धब्बा है. अदालत द्वारा अवमानना मानना इस बात का संकेत है कि अब धैर्य की सीमा टूट चुकी है. सुनवाई के दौरान मुख्य सचिव की मौजूदगी यह दर्शाती है कि मामला कितना गंभीर हो चुका है. फिर भी, यदि सरकार कोर्ट की चेतावनी को महज औपचारिकता समझेगी तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत होगा. लोकतंत्र में चुनाव की समयबद्धता उतनी ही जरूरी है जितनी उसकी निष्पक्षता. अब यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाए और जनता का विश्वास बहाल करे. लोकतंत्र की कसौटी केवल बड़े वादों या योजनाओं से नहीं, बल्कि समय पर चुनाव कराने से भी होती है. कोर्ट की सख्ती सरकार के लिए चेतावनी है—लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता अब और नहीं चलेगा.

भारत की आतंकवाद पर कूटनीतिक जीत

चीन में हुई एससीओ की बैठक में भारत यह संदेश देने में सफल रहा है कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता केवल भारत के हित में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है. यह भारत की बड़ी जीत है.

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में आतंकवाद का मुद्दा छाया रहा.

21वीं सदी में यदि किसी देश की कूटनीति और रणनीतिक सोच ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा दी है, तो वह निस्संदेह भारत है. चीन के तिआनजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक ने एक बार फिर यह साबित किया कि भारत न केवल अपनी सुरक्षा और संप्रभुता को लेकर दृढ़ है, बल्कि आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक सहमति बनाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है.यह बैठक भारत के लिए ऐतिहासिक इस मायने में रही कि इसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई. सबसे अहम बात यह रही कि पाकिस्तान की मौजूदगी में ऐसा हुआ, जो लंबे समय से आतंकवाद को संरक्षण देने और उसे राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करने के आरोपों से घिरा है. घोषणापत्र में आतंकवाद को लेकर जिस तरह का स्पष्ट रुख अपनाया गया, वह भारत की कूटनीतिक जीत है. बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर बिना लाग-लपेट अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि आतंकवाद शांति और विकास की राह में सबसे बड़ा खतरा है. भले ही उन्होंने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान में सीमापार आतंकवाद का स्पष्ट संदर्भ था. मोदी ने याद दिलाया कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद की मार झेल रहा है. हजारों निर्दोष नागरिकों और सैनिकों ने इसकी कीमत चुकाई है. लेकिन आज का भारत न कमजोर है और न ही चुप बैठने वाला. यह नया भारत है, जो हर चुनौती का निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है.

उन्होंने एससीओ देशों को चेताया कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद न केवल भारत, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता और समृद्धि के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं. भारत पहले से ही अल-कायदा और उससे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जानकारी साझा करने के अभियान चला रहा है. मोदी ने दोहराया कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता ही विकास की आधारशिला हैं. बैठक के बाद जारी घोषणापत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई. विशेष उल्लेखनीय था जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र, जिसमें कई लोगों की जान गई थी. सदस्य देशों ने मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा. यहीं पर पाकिस्तान पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया. वर्षों से पाकिस्तान यह तर्क देता रहा है कि आतंकवाद को आंदोलन की तरह देखा जाना चाहिए. लेकिन इस बार रूस और चीन जैसे उसके करीबी देशों की मौजूदगी में भारत की बात को मान्यता मिलना पाकिस्तान के लिए झटका है. दरअसल, वैश्विक राजनीति में अब सहिष्णुता की सीमा खत्म हो रही है और आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान का दोहरा रवैया सबके सामने आ चुका है.

भारत लगातार यह कहता आया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए. अच्छे और बुरे आतंकवाद का फर्क करना बेहद खतरनाक है. एससीओ के घोषणापत्र में पहली बार इस सिद्धांत को जगह मिली. इसमें साफ लिखा गया कि सीमा पार गतिविधियों सहित सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की जाती है और सदस्य देशों से अपेक्षा है कि वे इसके खिलाफ मिलकर काम करें.

यह भारत की कूटनीति की बड़ी जीत है. वर्षों से भारत जिस मुद्दे को उठा रहा था, अब वही अंतरराष्ट्रीय घोषणापत्र का हिस्सा बन चुका है. इसके साथ ही इसमें यह भी कहा गया कि आतंकवाद से निपटने में प्रत्येक देश की संप्रभुता और उसके संस्थानों की भूमिका का सम्मान किया जाएगा. भारत आज सिर्फ एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं है, बल्कि वैश्विक मंचों पर निर्णायक भूमिका निभा रहा है. रक्षा, अंतरिक्ष, तकनीक और अर्थव्यवस्था-हर क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है. एससीओ जैसे मंच पर, जहां रूस, चीन और मध्य एशियाई देशों के साथ पाकिस्तान भी मौजूद हो, वहां भारत की लाइन को समर्थन मिलना इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख कितनी बढ़ चुकी है. भारत की इस सफलता का एक बड़ा पहलू यह भी है कि पाकिस्तान की भूमिका लगातार संदेह के घेरे में आ रही है. अमेरिका से लेकर खाड़ी देशों तक, पाकिस्तान पर यह दबाव है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली नीतियों से पीछे हटे. लेकिन पाकिस्तान की समस्या यह है कि उसका पूरा रणनीतिक ढांचा आतंकवाद को साधन बनाकर ही खड़ा हुआ है.

भारत ने अब उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसा दबाव बना दिया है कि पाकिस्तान के लिए बचाव की कोई जगह नहीं बची है. एससीओ की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधि चाहकर भी भारत के खिलाफ तर्क नहीं रख पाए, क्योंकि घोषणापत्र में आतंकवाद की निंदा सामूहिक रूप से की गई थी. भारत की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह किसी गुट का हिस्सा बनकर नहीं चल रहा. शीत युद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिए अपनी स्वतंत्रता बरकरार रखी थी. आज भी भारत की यही नीति है.भारत रूस और अमेरिका दोनों के साथ रिश्ते बनाए हुए है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा भी कर रहा है और सहयोग के अवसर भी खोज रहा है. खाड़ी देशों, यूरोप और अफ्रीका के साथ उसके संबंध लगातार गहरे हो रहे हैं. इस स्वतंत्र नीति ने भारत को वैश्विक मंच पर निर्णायक आवाज बनाया है. पीएम मोदी का शक्तिशाली भारत का सपना अब केवल नारों में नहीं, बल्कि कूटनीतिक उपलब्धियों में दिखाई देने लगा है. भारत यह संदेश देने में सफल रहा है कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता केवल भारत के हित में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए जरूरी है.

आज का इतिहास

1665 : मुग़लों और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच पुरंधर की संधि पर हस्ताक्षर.
1825 : राजनीतिज्ञ दादा भाई नौरोजी का जन्म.
1888 : महात्मा गांधी ने इंग्लैंड के लिए समुद्री यात्रा शुरू की.
1946 : भारत में अंतरिम सरकार का गठन.
1967 : महाराष्ट्र का कोयना बांध भूकंप से ध्वस्त, 200 से ज्यादा लोगों की मौत.
1985 : समुद्र में डूबे टाइटेनिक की तस्वीरें आईं.
2000 : श्रीलंका के जाफना की बाहरी सीमाओं पर श्रीलंका सेना तथा मुक्ति चीतों के बीच संघर्ष में 316 लोग मारे गये.
2008: केन्द्रीय कैबिनेट ने सात राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के सम्बन्ध में परिसीमन आयोग की सिफारिशों में सुधार के प्रस्ताव को मंजूरी दी.
2009 : गुजरात हाईकोर्ट ने जसवंत सिंह की मुहम्मद अली जिन्ना पर लिखी किताब पर गुजरात में लगा प्रतिबंध हटाया.

चिंतन

आइए संवेदनशील बनें, दूसरों को खुशियां बांटें

मोहन काका बरसों से माधोपुर गांव में चिट्ठियां बांटने का काम करते थे. एक दिन उन्हें एक चिट्ठी मिली, पता माधोपुर के करीब का था लेकिन आज से पहले उन्होंने उस पते पर कोई चिट्ठी नहीं पहुंचाई थी. वे उस नए पते पर पहुंचे, दरवाजे पर आवाज़ दी,पोस्टमैन. अंदर से लड़की की आवाज़ आई, काका, दरवाजे के नीचे चिट्ठी डाल दीजिए. बाहर आओ ! रजिस्ट्री है, हस्ताक्षर करने पर ही मिलेगी. काका बोले. अभी आई. अंदर से आवाज़ आई. पर जब 2 मिनट बाद भी नहीं आई तो काका बोले- यही काम नहीं है मेरे पास, जल्दी करिए और भी चिट्ठियां बांटनी हैं. कुछ देर बाद दरवाज़ा खुला. दृश्य देख कर काका चौंक गए. एक 12-13 साल की लड़की थी जिसके दोनों पैर नहीं थे. उन्हें अपनी अधीरता पर शर्मिंदगी होने लगी. लड़की बोली, क्षमा कीजिएगा आने में देर लगा दी. इसके कुछ दिन बाद काका को फिर उसी पते की चिट्ठी मिली. वे वहां पहुंचे. चिट्ठी आई है, हस्ताक्षर की भी ज़रूरत नहीं,नीचे से डाल दूं. काका बोले. नहीं-नहीं, रुकिए मैं अभी आई., लड़की भीतर से चिल्लाई. कुछ देर में दरवाजा खुला. लड़की के हाथ में एक डिब्बा था. काका लाइए चिट्ठी और लीजिए तोहफ़ा. लड़की बोली.इसकी क्या ज़रूरत बेटा, काका संकोच से बोले. लड़की बोली, काका आप इसे घर जा कर ही खोलिएगा. काका ने घर पहुंचते ही डिब्बा खोला, और उनकी आंखों से आंसू टपकने लगे. डिब्बे में एक जोड़ी चप्पलें थीं. काका बरसों से नंगे पांव चलते थे लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया था. काका चप्पलें कलेजे से लगा कर रोने लगे. उनके मन में ही विचार आ रहा था- बच्ची ने उन्हें चप्पलें तो दे दीं पर वे उसे पैर कहां से लाकर देंगे? दोस्तों, संवेदनशीलता बहुत बड़ा गुण है. दूसरों के दुखों को महसूस करना और उसे कम करने का प्रयास करना बड़ा काम है. जिस बच्ची के खुद के पैर न हों उसकी दूसरों के पैरों के प्रति संवेदनशीलता हमें बहुत बड़ा संदेश देती है. हम भी समाज, अपने आस-पड़ोस, अपने यार-मित्रों-अजनबियों सभी के प्रति संवेदनशील बनें. आइए हम भी किसी के नंगे पांव की चप्पलें बनें और दुःख से भरी इस दुनिया में कुछ खुशियां फैलाएं.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #AnnapurnaMuhimBySantRampalJi
2. 5Days Left Avataran Diwas
3. #RespectParents
4. #बंगाल_फाइल्स
5. Joint Family
6. #zerodha
7. Old Age Homes
8. श्री हेमंत खंडेलवाल
9. #जलझूलनी_एकादशी
10. बैतूल विधानसभा क्षेत्र

बहुरंग

अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड के जाने माने फिल्म मेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'निशानची' को लेकर सुर्खियों में हैं. क्राइम ड्रामा जॉनर पर आधारित इस फिल्म की चर्चा पिछले काफी समय से दर्शकों के बीच बनी हुई है. सिनेमाप्रेमियों की निगाहें इसकी रिलीज पर टिकी हुई हैं और अब आखिरकार इसका बहुप्रतीक्षित ट्रेलर सामने आ चुका है. इस फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके जरिए शिवसेना संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे एक्टिंग की दुनिया में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं. लंबे समय से ऐश्वर्य के फिल्मी करियर को लेकर अटकलें चल रही थीं और 'निशांची' ने उन सभी को विराम दे दिया है. ट्रेलर में ऐश्वर्य का एक्शन अवतार बेहद प्रभावशाली नजर आता है. उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और इंटेंस एक्टिंग ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे की जोड़ी बनाई वेदिका पिंटो के साथ बनाई गई है, जो कहानी में ग्लैमर और ताजगी का स्पर्श जोड़ती दिखाई दे रही हैं. दोनों के बीच की केमिस्ट्री ट्रेलर में भी साफ झलकती है. अनुराग कश्यप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, अब तक तो बस झलक देखे थे अब टाइम है फुल बवाल ट्रेलर देखने का. फिल्म के कलाकारों की बात करें तो इसमें दमदार सहायक कलाकारों की पूरी टीम शामिल है. मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब, पीयूष मिश्रा, मनन भारद्वाज, वरुण ग्रोवर और कुमुद मिश्रा जैसी मजबूत प्रतिभाएं कहानी को और भी गहराई देने वाली हैं.

'जॉली एलएलबी 3' ट्रेलर लॉन्च बना जंग का मैदान, कानपुर बनाम मेरठ में भिड़ंत

जैसे-जैसे जॉली एलएलबी 3 की रिलीज डेट करीब आ रही है, फिल्म का प्रमोशन नए-नए ट्विस्ट और सरप्राइज लेकर दर्शकों के सामने आ रहा है. ताजा वीडियो में अक्षय कुमार और अरशद वारसी की जॉली बनाम जॉली की मजेदार नोकझोंक सोशल मीडिया पर छा चुकी है. कानपुर बनाम मेरठ, किसकी होगी जीत?वीडियो में जॉली त्यागी (अरशद वारसी) पूरे जोशो-खरोश के साथ मेरठ की तरफदारी करते हैं. उनके ठेठ देसी अंदाज और मजेदार डायलॉग्स दर्शकों को जोर-जोर से हंसने पर मजबूर कर देते हैं. दूसरी तरफ जॉली मिश्रा (अक्षय कुमार) पूरे दमखम और देसी स्वैग के साथ कानपुर की साइड पकड़ते हैं. दोनों की आपसी खींचतान, तंज कसने की टाइमिंग और मजाकिया पंचलाइनें इस वीडियो को सिर्फ एक प्रोमो नहीं, बल्कि एक मिनी कोर्ट रूम ड्रामा बना देती है. फर्क बस इतना है कि इस बार जज फैसला नहीं सुना रहे, बल्कि फैसला जनता हाथों में है. जनता करेगी फैसलामेकर्स ने दर्शकों से अपील की है कि अब वह खुद चुनें कि जॉली एलएलबी 3 का ट्रेलर लॉन्च कहां होना चाहिए, कानपुर या मेरठ? वोट करने के लिए लिंक (www.jollyvsjolly.com) भी जारी किया गया है. इस नए अंदाज की मार्केटिंग स्ट्रेटजी ने दर्शकों में उत्साह को और दोगुना कर दिया है. फ्रेंचाइजी का मजेदार सफर2013 में रिलीज हुई जॉली एलएलबी में मेरठ के वकील जॉली त्यागी (अरशद वारसी) ने दर्शकों का दिल जीत लिया था. इसके बाद 2017 में 'जॉली एलएलबी 2' आई, जिसमें कानपुर के वकील जॉली मिश्रा (अक्षय कुमार) की एंट्री हुई. अब तीसरे भाग में दोनों जॉली पहली बार एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे. दमदार स्टार कास्टस्टार स्टूडियो18 के बैनर तले और सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी 'जॉली एलएलबी 3' में अक्षय कुमार और अरशद वारसी के अलावा हुमा कुरैशी, अमृता राव और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार भी नजर आएंगे. दर्शक बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं.

'नो एंट्री 2' से अलग हुए दिलजीत दोसांझ, बोनी कपूर ने की पुष्टि

फिल्म 'नो एंट्री' के सीक्वल की घोषणा के बाद से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी कर रहे हैं और इसके निर्माता बोनी कपूर हैं. फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां लगातार सामने आ रही हैं. हाल ही में खबर आई थी कि दिलजीत दोसांझ 'नो एंट्री 2' का हिस्सा नहीं होंगे. अब बोनी कपूर ने खुद दिलजीत के फिल्म से अलग होने की पुष्टि कर दी है. मीडिया से बातचीत में बोनी कपूर ने साफ किया कि दिलजीत दोसांझ ने 'नो एंट्री 2' से खुद को अलग कर लिया है. उन्होंने कहा, हां, हम अच्छे माहौल में अलग हुए हैं. इसकी एकमात्र वजह ये है कि उनकी तारीखें हमारे शूटिंग शेड्यूल से मैच नहीं कर रही थीं. उम्मीद है जल्द ही हम किसी पंजाबी फिल्म में साथ काम करेंगे. इससे पहले निर्देशक अनीस बज्मी भी दिलजीत के फिल्म से बाहर होने की पुष्टि कर चुके थे. 'नो एंट्री 2' साल 2006 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'नो एंट्री' का सीक्वल है. ओरिजिनल फिल्म में अनिल कपूर, सलमान खान और फरदीन खान लीड रोल में नजर आए थे. खास बात यह है कि 'नो एंट्री' 2002 में आई तमिल फिल्म 'चार्ली चैपलिन' का हिंदी रीमेक थी.

दूसरी बार मां बनीं अभिनेत्री गौहर खान, बेटे को दिया जन्म

अभिनेत्री गौहर खान एक बार फिर से मां बन गई हैं. लंबे समय से अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में बनीं गौहर ने आखिरकार अपने फैंस के साथ यह खुशखबरी शेयर की है. अभिनेत्री ने एक सितंबर को अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है. गौहर और उनके पति जैद दरबार ने इस प्यारी खबर की जानकारी सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत पोस्ट के जरिए दी. जैसे ही यह पोस्ट सामने आया, पूरे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और फैंस के बीच बधाइयों का तांता लग गया. हर कोई इस कपल को शुभकामनाएं दे रहा है और छोटे मेहमान के लिए ढेर सारा प्यार भेज रहा है. गौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ₹जेहान अपने बड़े भाई का स्वागत करने के लिए तैयार है, जिसका जन्म 1 सितंबर, 2025 को हुआ है.₹ इसके साथ ही गौहर और जैद ने अपने दोस्तों, परिवार और शुभचिंतकों का शुक्रिया अदा किया है जिन्होंने पूरे सफर में उन्हें दुआओं और प्यार से घेरा रखा. पोस्ट शेयर होते ही कॉमेंट सेक्शन में बधाइयों की बौछार होने लगी. टीवी सितारों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री के बड़े नामों ने कपल को बधाई दी और नन्हे मेहमान को आशीर्वाद भेजा. गौहर खान ने 25 दिसंबर, 2020 को मशहूर कोरियोग्राफर जैद दरबार से शादी की थी. दोनों की जोड़ी शुरुआत से ही सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर रही है. फिर 10 मई, 2023 को इस कपल ने अपने पहले बेटे जेहान का स्वागत किया था. अब जेहान बड़ा भाई बन चुका है और परिवार में नन्हे सदस्य के आने से खुशियां दोगुनी हो गई हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग. शुभांक-4-6-8

वृष : सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. व्यापार में वृद्धि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. यात्रा का योग हैं. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-5-7-9

मिथुन : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्धि का योग है. सम्मान मिलेगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-7-8-8

कर्क : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. शुभांक-4-6-7

सिंह : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए. शुभांक-4-5-6

कन्या : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. खान-पान में सावधानी रखें. स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. शुभांक-7-8-9

तुला : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. शुभांक-3-6-7

धनु : सुख आरोग्य प्रभावित होगा. जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं. अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शुभांक-3-6-7

मकर : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-4-7-8

कुंभ : मौसमी बीमारियों से बचाव आवश्यक है. परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी. आय में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. शारीरिक कष्ट की आशंका प्रबल है. शुभांक-5-7-9

मीन : श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. सावधानी बरतने ही रास्ता निकलेगा। शुभांक-5-7-8

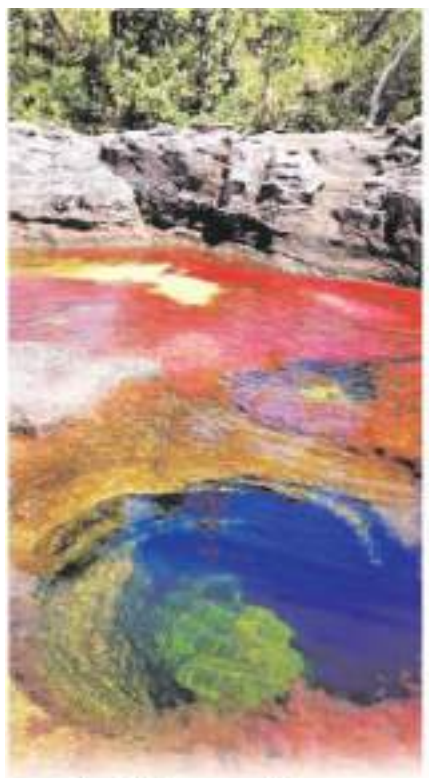

कोलंबिया की रिवर ऑफ फाइव कलर्स अपने रंगीन पानी से कर रही है लोगों को हैरान

कोलंबिया में बहने वाली एक सुंदर नदी है, जिसका नाम है कैनो क्रिस्टल्स। दूर से देखने में रंगों के पैलेट समान दिखने वाली इस इंद्रधनुषीय नदी की खूबसूरती के कारण इसे 'दैवीय बगीचा' कहकर भी पुकारा जाता है। कैनो क्रिस्टल्स नदी सिर्फ कोलंबिया ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों को अपनी अनोखी खासियत से हैरान कर देती है। दरअसल, इस नदी में पांच अलग-अलग रंगों का पानी बहता है। पीला, हरा, लाल, काला और नीला रंग। पचरंगी पानी की वजह से नदी को 'रिवर ऑफ फाइव कलर्स' के नाम से भी पुकारा जाता है। इसके अलावा इसे 'लिक्विड रेनबो' भी कहते हैं। इसकी खूबसूरती को सराहने का सबसे बेहतरीन समय जून से लेकर नवंबर तक का है। इस दौरान सैलानी कोलंबिया का रूख करते हैं और नदी के नजारे का लुत्फ उठाते हैं। नदी के बदल रहे पानी की असली वजह कोई जादू या चमक नहीं है। इसकी असली वजह नदी के बीच उगने वाले पौधे हैं। इस खास पौधे का नाम 'मैकेरेनिया क्लेविगरा' है। इस पौधे की वजह से ही पूरी नदी का पानी रंगीन लगता है। इसके पीछे का विज्ञान ये है कि पानी की तलहटी में मौजूद पौधे पर सूरज की रोशनी पड़ते ही पानी का रंग लाल हो जाता है। धीमी और तेज रोशनी के हिसाब से पौधे की अलग-अलग आभा पानी के रंग पर झलकती रहती है।

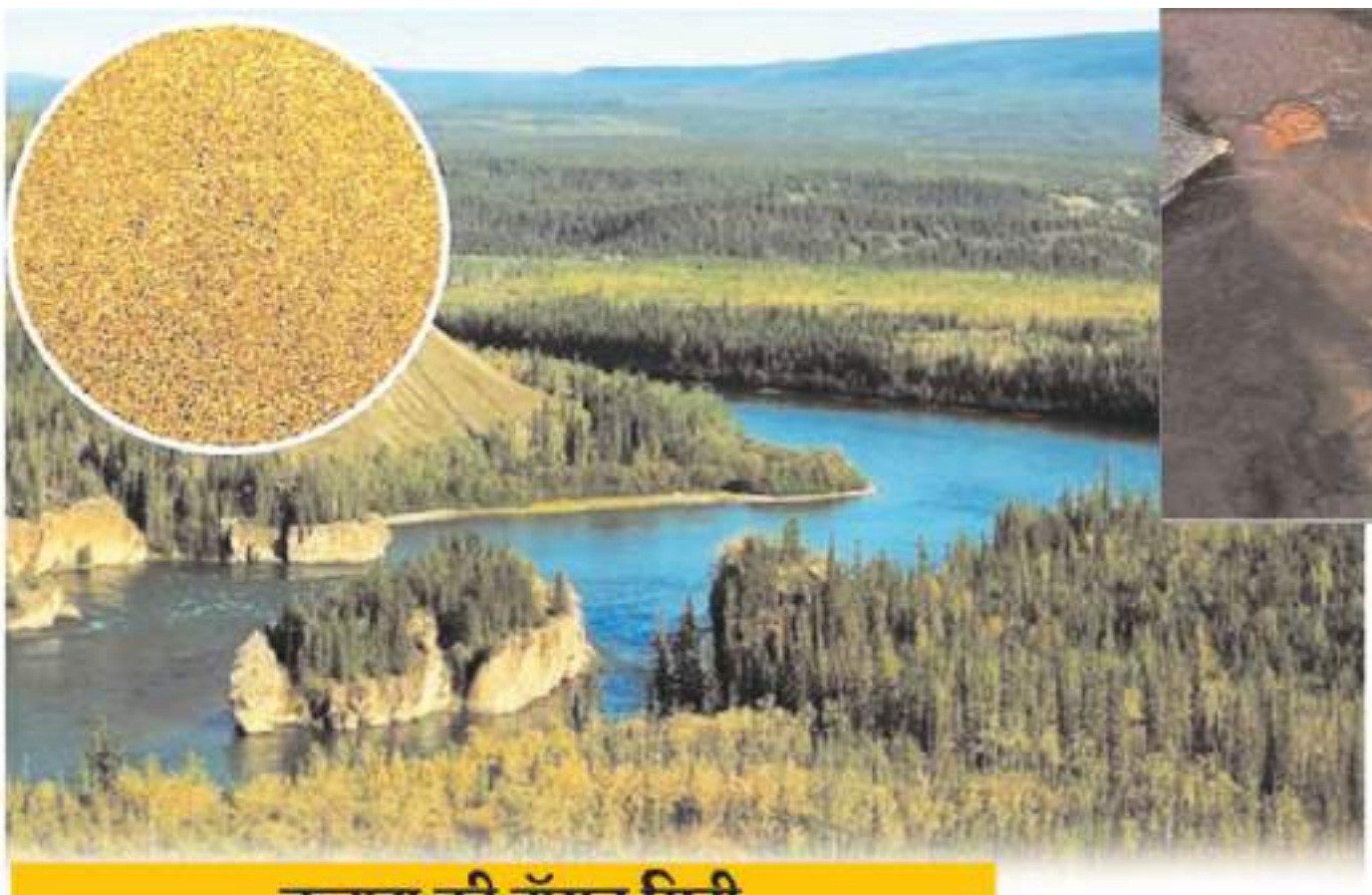

सैर कर दुनिया की गाफिल, जिंदगानी फिर कहां... जिंदगी गर कुछ रही तो ये जवानी फिर कहां... ख्वाजा मीर दर्द का ये शेर सैर-सपाटे की अहमियत हमें बताता है। मशहूर लेखक राहुल सांकृत्यायन ने तो बाकायदा अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा के नाम से लेख ही लिख डाला था। उनका कहना था कि मेरी समझ में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वस्तु है घुमक्कड़ी। नई-नई जगहों के बारे में जानना और घूमना हमेशा ही एक अच्छा शौक माना गया है। कुछ लोगों के इसी शौक की वजह से हमें ऐसी जगहों की जानकारी भी मिल जाती है, जहां हरेक का जाना संभव नहीं है। तो चलिए आपको घुमा लाते हैं कनाडा की डॉसन सिटी।

कनाडा की डॉसन सिटी

जहां नदी में पानी के साथ-साथ बहता है सोना

कनाडा की डॉसन सिटी उन्हीं जगहों में से एक है जो करीब सौ सालों से घुमक्कड़ों को अपनी ओर खींच रही है। शायद इसलिए भी कि यहां अमीर होने का मौका मिल जाता है। अमीर बनने की बात सुनकर यकीनन आपके दिल में भी इस जगह के बारे में जानने की ख्वाहिश जगी होगी। जैसा कि हमने आपको बताया कि डॉसन सिटी कनाडा में दूरदराज का एक शहर है। इसकी आबादी बहुत कम है और ये क्लोंडाइक नदी के किनारे बसा है। कहा जाता है कि इस नदी की तलहटी में सोना मिल पड़ा है। 1896 में जॉर्ज कार्मक, डॉसन सिटी वाली और स्कूकम जिम मेसन ने सबसे पहले इस नदी में सोना होने की बात बताई थी। जैसे ही नदी में सोने की खबर फैली इस शहर में लोगों का, खास तौर से सोना खोजने वालों का रेला लग गया। 1898 में इस शहर की आबादी महज 1500 थी जो कि रातों रात बढ़ कर तीस हजार हो गई। आज यहां की आबादी में खान में काम करने वाले हैं, कुछ कलाकार हैं, और कुछ वो लोग हैं जो खुद को इस शहर का मूल नागरिक बताते हैं। डॉसन सिटी के मेयर वेन पोटोरका का कहना है कि इस शहर की हमेशा से ही एक अलग पहचान रही है। यहां तरह तरह के लोग रहते हैं जो इस इलाके की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इसे कनाडा के दीगर शहरों से हटकर एक अलग पहचान दिलाते हैं। डॉसन सिटी, ओगिल्वी पहाड़ों से घिरा हुआ है जो करीब दो हजार किलोमीटर तक फैला हुआ है। ये पहाड़ इस इलाके को खूंखार जंगली जानवरों से बचाता है। अगर आप क्लोंडिक हाई-वे से जाना चाहते हैं तो व्हाइटहॉर्स से यहां तक पहुंचने में करीब सात घंटे का समय लगेगा। हाईवे की लंबाई करीब 533 किलोमीटर है। यूकॉन इलाका कनाडा का सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इस इलाके की ज्यादातर आबादी व्हाइटहॉर्स में बसी है। व्हाइटहॉर्स

अलास्का, ब्रिटिश कोलंबिया और नॉर्थ वेस्ट के इलाकों से सटा हुआ है। डॉसन सिटी तक पहुंचने में आपको बहुत तरह के खूबसूरत कुदरती नजारे देखने को मिल सकते हैं। हर साल बड़ी तादाद में लोग डॉसन सिटी घूमने आते हैं। कुछ यहां कुदरत के खूबसूरत और दिलकश नजारे देखने आते हैं, तो कुछ यहां अमीर बनने की चाह में आते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग मेहनत भी खूब करते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग कई दशकों से इसी काम में लगे हैं। सोने की इस नदी के पास जमी रेत को बाल्टियों में इकट्ठा करते हैं, फिर उसे कई कई बार छानते हैं। नदी के पानी को छोटे-छोटे बर्तनों में रखकर जमाया जाता है। फिर इस बर्फ से सोने के टुकड़ों को अलग किया जाता है। सोने के ये टुकड़े कई शक्ल में होते हैं। ये मोतीनुमा भी हो सकते हैं, पतले छिलके के रूप में भी हो सकते हैं या फिर गुच्छे के आकार के भी हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सोने के ये टुकड़े हर बार ही मिल जाएं। बहुत मेहनत के बाद कुछ टुकड़े ही हाथ लग पाते हैं। सोना तलाशने के लिए यहां कोई रोक टोक नहीं है। कोई भी खुदाई करके यहां सोना तलाशने का काम कर सकता है। लेकिन फिर भी कुछ लोग यहां जमीन के टुकड़े खरीद लेते हैं, ताकि उस जगह से निकलने वाले सोने पर उनका ही हक रहे और कोई दूसरा यहां आकर खुदाई का काम ना कर सके। वो इस इलाके में मशीनें भी लगा सकते हैं। हालांकि पिछली एक सदी से सोने के दामों में अक्सर ही उतार चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

आज की तारीख में चाय के एक चम्मच के बराबर का सोना 1300 डॉलर के हिसाब से बिकता है। डॉनें मिशेल, डॉसन सिटी में साल 1977 में आई थीं। वो सोना निकालने का काम करती हैं। उन्हें हमेशा से ही अलग-अलग जगहों के बारे में जानने की उत्सुकता रही है। वो नई नई जगहों के बारे में जानकारी हासिल करने को एक खास तरह का इल्म मानती हैं। जब मिशेल को उनकी किसी परिचित ने इस जगह के बारे में बताया तो वो खुद को रोक नहीं पाईं और पहुंच गईं सोना तलाशने। डॉनें मिशेल आज यहां आने वाले सैलानियों को सोना निकालने का तरीका सिखाती हैं।

डॉनें मिशेल यहां खदान मजदूरों के साथ केबिन में रहती हैं। पास के चश्मे के पानी से अपनी प्यास बुझाती हैं और उसी के पानी से खाना बनाती हैं। हालांकि डॉसन सिटी आने से पहले उन्हें सोना निकालने का कोई तजुर्बा नहीं था। लेकिन, यहां रहते हुए उन्होंने ये हुनर सीख लिया और अब दूसरों को भी सिखा रही हैं। मिशेल कहती हैं उनकी जिंदगी बहुत आराम से गुजर रही है। वो पास के शहर में हर रोज काम के लिए जाती हैं और छुट्टी के दिन मजे से सोना तलाशती हैं या फिर आस पास के पहाड़ों में कुदरती नजारों का लुत्फ उठाती हैं। हालांकि वो अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मीलों दूर रहती हैं, लेकिन कभी भी अपने घर की कमी का अहसास नहीं होता।

मिशेल को लगता है ये इलाका ही उनका घर है। मिशेल के मुताबिक एक इलाके की खुदाई पर खदान मजदूरों को काम करने की इजाजत तभी मिल पाती है जब उस इलाके का मालिक या तो मर जाता है या फिर वो अपनी खुशी से कुछ को काम करने की इजाजत देता है। यहां खदान मजदूर एक समुदाय की तरह से काम करते हैं। मिशेल को साल 1981 में पहली बार सोने की खदान में काम करने का मौका मिला था और तभी से वो इस समुदाय का हिस्सा बन गईं। साल 1984 में डॉसन सिटी में वुमेन्स वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ गोल्ड का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में मिशेल कामयाब हुईं।

कुछ सालों बाद यूकॉन ओपन गोल्ड पैनिंग का मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में उनका सामना अपने ही साथियों लोगों से था। मिशेल उन सभी को खदान में काम करने के दिनों से जानती थीं। वो सभी अपने काम में माहिर थे। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों में मिशेल ही एक अकेली महिला थीं जिन्हें तमाम मर्दों से लोहा लेना था। दिलचस्प बात ये थी कि वो इस मुकाबले में भी कामयाब रहीं और यूकॉन ओपन का खिताब जीतने वाली पहली महिला बनीं। कई सालों तक मिशेल इसी तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेती रहीं। बाद में वो कई महिला खदान मजदूरों की कोच बन गई हैं। फिलहाल वो जैक लंदन म्यूजियम में इंटरप्रेटर के तौर पर काम कर रही हैं। साथ ही अपने अनुभव भी लोगों से साझा करती हैं। डॉसन सिटी में सोने की खुदाई का काम हमेशा से ही बड़े पैमाने पर होता रहा है। आज भी यूकॉन की 196 माइनिंग साइट में से 124 सिर्फ डॉसन सिटी में हैं। बोनांजा क्रीक डिस्ट्रिक्ट जो गोल्ड रश की मूल साइट है, वहां आज भी सबसे ज्यादा खदानें हैं। मिशेल के मुताबिक यहां सोने की खुदाई का काम अभी लंबे समय तक चलेगा। लोग इसी तरह यहां आते रहेंगे। हो सकता है, आप यहां गर्मी का एक मौसम गुजारने के इरादे से आएं, लेकिन कोई हैरत नहीं होगी अगर आप यहां तमाम उम्र के लिए बस जाएं, क्योंकि इस जगह में कशिश ही कुछ ऐसी है।

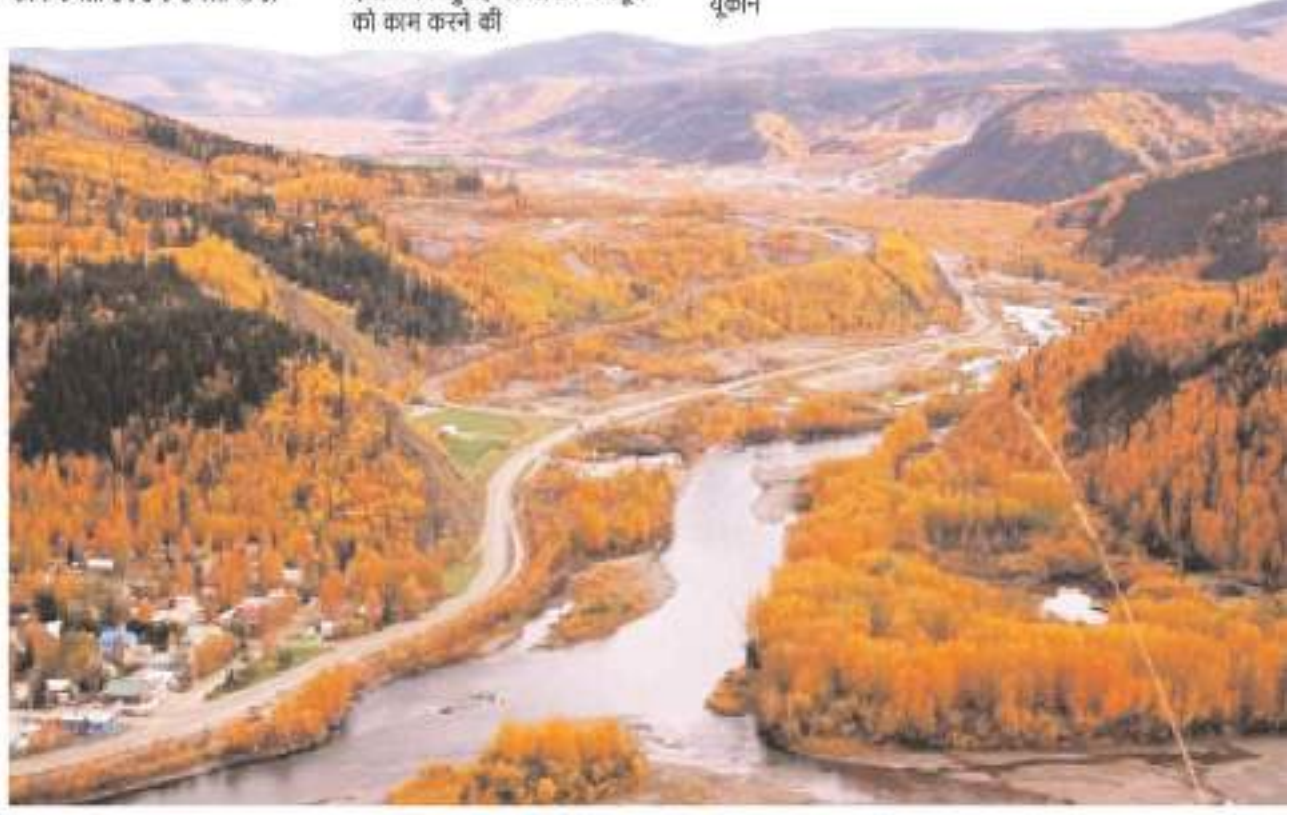

ये है दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम, घूमने में लग जाते हैं कई दिन

दुनिया के सबसे बड़े म्युजियम के बारे में क्या आप जानते हैं? शायद ही जानते होंगे आप। हम आज आपको उसी म्युजियम के बारे में बताने जा रहे हैं।

आप कभी न कभी म्युजियम में घूमने तो गए ही होंगे। लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया में सबसे बड़ा म्युजियम कहां पर है। अगर नहीं तो हम आपको बताते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा म्युजियम फ्रांस के पेरिस में है। इस म्युजियम का नाम मुसी डू लौवर है। यह म्युजियम काफी पुराना भी है। इसी म्युजियम में मोनालिसा और वीनस डी मीलो की फेमस पेंटिंग रखी हुई है। यह म्युजियम इतना बड़ा है कि आप इसे एक दिन में नहीं देख पाएंगे। इसे घूमने के लिए कई दिन लग जाते हैं।

फ्रांस के पेरिस में है यह म्युजियम

इस म्युजियम को पूर्व शाही महल में 1793 में खोला गया था। उस वक्त इस म्युजियम में 537 ड्राइंग की एक एग्जिबिशन लगाई गई थी। यह म्युजियम 60600 स्क्वायर फीट में है और यह सबसे बड़ा होने के साथ-साथ सबसे ज्यादा देखे जाने वाला और सबसे अमीर म्युजियम है। इस म्युजियम को देखने के लिए साल 2022 में 90 लाख लोग पहुंचे थे। इसमें 8 क्युरेटोरियल विभाग हैं। इनका नाम मिस्र के पुरावशेष, पूर्वी पुरावशेषों के पास, ग्रीक, इट्रस्केन, रोमन पुरावशेष, इस्लामी कला, मूर्तिकला और सजावटी कला। इनमें 3 लाख 80 हजार से ज्यादा पुरानी वस्तुएं रखी गई हैं। ज्यादातर पर इसमें प्राचीन मूर्तियां, एंटिक आर्ट, ड्राइंग, पेंटिंग्स और पुरातात्विक खोज में मिली वस्तुएं रखी गई हैं।

म्युजियम में 24 घंटे रहती है हाई सिक्योरिटी

इस म्युजियम की सुरक्षा के लिए हजारों सुरक्षाकर्मी हमेशा तैनात रहते हैं। इनके हाथों में आधुनिक हथियार होते हैं। कोई भी चोर इस म्युजियम से कुछ भी चुराने से पहले 10 बार सोचेगा।

खुशियों का दिन बना त्रासदी, बेंगलुरु भगदड़ पर कोहली ने तोड़ी चुप्पी, दी पहली प्रतिक्रिया, कहा-

उन परिवारों के बारे में सोच रहा हूं, जिन्हें हमने खो दिया...

एजेंसियां। नयी दिल्ली

विराट कोहली 4 जून की उस घटना को याद कर इमोशनल हो गए, जो क्रिकेट इतिहास की सबसे दुखद घटनाओं में से एक है. दरअसल 18 साल बाद आरसीबी ने आईपीएल ट्रॉफी जीती थी, जिसकी खुशी देशभर के करोड़ों फैंस ने मनाई. आरसीबी मैनेजमेंट ने भी जल्दबाजी में अगले ही दिन एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बैंगलोर में जश्न का कार्यक्रम आयोजित कर दिया. विराट समेत सभी प्लेयर्स को देखने और जीत के जश्न में शामिल होने के लिए भारी भीड़ आ गई. इसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी. घटना के 3 महीने बाद विराट कोहली ने कहा, जो हमारी फ्रैंचाइज़ी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, वह एक दुखद घटना में बदल गया. विराट कोहली भी इस कार्यक्रम में अन्य प्लेयर्स के साथ स्टेडियम के अंदर थे, यहां काफी भीड़ उमड़ी थी. स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई, इसमें 11 फैंस की जान चली गई. कोहली ने अब घटना के 3 महीने बाद अपने बयान में कहा कि मैं उन लोगों के बारे में सोच रहा हूं, जिनकी जान चली गई.

विराट कोहली ने क्या कहा

विराट कोहली ने आरसीबी द्वारा जारी अपने बयान में कहा, ज़िंदगी में कुछ भी ऐसा नहीं है जो आपको 4 जून जैसी दिल टूटने वाली घटना के लिए तैयार करता है. जो हमारी फ्रैंचाइज़ी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, वह एक दुखद घटना में बदल गया. मैं उन लोगों के परिवारों के बारे में सोच रहा हूं और उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूं, जिन्हें हमने खो दिया. और हमारे उन प्रशंसकों के लिए जो घायल हुए. आपकी क्षति अब हमारी कहानी का हिस्सा है. हम साथ मिलकर देखभाल, सम्मान और ज़िम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे.

आरसीबी केयर्स की शुरुआत

4 जून को हुई इस दुखद घटना को बीते 3 महीने हो गए हैं. टीम ने 3 जून को पंजाब किंग्स को फाइनल में हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था. ये विराट कोहली की भी पहली आईपीएल ट्रॉफी थी, जिसके बाद कोहली स्टेडियम में ही इमोशनल हो गए थे, उनकी आंखों में आंसू थे. लेकिन अगले दिन 4 जून को ये हो गया. उसके 3 महीने बाद फ्रेंचाइजी ने आरसीबी केयर्स की शुरुआत कर उन परिवारों को आर्थिक मदद का एलान किया, जिन्होंने इसमें अपनों को खोया. इस हादसे के बाद फ्रेंचाइजी ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है. साथ ही, फ्रेंचाइजी ने आरसीबी केयर्स नाम से एक फाउंडेशन शुरू किया है. इस संस्था ने वादा किया है कि भविष्य में वह बीसीसीआई और कर्नाटक क्रिकेट संघ (केएससीए)के साथ मिलकर और साथ ही स्टेडियम प्रबंधन, खेल संस्थाओं और लीग पार्टनर्स के साथ मिलकर बेहतर भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल बनाएगी.

जांच और जिम्मेदारी

आधिकारिक जांच में यह सामने आया कि सोशल मीडिया पर भेजे गए निमंत्रणों के बाद लगभग 2.5 लाख फैन्स चिन्नास्वामी स्टेडियम पर उमड़ पड़े थे. पुलिस ने माना कि भीड़ नियंत्रण में वे बेहद कम पड़ गए और आरसीबी को इस हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया गया. जांच में यह भी कहा गया कि उचित अनुमति और व्यवस्थाओं का अभाव इस भगदड़ की बड़ी वजह थी.

पहले वनडे में इंग्लैंड की करारी हार, 131 रन पर सिमटी पारी

द. अफ्रीका 175 गेंद शेष रहते जीता

एजेंसियां। हेडिंग्ले

दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में जोरदार जीत दर्ज की. मेजबान इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए लीड्स के हेडिंग्ले में सिर्फ 131 रन पर सिमट गई और दक्षिण अफ्रीका ने यह लक्ष्य बेहद आसानी से हासिल कर लिया. कप्तान एडेन मार्करम की तूफानी पारी ने मैच को एकतरफा बना दिया. इससे पहले वियान मुल्डर और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी ने इंग्लैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था. महाराज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज का शानदार आगाज किया है और 1-0 की बढ़त बना ली है. अगला मुकाबला चार सितंबर को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा.

इंग्लैंड की शुरुआत से ही विकेट गिरते रहे और टीम कभी मैच में टिक नहीं पाई. विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने सबसे ज्यादा 54 रन (48 गेंद, 10 चौके) बनाए. उनके अलावा जो रूट ने 14, जोस बटलर ने 15 और जैकब बेथेल ने 13 रन का योगदान दिया. बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके और पूरी टीम सिर्फ 24.3 ओवर में 131 रन पर सिमट गई. कप्तान हैरी ब्रूक 12 रन, विल जैक्स सात रन और बेन डकेट पांच रन ही बना सके. स्मिथ को डकेट के साथ ओपनिंग भेजा गया था।गेंदबाजी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 5.3 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट चटकाए. वियान मुल्डर ने तीन विकेट लिए और सिर्फ 33 रन दिए. लुंगी एनगिडी और नांद्र बर्गर ने भी एक-एक विकेट हासिल किया. इंग्लैंड के बल्लेबाज महाराज की स्पिन और मुल्डर की सटीक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाए.

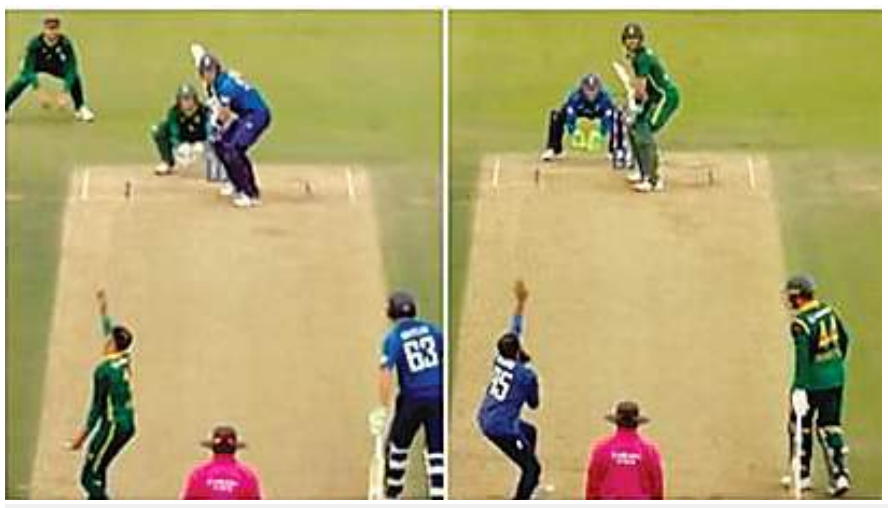

दक्षिण अफ्रीका की पारी में मार्करम का रहा जलवा

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने आक्रामक बल्लेबाजी की. कप्तान एडेन मार्करम ने 55 गेंदों में 86 रन ठोक डाले, जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे. उनके साथ विकेटकीपर रेयन रिकेल्टन ने 59 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और पारी संभाली. तेम्बा बावुमा सिर्फ छह रन बना सके, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स खाता नहीं खोल सके. डेवाल्ड ब्रेविस ने दो गेंदों में नाबाद छह रन बनाकर रिकल्टन के साथ मैच खत्म कर दिया. दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवर में 137/3 बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की. इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए.

खास आंकड़े और रिकार्ड

यह मुकाबला कई यादगार आंकड़ों का गवाह बना. इंग्लैंड के 131 रन का स्कोर घरेलू सरजमीं पर सबसे कम स्कोरों की सूची में शामिल हो गया. इससे कम स्कोर उन्होंने 2001 में मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया (86 रन), 1975 में लीड्स में ऑस्ट्रेलिया (93 रन) और 2001 में श्रीलंका (99 रन) के खिलाफ बनाए थे. दक्षिण अफ्रीका ने लीड्स में इंग्लैंड को सिर्फ 24.3 ओवर में ऑलआउट कर दिया. यह किसी भी टीम को अवे मैच में ढेर करने का उनका सबसे तेज रिकॉर्ड है. इससे पहले 1996 में नैरोबी में उन्होंने केन्या को 25.1 ओवर में, 2011 में मीरपुर में बांग्लादेश को 28 ओवर में और 2022 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड को 28.1 ओवर में ऑलआउट किया था.

राशिद खान या जसप्रीत बुमराह कौन है टी20 का बेस्ट बॉलर?

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है और इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा. एशिया कप में खेल रही 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है. भारत और अफगानिस्तान दोनों ही टीमें अलग-अलग ग्रुप में हैं, ऐसे में लीग स्टेज में होने वाले मुकाबलों में इन दोनों टीमों के बीच टक्कर देखने को नहीं मिलेगी. लेकिन इस टूर्नामेंट में भारत और अफगानिस्तान के स्टार गेंदबाजों के बीच तगड़ा कंप्टीशन देखने को मिल सकता है. एशिया कप 2025 में ये देखना दिलचस्प होगा कि जसप्रीत बुमराह और राशिद खान में कौन ज्यादा विकेट चटकाता है.

अफगानिस्तान की टीम यूएई और पाकिस्तान के साथ टी20 ट्राई सीरीज खेल रही है. इस सीरीज का तीसरा मैच यूएई और अफगानिस्तान के बीच खेला गया, जिसमें राशिद खान ने तीन विकेट चटकाए और इसी के साथ वे टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. वहीं जसप्रीत बुमराह ने जून, 2024 में आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था.

राशिद खान ने अपने टी20 करियर की शुरुआत अक्टूबर, 2015 में की थी और वे इस वक्त अफगानिस्तान की टी20 टीम के कप्तान हैं. वहीं जसप्रीत बुमराह ने पहला टी20 मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जनवरी, 2016 में खेला और ये खिलाड़ी एक साल से भी ज्यादा समय से टी20 टीम से बाहर चल रहा है. बुमराह ने टीम इंडिया के लिए आखिरी टी20 मैच जून, 2024 में खेला था.

राशिद खान ने टी20 इंटरनेशनल में 98 मैच खेले हैं और 165 विकेट हासिल किए हैं. इसी के साथ वे T20I में सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज बन गए हैं. वहीं जसप्रीत बुमराह भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 70 मैच खेल चुके हैं, जिसमें भारत के इस गेंदबाज ने 89 विकेट हासिल किए हैं.

एशिया कप में कब होगा इंडिया बनाम अफगानिस्तान मैच

एशिया कप 2025 में भारत और अफगानिस्तान के बीच मैच सुपर 4 में देखने को मिल सकता है. ये मुकाबला तब ही हो सकता है, जब दोनों टीमें लीग स्टेज पार करके सुपर-4 में जगह बनाने में कामयाब हो जाती हैं. एशिया कप में ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई हैं. वहीं ग्रुप बी में अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और हांगकांग चीन हैं. इन चार-चार टीमों के ग्रुप में से 2-2 टीमें ही सुपर-4 के लिए क्वालीफाई करेंगी. अगर सुपर-4 में भारत और अफगानिस्तान दोनों टीमें जाती हैं, तब जसप्रीत बुमराह और राशिद खान के बीच आमने-सामने मुकाबला देखने को मिल सकता है.

बीसीसीआई के अपडेट ने मचाई खलबली

एशिया कप में बिना स्पॉन्सर जर्सी के खेलेगी टीम इंडिया?

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होने जा रही है. इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया की जर्सी पर किसी भी स्पॉन्सर का नाम नजर नहीं आ सकता. भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पर ड्रीम 11 का नाम था. भारत सरकार के ऑनलाइन मनी गेमिंग पर कानून बनाने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म के बीच डील कॉन्ट्रेक्ट पूरा होने से पहले ही टूट गई है. अब बीसीसीआई को भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के लिए नए स्पॉन्सर की तलाश है.

एशिया कप के शुरू होने में अब कुछ ही दिनों का समय रह गया है. वहीं बीसीसीआई ने नेशनल टीम की स्पॉन्सरशिप के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं और इसके लिए रजिस्टर कराने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है. इस बात से ये बात साफ हो जाती है कि एशिया कप में टीम इंडिया की जर्सी पर किसी भी स्पॉन्सर का होना मुश्किल है. बुधवार, 2 सितंबर से बीसीसीआई ने आवेदन लेने शुरू कर दिए हैं.

ड्रीम 11 का पत्ता कटा

भारत सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म पर लगाम लगाकर ड्रीम 11, विंजो और माय 11 सर्कल समेत सभी फैंटेसी क्रिकेट एप के लिए सख्त कानून बनाए हैं. इसी की वजह से बीसीसीआई और ड्रीम 11 के बीच हुआ कॉन्ट्रेक्ट पूरा होने से पहले ही समाप्त कर दिया है. नए कानून के मुताबिक, इन खेलों को बनाने वाली कंपनी के साथ ही प्रचार करने वाले लोगों पर भी सख्त एक्शन लिया जाएगा. वहीं बीसीसीआई ने इस कानून के आने के बाद साफ किया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भारत सरकार के किसी भी फैसले के खिलाफ नहीं जाएगा.

वैभव सूर्यवंशी की उम्र को लेकर अब नितीश राणा ने दिया बड़ा बयान

एजेंसियां। नयी दिल्ली

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पहले अपनी उम्र को लेकर सुर्ख़ियों में आए थे, लेकिन अब उन्हें एक विस्फोटक बल्लेबाज के रूप में जाना जाता है. हालांकि उनकी उम्र को लेकर अब नितीश राणा ने कुछ ऐसा बयान दिया, जो अब वायरल हो रहा है. वैभव को जब राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल में ख़रीदा, तब उनकी उम्र 13 वर्ष बताई गई थी. उन्होंने 14 साल की उम्र में आईपीएल डेब्यू किया और पहले ही सीजन में इतिहास रच दिया. अब वह आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वालों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं, उनसे आगे सिर्फ क्रिस गेल हैं. वैभव सूर्यवंशी की सही उम्र को लेकर शुरू से ही चर्चा हो रही है. दरअसल उनका भी एक इंटरव्यू वायरल हुआ था, जिसके बाद उम्र को लेकर सवाल खड़े हो गए थे कि क्या वैभव सच में 14 साल के ही हैं या नहीं. हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग का खिताब जीतने वाले वेस्ट दिल्ली के कप्तान नितीश राणा ने अपने बयान में वैभव की उम्र का जिक्र किया. उन्होंने संजू सैमसन और रियान पराग को लेकर भी प्रतिक्रिया दी.

संजू सैमसन और रियान पराग को लेकर कही ये बात

संजू सैमसन के बारे में पूछा गया तो नितीश राणा ने कहा, वह अगले साल कहां खेलेंगे. मजाक में कही ये बात उस अफवाहों की ओर इशारा कर रही थी, जिसमें कहा जा रहा था कि राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू अगले सीजन से पहले टीम को छोड़ सकते हैं. रियान पराग के बारे में बोलते हुए राणा ने कहा, जैसा दिखता है वो वैसा नहीं है. रियल लाइफ में वह बहुत नरम स्वाभाव के हैं. अच्छे से बात करते हैं, शायद टीवी पर उनका एटीट्यूड गलत तरह से नजर आता है. लेकिन वो वैसा नहीं है.

वैभव की उम्र को लेकर नितीश राणा ने क्या कहा

दिल्ली प्रीमियर लीग का खिताब जीतने के बाद नीतीश राणा ने एक इंटरव्यू में राजस्थान रॉयल्स के प्लेयर्स के बारे में अपनी राय दी. इस दौरान उनसे पूछा गया कि वैभव सूर्यवंशी के बारे में कोई ऐसी बात, जो दुनिया नहीं जानती है? इस पर उन्होंने कहा, वह 14 साल का ही है कि नहीं? हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि वह तो मजाक कर रहे हैं. आईपीएल में 38 गेंदों पर 101 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलने वाले वैभव शुरुआत से उम्र संबंधी सवालों से घिरे हुए हैं. हालांकि उनके परिवार ने उनका डेट ऑफ़ बर्थ सर्टिफिकेट भी दिखाया था. आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 टीम में चुना गया, वह ऑस्ट्रेलिया-19 टीम के खिलाफ सीरीज के लिए भी चुने गए हैं.

वसीम अकरम ने बुमराह से तुलना को बेगानों की शादी में अब्दुल्ला दीवाना बताया

नयी दिल्ली। 90 के दशक के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जसप्रीत बुमराह से अपनी तुलना पर करारा जवाब दिया. उन्होंने कहा कि यह सब बेकार की बहस है, जैसे कहते हैं बेगानों की शादी में अब्दुल्ला दीवाना. अकरम ने माना कि बुमराह अपने समय के महान गेंदबाज हैं और तुलना की कोई जरूरत ही नहीं है. वसीम अकरम ने ये बातें पाकिस्तानी टीवी चैनल जियो टीवी के शो हारना मना है पर कहीं. हाल ही में सोशल मीडिया और क्रिकेट फोरम्स पर वसीम अकरम और जसप्रीत बुमराह की तुलना को लेकर बहस तेज हो गई, लेकिन अकरम ने खुद इस विवाद पर बड़ा बयान देकर स्थिति साफ कर दी. अकरम ने बुमराह की गेंदबाजी की खूबियों को गिनाते हुए कहा कि उनका अनोखा एक्शन, तेज रफ्तार और भारतीय टीम मैनेजमेंट से मिलने वाला बेहतरीन सहयोग उन्हें अलग स्तर पर ले जाता है. अकरम ने यह भी स्पष्ट किया कि अलग-अलग दौर की परिस्थितियां और चुनौतियां अलग होती हैं. उनके मुताबिक, हर महान गेंदबाज अपनी पीढ़ी के हिसाब से परिभाषित होता है.

विराट कोहली को फिटनेस टेस्ट में 'छूट'...

बीसीसीआई ने बदले अपने नियम

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली लंबे समय से लंदन में ही रहते हैं. उन्होंने भारत छोड़ दिया और फिलहाल वे यूके में ही रहते हैं. ऐसे में उनको लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. बीसीसीआई ने विराट कोहली के लिए एक विशेष अनुमति दी है. बाकी खिलाड़ियों ने फिटनेस टेस्ट बेंगलुरु में दिया लेकिन कोहली ने लंदन में टेस्ट दिया. इससे कई सवाल उठ रहे हैं. क्या यह नियम सबके लिए एक जैसा होना चाहिए?

बाकी खिलाड़ियों ने दिया बेंगलुरु में टेस्ट: बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट अनिवार्य कर दिया है. यह टेस्ट इसलिए जरूरी है ताकि खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए पूरी तरह से तैयार रहें. 29 अगस्त को रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज जैसे बड़े खिलाड़ियों ने बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट दिया. एक रिपोर्ट के अनुसार, विराट कोहली अपने परिवार के साथ इंग्लैंड में हैं. उन्हें लंदन में फिटनेस टेस्ट कराने की इजाजत दी गई. इस फैसले से कई लोग हैरान हैं. आमतौर पर सभी खिलाड़ियों के लिए एक ही नियम होता है.

विराट कोहली ने ली अनुमति

एक बीसीसीआई अधिकारी ने इस बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि कोहली ने पहले अनुमति ली होगी. इस घटना के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या भविष्य में दूसरे खिलाड़ियों को भी ऐसी छूट मिल सकती है? खासकर उन खिलाड़ियों को जो विदेश में इलाज करा रहे हैं या जिनकी निजी जरूरतें हैं.

नई राह | क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के संपर्क में रविचंद्रन अश्विन!

बीबीएल में एंट्री की चर्चा तेज; पहले भारतीय सितारे बन सकते हैं

एजेंसियां। चेन्नई

भारत के दिग्गज ऑफ-स्पिनर रवीचंद्रन अश्विन अब ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने की संभावनाओं को साकार करने की ओर बढ़ रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि सौदा अंतिम रूप लेता है, तो वह बीबीएल में डेब्यू करने वाले पहले हाई-प्रोफाइल भारतीय क्रिकेटर बन सकते हैं.

आईपीएल से संन्यास के बाद नई राह अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास लिया था. इसके बाद, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने अश्विन से सीधे संपर्क स्थापित किया. बातचीत का प्रारंभ इसी सिलसिले में हुआ. दोनों के बीच बीबीएल में शामिल होने की संभावना पर विचार-विमर्श शुरू हो चुका है. अश्विन ने पहले ही यह संकेत दे दिया था कि वे अब विभिन्न टी20 लीगों में एक अन्वेषक के रूप में कदम रखना चाहते हैं. आईएलटी20 के आयोजकों से भी उनके बातचीत होने की रिपोर्ट सामने आई थी. हालांकि, बीबीएल और अश्विन के बीच सौदा अभी शुरुआती चरण में है और पूरी तरह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हाथ में है. इसमें कई पहलू शामिल हैं, जैसे कि अश्विन कितने मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और वे किस टीम का हिस्सा होंगे. माना जा रहा है कि मेलबर्न की टीमों में से किसी एक से वे जुड़ सकते हैं.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अगला कदम क्या?

ग्रीनबर्ग ने स्वयं कहा कि अश्विन जैसे खिलाड़ी को बिग बैश लीग में लाना कई स्तरों पर शानदार होगा. उनके मुताबिक, अश्विन एक चैंपियन क्रिकेटर हैं और बिग बैश और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट सीजन में बहुमूल्य योगदान देंगे. अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बीबीएल की आठ टीमों और अन्य स्टेकहोल्डर्स से बातचीत करनी होगी, ताकि अश्विन के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया जा सके. हालांकि, ड्राफ्ट में अधिकतर टीमों का बजट लगभग समाप्त हो चुका है, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया किसी न किसी ढंग से अश्विन को शामिल करने का रास्ता तलाशने के लिए तैयार है.

भारतीय क्रिकेटरों के लिए नया दरवाजा

इससे पहले किसी प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने बिग बैश लीग में हि♣स्सा नहीं लिया है. ऐसे में अश्विन की संभावित उपस्थिति लीग की लोकप्रियता को दक्षिण एशिया में और बढ़ा सकती है. यह कदम न केवल बिग बैश लीग की पहुंच को बढ़ाएगा, बल्कि इसे वैश्विक टी20 लीगों में और प्रभावशाली भी बनाएगा. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का उद्देश्य स्पष्ट है- बिग बैश लीग को दुनिया की सबसे बेहतरीन टी20 लीगों में शामिल करना, ताकि यह आईपीएल के समकक्ष खड़ा हो सके. अश्विन जैसे प्रतिष्ठित क्रिकेटर का आना ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट और निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है.

यूएस ओपन 2025: जोकोविच ने फ्रिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसियां। नयी दिल्ली

न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में मंगलवार को 38 वर्षीय नोवाक जोकोविच ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ को 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. अब उनका मुकाबला स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा. फ्रिट्ज़ के खिलाफ अपने अब तक के सभी 10 मुकाबले जीत चुके जोकोविच को इस बार भी कड़ी टक्कर मिली. पहले सेट में उन्होंने नौवें गेम में पांच ब्रेक प्वॉइंट बचाते हुए बढ़त बनाई और फिर दमदार क्रॉसकोर्ट शॉट के साथ दूसरा सेट भी अपने नाम किया.

हालांकि चौथे सीड फ्रिट्ज़ ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने पक्ष में किया और घरेलू दर्शकों में उम्मीद जगाई. लेकिन जोकोविच ने अपनी लय वापस हासिल करते हुए चौथे सेट में 5-4 की बढ़त बनाई और आखिरकार मैच को अपने नाम कर लिया. इस जीत के साथ जोकोविच का यूएस ओपन में अमेरिकी खिलाड़ियों के खिलाफ अपराजेय रिकॉर्ड 16-0 हो गया है. अब वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं.

ब्रीफ न्यूज

नवादा: नाबालिग का फंदे से लटका मिला शव

नवादा । जिले के कादिरगंज थाना क्षेत्र के एक गाव में एक दिल दहलाने वाली घटना ने पूरे इलाके में कोहराम मचा दिया है. दरअसल थान क्षेत्र के अतौआ गांवनिवासी छोटे लाल मांझी की 17 वर्षीय पुत्री संजू कुमारी का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया, जिसके बाद परिवार और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया. मामले की सुचन मिलते ही पर दल बल के साथ पहुचे थाना प्रभारी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की गहन जांच शुरू कर दी है. बेटी की मौत से व्यथित मृतका के पिता छोटेलाल मांझी ने बताया कि उनकी बेटी संजू कुमारी कोचिंग पढ़ने गई थी. वो दोपहर 12 बजे तक घर लौट आती थी. उस दिन जब वह समय पर नहीं लौटी, तो पूछताछ में पता चला कि रोशन कुमार नामक युवक उसे अपने साथ ले गया था. छोटेलाल ने जब अपनी बेटी को वापस लाने की कोशिश की, तो रोशन ने उनके साथ मारपीट करने की कोशिश की. इसके बाद संजू कुमारी को घर लाया गया, जहां उसकी मां ने उसे फटकार भी लगाई थी. परिवार ने बताया कि उस दिन सभी ने साथ में भोजन किया, लेकिन अचानक खबर आई कि संजू की मौत हो गई.

नवविवाहित महिला की मौत, हंगामा

मधुबनी । मधुबनी के अरेर थाना क्षेत्र के डुमरा गांव में मंगलवार को एक बार फिर नवविवाहिता महिला की संदिग्ध मौत हो गई. मृतका की पहचान 19 वर्षीय शांति देवी के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, शांति देवी ने गांव के ही राहुल पासवान नामक युवक से 3 साल पहले प्रेम विवाह किया था. पति 10 दिन पहले अहमदाबाद से घर आया था. बीते तीन वर्षों में अक्सर दोनों के बीच झगड़ा होता था. सोमवार को भी किसी बात को लेकर विवाद हुआ था. मृतका की सास ने बताया कि मंगलवार को बहू ने पेट दर्द की शिकायत की थी. उसने दवाई की पूरी बोतल पी ली थी. इसके बाद परिजन उसे सुबह बेनीपट्टी अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पितृपक्ष मेला की तैयारी का सीएम नीतीश कुमार ने लिया जायजा, बोले-

व्यवस्था में कोई कमी नहीं होनी चाहिए

शुभम संदेश। पटना

विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला की तैयारियों का निरीक्षण करने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गया जी पहुंचे. गया जी पहुंचते ही सबसे पहले सीएम ने भगवान विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना की. इसके बाद सीएम नीतीश सीधे देवघाट पहुंचे, जहां उन्होंने पितृपक्ष मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया. इसके बाद वे समाहरणालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की. मोक्ष की नगरी गया जी में 6 सितंबर से 21 सितंबर तक आयोजित होने वाले राजकीय पितृपक्ष मेला के लिए इस समय युद्धस्तर पर तैयारी चल रही है.

पेयजल, आवासन, सफाई और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त किया जा रहा है.इस बार भी देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है. गया जी का पितृपक्ष मेला न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है, बल्कि यह बिहार की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक धरोहर का भी प्रतीक माना जाता है.मोक्ष की नगरी गया एक बार फिर आस्था और परंपरा का केंद्र बनने जा रही है. सीएम ने भगवान विष्णु के गर्भगृह में विशेष पूजा अर्चना कर बिहार की उन्नति की कामना की. इसके बाद वे देवघाट स्थित पितृपक्ष मेला परिसर का निरीक्षण करने पहुंचे. शाम को समाहरणालय में अधिकारियों संग समीक्षा बैठक कर मेले की तैयारियों पर फीडबैक लिया.

उर्दू व बांग्ला टीईटी अभ्यर्थियों ने जदयू कार्यालय का किया घेराव

शुभम संदेश । पटना

उर्दू और बांग्ला टीईटी अभ्यर्थियों ने बुधवार को पटना स्थित जेडीयू कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी पिछले 10 वर्षों से 2013 में आयोजित उर्दू और बांग्ला टीईटी परीक्षा के परिणाम की घोषणा की मांग कर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर उनका रिजल्ट रोक रही है, जबकि उसी वर्ष हिंदी टीईटी का परिणाम पहले ही जारी किया जा चुका है और बहालियाँ भी हो चुकी हैं. प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर जल्द ही उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे आत्मदाह जैसा कठोर कदम उठाने को मजबूर होंगे. अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने सड़क से लेकर कोर्ट तक न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अब तक उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है, कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. अभ्यर्थियों ने सरकार पर भाषा और वर्ग के आधार पर भेदभाव करने का आरोप भी लगाया. उनका कहना है कि यह सिर्फ रोजगार का नहीं, न्याय और समानता का भी मामला है.

456 बोतल विदेशी शराब बरामद, पिकअप वैन जब्त

- पुलिस को शक है कि यह बड़ी खेप सीमावर्ती इलाकों से तस्करी कर लाई जा रही थी और जिले के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई की तैयारी थी

शुभम संदेश। गोपालगंज

जिले अवैध शराब कारोबार के खिलाफ उत्पाद पुलिस ने एक और तगड़ा वार किया है. गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाई में कुचायकोट थाना क्षेत्र के सिरिसिया ढाला के पास से 456 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई. इस दौरान शराब से लदी एक पिकअप गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है. पुलिस को शक है कि यह बड़ी खेप सीमावर्ती इलाकों से तस्करी कर लाई जा रही थी और जिले के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई की तैयारी थी. लेकिन इससे पहले ही उत्पाद पुलिस ने पूरी योजना पर पानी फेर दिया. उत्पाद विभाग ने कहा है कि इस मामले की गहन जांच की जा रही है. पुलिस का मानना है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है, जो लगातार शराबबंदी कानून को धता बता रहा है. बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, इसके बावजूद शराब माफिया तस्करी से सप्लाई करने में सक्रिय हैं. हाल के दिनों में जिले के कई हिस्सों से विदेशी और देशी शराब की दर्जनों खेप पकड़ी जा चुकी हैं.

गर्भवती महिला की मौत से परिजनों का गुस्सा फूटा, जमकर मचाया हंगामा

- डॉक्टर और स्टाफ सब हुए फरार

शुभम संदेश । बेतिया

पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया नगर थाना क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है. नगर के हॉस्पिटल रोड स्थित न्यू पारस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हो गई. घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया. स्थिति बिगड़ते देख अस्पताल प्रबंधन ने आनन-फानन में क्लिनिक पर ताला जड़ दिया और डॉक्टर व स्टाफ फरार हो गए.

जानकारी के मुताबिक, लौरिया थाना क्षेत्र के सुअर छापर निवासी चंदन कुशवाहा की पत्नी रश्मि कुमारी को परिजन इलाज कराने न्यू पारस हॉस्पिटल लाए थे. गर्भवती महिला को एडमिट करने के बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन की तैयारी शुरू कर दी. इसी बीच उसे कुछ इंजेक्शन दिया गया, जिसके बाद अचानक महिला की हालत बिगड़ गई. देखते ही देखते उसने दम तोड़ दिया.

परिजनों का आरोप, लापरवाही से गई जान : महिला की मौत के बाद परिजन काफी आक्रोशित हो गए. उनका कहना है कि क्लिनिक प्रबंधन की लापरवाही के कारण गर्भवती महिला की जान गई. परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल दलालों के जरिए मरीजों को फंसाता है और बिना पर्याप्त सुविधा के इलाज कराता है, जिससे आए दिन मरीजों की मौत होती है.

अस्पताल में ताला, डॉक्टर-स्टाफ फरार : घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में भारी संख्या में लोग जुट गए. भीड़ बढ़ते देख डॉक्टर और स्टाफ क्लिनिक में ताला बंद कर फरार हो गए. वहीं, आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

पुलिस ने संभाली स्थिति, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा : घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और नगर थाना को जानकारी दी. बाद में पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया.

गौरतलब है कि बेतिया नगर क्षेत्र के हॉस्पिटल रोड पर इस तरह की घटनाएं नई नहीं हैं. आए दिन निजी क्लिनिकों में मरीजों की जान जाती है, लेकिन न तो स्वास्थ्य विभाग और न ही जिला प्रशासन इस पर कोई सख्त कदम उठाता है. स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग की संवेदनहीनता और उदासीनता के कारण ही इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं.

बिहार के 38 जिलों में आठ सितंबर तक बारिश के आसार; कोसी-गंगा उफान पर, संकट गहराया

शुभम संदेश । पटना

बिहार में मानसून थोड़ा कमजोर जरूर पड़ गया है लेकिन सभी जिलों में बारिश के आसार आज से लेकर आठ सितंबर तक हैं. उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम बिहार, दक्षिण-मध्य, दक्षिण-पूर्व बिहार में एक या दो स्थानों पर बारिश के आसार हैं. पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद समेत पूरे बिहार में बारिश के आसार हैं. मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है. इधर, लगातार बारिश के कारण गंगा और कोसी उफान पर है. नेपाल में हुई लगातार भारी बारिश का असर बिहार की कोसी नदी पर साफ दिखने लगा है. जलग्रहण क्षेत्रों में मूसलधार बारिश के बाद रविवार शाम से कोसी

नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा. नेपाल प्रभाग के बराहक्षेत्र से भी पानी का डिस्चार्ज लगातार बढ़ता घटता रहा. जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, खगड़िया के डुमरी और बलतारा, भागलपुर के विजय घाट पुल और कटिहार के कुरसेला में कोसी का बहाव पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुका है. प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य की तैयारी तेज कर दी है.

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों के दौरान पटना के अधिकांश भागों के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने के आसार हैं. वहीं अगले पांच दिनों तक राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है. उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव बना हुआ है. अगले 24 घंटों के दौरान इसी क्षेत्र में इसके और भी ज्यादा प्रभावी होने की संभावना है. इसके बाद यह अगले 24 घंटे के ऊपर होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा.

मुंगेर में फिर से बाढ़ का खतरा : मुंगेर में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. पहले ग्रामीण इलाकों में पानी फैलने के बाद अब शहरी क्षेत्रों में भी गंगा का पानी प्रवेश कर चुका है. नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत लाल दरवाजा–गीता बाबू लिंक पथ पर लगभग तीन फीट पानी भर गया है, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही है. नगर निगम क्षेत्र के कई निचले इलाकों और घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है. सदर प्रखंड के मोहली पंचायत अंतर्गत आदर्श ग्राम टीका रामपुर में ग्रामीण सड़क और आंगनबाड़ी केंद्र पूरी तरह पानी में डूब गए हैं.

भागलपुर में भी बाढ़ का खतरा : गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि से जिले में बाढ़ का खतरा एक बार फिर गहरा गया है. भागलपुर जिले के कहलगांव, सुल्तानगंज, नाथनगर, सबौर और नवगछिया अनुमंडल के तीन प्रखंडों सहित कुल आठ प्रखंडों के निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं. गंगा के साथ-साथ कोसी नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है, जिससे नवगछिया अनुमंडल के कोसी तटवर्ती क्षेत्रों में पानी तेजी से प्रवेश कर रहा है.

कारोबार

अनलोन हेल्थकेयर की सपाट शुरुआत होने से निवेशक निराश हुए

नई दिल्ली । फार्मास्युटिकल इंटरमीडिएट्स और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स का उत्पादन करने वाली कंपनी अनलोन हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 91 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 91 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर 1 प्रतिशत प्रीमियम के साथ कंपनी के शेयर 92 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए. लिस्टिंग के बाद भी कंपनी के शेयर सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आ रहे हैं. सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद अनलोन हेल्थकेयर के शेयर 91.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. अनलोन हेल्थकेयर का 121 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 29 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7 गुना सब्सक्राइब हुआ था.

सोने पर रिपोर्ट में बड़ा दावा, आईसीआईसीआई बैंक ने कहा-

1.25 लाख प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है भाव

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय सोने की कीमतों में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है. आईसीआईसीआई बैंक के आर्थिक अनुसंधान समूह के एक शोध नोट के अनुसार सोना 2025 में 99,500 रुपये से 1,10,000 रुपये प्रति दस ग्राम के बीच करोबार करेगा. वहीं 2026 की पहली छमाही में इसकी कीमत 1,10,000 रुपये से 1,25,000 रुपये तक बढ़ जाएगी. इसमें कहा गया है कि अगर रुपया डॉलर के मुकाबले अनुमानित स्तर से कहीं अधिक कमजोर होता है तो आर्थिक अनुमान पर अतिरिक्त जोखिम पैदा हो सकते हैं. रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि के लिए डॉलर-रुपया विनिमय दर का औसत 87.00 से 89.00 के दायरे में रहने का अनुमान लगाया गया है.

2025 में सोने की कीमतों में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है : 2025 में अब तक वैश्विक सोने की कीमतों में लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इसे अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति में ढील दिए जाने की उम्मीदों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर संस्थागत चिंताओं का समर्थन प्राप्त है. विश्लेषकों का अनुमान है कि 2025 के बाकि समय में वैश्विक सर्राफा औसतन 3,400 से 3,600 डॉलर प्रति औंस रहेगा और 2026 की पहली छमाही में और बढ़कर 3,600 से 3,800 डॉलर प्रति औंस हो जाएगा.

अमेरिकी घटनाक्रमों से कीमतों पर पड़ेगा असर : रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो इन सीमाओं में और भी वृद्धि हो सकती है. अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक कमजोरियों को लेकर जारी चिंताओं के चलते मध्यम अवधि में सोने की कीमतों में तेजी का रुझान बना रहने की उम्मीद है. सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी में थोड़ी कमी के बावजूद पीली धातु के लिए मध्यम अवधि में तेजी की उम्मीदें बरकरार हैं. यह अनुमानित बढ़त अमेरिका में हो रहे घटनाक्रमों से जुड़ी हुई है.

भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध की अनिश्चितताओं में कमी के बीच सोने की खरीदारी में कमी आई है. हांलाकि सोने की तेजी का अगला चरण अमेरिकी घटनाक्रमों से प्रेरित होगा. इनमें 2025-26 तक फेड द्वारा ब्याज दरों में 125 आधार अंकों की अनुमानित कटौती का असर पड़ेगा. साथ ही केंद्रीय बैंकों व निवेशकों द्वारा डॉलर से दूर रहकर चल रहा विविधीकरण शामिल है.

घरेलू स्तर पर सोने की कीमतें क्यों बढ़ी : घरेलू स्तर पर, सोने की कीमतों में तेजी कमजोर रुपये और मजबूत निवेश मांग, दोनों के कारण आई है. भारत का आयात जून के 1.8 अरब डॉलर से बढ़कर जुलाई 2025 में 4.0 अरब डॉलर हो गया. यग त्योहारी सीजन से पहले मजबूत स्थानीय मांग को दर्शाता है.

गोल्ड ईटीएफ में हुआ अधिक निवेश : भारत में गोल्ड ईटीएफ में भी उल्लेखनीय निवेश हुआ है. यह पिछले साल की तुलना में इस साल अब तक निवेश लगभग दोगुना हो गया है. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि गोल्ड एक्सचेंज- ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेशकों की रुचि स्पष्ट रूप से देखी गई है. इसमें एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का हवाला दिया गया है. यह दर्शाते हैं कि जुलाई में 12.6 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ. हालांकि यह जून के 20.8 अरब रुपये के निवेश से कम था, लेकिन साल-दर-साल 92.8 अरब रुपये का निवेश पिछले साल की इसी अवधि में हुए 45.2 अरब रुपये के निवेश से दोगुने से भी ज्यादा था.

विक्रान इंजीनियरिंग का शेयर निर्गम मूल्य से 3% की बढ़त पर सूचीबद्ध हुआ

एजेंसी । मुंबई

विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 97 रुपये से लगभग तीन फीसदी की बढ़त के साथ बुधवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ. कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,561.06 करोड़ रुपये रहा. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर विक्रान इंजीनियरिंग की शेयर की शुरुआत 99.70 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 2.78 फीसदी की बढ़त है. इसके बाद में यह 4.52 फीसदी चढ़कर 101.39 रुपये पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर यह दो फीसदी की बढ़त के साथ 99 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ. विक्रान इंजीनियरिंग के 772 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को इस इश्यू को प्रस्तावित 92-97 रुपये प्राइस बैंड पर बोली के अंतिम दिन गत शुक्रवार तक 23.59 गुना अभिदान मिला था. ये आईपीओ 721 करोड़ रुपये के नए शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 51 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था. विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड के आईपीओ में नया इश्यू और बिक्री प्रस्ताव दोनों शामिल हैं. मुंबई स्थित यह कंपनी नए शेयर की बिक्री से प्राप्त 541 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण और शेष राशि का इस्तेमाल कंपनी के सामान्य कामकाज के लिए करेगी. विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड तेजी से बढ़ती भारतीय इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण कंपनियों में से एक है. इसके प्रमुख ग्राहकों में एनटीपीसी लिमिटेड, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड आदि शामिल हैं. कंपनी के पास देश के 16 राज्यों में 44 चालू परियोजनाएं है.

मॉयल का अगस्त में 17% सालाना वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 1.45 लाख टन उत्पादन

एजेंसी । नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल) ने अगस्त में अब तक का सर्वाधिक 1.45 लाख टन उत्पादन किया है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17 फीसदी की वृद्धि है. कंपनी ने अगस्त में 1.13 लाख टन की बिक्री की है, जो

सलाना आधार पर 25.6 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है. इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि कंपनी ने अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान मॉयल ने 7.92 लाख टन उत्पादन के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया, जो सलाना आधार पर 9.3 फीसदी की वृद्धि है. इसके अलावा 50,621 मीटर अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग सलाना आधार पर 8.6 फीसदी वृद्धि के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है. मॉयल के सीएमडी अजीत कुमार सक्सेना ने अगस्त महीने के इस रिकॉर्ड प्रदर्शन के लिए टीम को बधाई दी और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति में भी उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हासिल करने के लिए उनके अथक प्रयासों की सराहना की है. उत्पादन आंकड़ों की घोषणा के बाद मॉयल के शेयरों में 8.4 फीसदी की वृद्धि हुई और बीएसई पर यह 374.1 रुपये प्रति शेयर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7,359.04 करोड़ रुपये रहा.

सर्वेक्षण रिपोर्ट भारत का सेवा क्षेत्र 14 वर्षों में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ा

अगस्त में पीएमआई 62.9 पर पहुंचा, एक्टिविटी इंडेक्स अगस्त में बढ़कर 62.9 पर पहुंचा

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत के सेवा क्षेत्र ने 14 वर्षों के बाद से सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है. एचएसबीसी सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अगस्त में बढ़कर 62.9 पर पहुंच गया, जबकि जुलाई में यह 60.5 था. इसमें कहा गया कि यह जून 2010 के बाद का सबसे तेज विस्तार है, जो मांग और कारोबारी गतिविधियों में मजबूत उछाल को दर्शाता है.

नए ऑर्डर और समग्र गतिविधि 15 वर्षों के उच्चतम दर पर पहुंची : सूचकांक में तीव्र वृद्धि दर्शाती है कि अगस्त के दौरान मांग में उल्लेखनीय सुधार से भारतीय सेवा अर्थव्यवस्था को लाभ हुआ. नए ऑर्डर और समग्र गतिविधि, दोनों ही 15 वर्षों में अपनी उच्चतम दर से बढ़े.

निर्यात में हुई तेज वृद्धि : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिक्री में भी सुधार देखने को मिला. रिपोर्ट के अनुसार, निर्यात में वृद्धि ने सितंबर 2014 से शुरू हुई इस श्रृंखला में तीसरी सबसे तेज बढ़त दर्ज की. कंपनियों ने हाल के महीनों में मजबूत नौकरी सृजन के चलते अपने कार्यबल का विस्तार जारी रखा. हालांकि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता उपलब्ध रही. इसके कारण बकाया व्यवसाय में केवल मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि रोजगार में भी हल्की वृद्धि देखी गई.

इनपुट लागत मुद्रास्फीति नौ महीने के उच्चतम स्तर पर : लागत

पक्ष पर, कंपनियों ने वेतन वृद्धि और ओवरटाइम भुगतान के कारण अधिक व्यय की सूचना दी. वहीं इनपुट लागत मुद्रास्फीति नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई. बढ़ते खर्चों से निपटने के लिए, कंपनियों ने अपने उत्पादन मूल्य बढ़ा दिए.

उत्पादन शुल्कों में 2012 के बाद सबसे तेज वृद्धि : मांग इतनी मजबूत रही कि वह इन बढ़ोतरी को झेल सकी. इसके परिणामस्वरूप जुलाई 2012 के बाद से उत्पादन शुल्कों में सबसे अधिक वृद्धि हुई. सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि व्यापक निजी क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन किया.

आउटपुट इंडेक्स बढ़कर 63.2 पर पहुंचा : एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स, जो विनिर्माण और सेवाओं, दोनों पर नजर रखता है, जुलाई के 61.1 से बढ़कर अगस्त में 63.2 हो गया. यह 17 वर्षों से भी ज्यादा समय में विस्तार की सबसे तेज गति को दर्शाता है .

नए व्यवसायों में हुई बढ़ोतरी : अगस्त के आंकड़ों ने सेवाओं और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में उत्पादन में व्यापक वृद्धि को दर्शाया. नए व्यवसायों में वृद्धि 2010 के मध्य के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई. हालांकि, सेवा क्षेत्र में यह तेजी अधिक स्पष्ट थी. वहीं विनिर्माण उद्योग स्थिर गति से विस्तार करता रहा. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दोनों क्षेत्रों में कुल रोजगार में ठोस वृद्धि हुई है, जो जुलाई की तुलना में ज्यादा है.

भर्ती गतिविधियां बढ़ी : सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने तेजी से भर्ती गतिविधियां दर्ज कीं, जबकि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों ने स्थिर वृद्धि दर्ज की. कुल मिलाकर, अगस्त के पीएमआई सर्वेक्षणों से पता चला है कि भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ती घरेलू मांग, तेजी से रोजगार सृजन और सेवाओं और विनिर्माण दोनों में अच्छी वृद्धि से मजबूती मिल रही है.

जेरोधा के ट्रेडिंग एप में आई गड़बड़ी से ग्राहकों को परेशानी

एजेंसी । नयी दिल्ली

ऑनलाइन ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के ग्राहकों को बुधवार की सुबह तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा. कंपनी के काइट ट्रेडिंग ऐप पर कुछ यूजर्स को अपने सौदों की कीमत अपडेट करते समय दिक्कतों का सामना करना पड़ा. इस गड़बड़ी के कारण कई निवेशकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिकायत की. उन्होंने बताया कि प्रतिभूति बाजार सुबह 9.15 बजे खुला तो उन्हें शेयर बेचने में दिक्कत हुई.

कंपनी ने इस समस्या को स्वीकार करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, हमारे कुछ उपयोगकर्ताओं को एप पर मूल्य अपडेट में समस्या आ रही है. हम इसकी जांच कर रहे हैं. फिलहाल, कृपया मोबाइल ब्राउजर पर काइट वेब पर लॉग इन करें. ऑर्डर प्लेसमेंट प्रभावित नहीं हुआ है. इक्विटी सेगमेंट के लिए, आप एप 20 डेप्थ भी देख सकते हैं. सुबह 9:51 बजे ब्रोकिंग फर्म ने उसी पोस्ट में पुष्टि करते हुए बताया कि समस्या का समाधान हो गया है. एक उपयोगकर्ता ने पोस्ट किया, रूजेरोधा काइट ऐप के कारण 4 हजार से अधिक का नुकसान हुआ है. कृपया इसकी जांच करें और क्षतिपूर्ति करें. एक अन्य यूजर ने पोस्ट किया था, पिछले 15 मिनट से जेरोधा जवाब नहीं दे रहा है कि नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार होगा. मैं अपनी स्थिति का आकलन नहीं कर सकता. कृपया बताएं कि क्या जेरोधा हर समय नीचे रहता है.

हिमाचल में भूस्खलन से मंडी व कुल्लू में तबाही, 6 की मौत

7 नेशनल हाइवे और 1155 सड़कें बंद, 8 जिलों में अलर्ट

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है. राज्य के कई जिलों में आज भी भारी बारिश का दौर जारी है. मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज सोलन और सिरमौर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि मंडी, शिमला, कुल्लू, ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और लाहौल-स्पीति जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. 04 और 05 सितंबर को अंधड़ चलने और आसमानी बिजली गिरने का येलो अलर्ट रहेगा. मौसम विभाग के अनुसार 06 से 09 सितंबर तक बारिश होगी, हालांकि इस दौरान किसी तरह की चेतावनी नहीं दी गई है. मौसम वैज्ञानिक संदीप कुमार ने बताया कि इस बार मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 42 प्रतिशत अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है.

मंडी में भूस्खलन से मौतें, कुल्लू में दो लापता, शिमला के सुन्नी में खतरा बढ़ा : भारी बारिश से मंडी और कुल्लू जिलों में तबाही मच गई है. मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल में बीती रात पहाड़ी से हुए भूस्खलन से दो मकान मलबे में दब गए, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई. मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं. वहीं, कुल्लू शहर के अखाड़ा बाजार में देर रात हुए भूस्खलन से एक मकान दब गया. मकान में रह रहे दो कश्मीरी मजदूर और एनडीआरएफ का जवान मलबे में फंस गए. इनमें से एक मजदूर बाहर निकल आया लेकिन दो अब भी लापता हैं. राहत एवं बचाव कार्य एनडीआरएफ, पुलिस और होम गार्ड की टीमें कर रही हैं.

राजधानी शिमला के सुन्नी क्षेत्र में भी हालात गंभीर बने हुए हैं. सतलुज नदी का जलस्तर थल्ली पुल तक पहुंच गया है और कालीघाट व आईटीआई क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं. स्थिति को देखते हुए कोल डैम प्रबंधन को पानी का स्तर कम करने के लिए कदम उठाने को कहा गया है.

बांधों से पानी छोड़ा गया, चम्बा में रावी नदी खतरे के निशान से ऊपर

बारिश से नदियों और बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. भाखड़ा डैम से बुधवार को टरबाइनों और फ्लड गेटों के माध्यम से 65,042 क्यूसिक और पौंग डैम से 79,659 क्यूसिक पानी छोड़ा जा रहा है. प्रशासन ने निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है. चंबा जिले में रावी नदी खतरे के निशान से ऊपर चली गई है, जिसके दबाव से शीतला पुल की सुरक्षा दीवार टूट गई और सड़क का एक हिस्सा नदी में बह गया. किन्नौर जिले में नाथपा झूला के पास एनएच-5 पर पहाड़ी से गिरी चट्टानों के कारण कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं. वहीं लाहौल-स्पीति की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी भी हुई है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई.

सात नेशनल हाईवे और 1155 सड़कें ठप, यातायात, बिजली व पानी बाधित

भारी बारिश से पूरे प्रदेश में यातायात ठप हो गया है. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बुधवार सुबह तक सात नेशनल हाईवे और 1155 सड़कें बंद थीं. बिलासपुर में एनएच-21 और एनएच-205, कुल्लू में एनएच-03 और एनएच-305, किन्नौर में एनएच-05, लाहौल-स्पीति में एनएच-505, सिरमौर में एनएच-707 और मंडी में एनएच-03 बंद पड़े हैं. अकेले मंडी जिले में 282, शिमला में 234, कुल्लू में 204, सिरमौर में 137, सोलन में 92, कांगड़ा में 60, लाहौल-स्पीति में 48 और बिलासपुर में 37 सड़कें अवरुद्ध हैं. बिजली और पेयजल आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई है. राज्यभर में 2477 बिजली ट्रांसफार्मर और 720 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं. कुल्लू जिले में 951, सोलन में 529, सिरमौर में 273, मंडी में 266, शिमला में 258 और हमीरपुर में 59 ट्रांसफार्मर खराब हो गए हैं. शिमला की 272 और कांगड़ा की 212 पेयजल योजनाएं भी ठप हैं.

हरियाणा के भिवानी, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर व पंचकूला में हुए हादसे

बारिश से तबाही, मकान गिरने व पेड़ गिरने से छह मरे, 16 अन्य घायल

एजेंसी । चंडीगढ़

हरियाणा में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश ने तबाही मचानी शुरू कर दी है. हरियाणा में मंगलवार की रात व बुधवार की सुबह बारिश के कारण मकान गिरने व अन्य घटनाओं में कुल छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 घायल हो गए. घायलों में छह स्कूली बच्चे भी शामिल हैं. भिवानी में बारिश के बीच मकान गिरने से मलबे में दबकर तीन बच्चियों की मौत हो गई, जबकि माता-पिता और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए. जिस समय हादसा हुआ उस समय घर के सभी लोग सो रहे थे. सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी को अस्पताल ले जाया गया. यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद 3 बच्चियों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 3 घायलों को रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया.

मृतकों की पहचान कलिंगा गांव निवासी अंशिका (15), दिशा (9) और भारती (7) के रूप में हुई है. ओमपाल (45), उसकी पत्नी अनिता (40) और बेटा ध्रुव (5) घायल हैं. हरियाणा के कुरुक्षेत्र में बुधवार सुबह एक मकान की छत गिरने से 2 सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. आसपास के लोगों ने घायलों को मलबे से निकालकर शाहाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया. घटना शाहाबाद की अमर विहार कॉलोनी की है. जहां एक घर में सात लोग सो रहे थे. हादसे से कुछ समय पहले एक व्यक्ति उठकर बाहर गया तो वह बच गया. मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले संदीप (26) और कुलदीप (27) के रूप में हुई है. सभी काम करने के लिए शाहाबाद आए हुए थे. घटना की सूचना पुलिस को दी गई है. प्रत्यक्षदर्शी विजय कलसी ने बताया कि अनाज मंडी रोड स्थित डेरे के पास 8 दिन पहले सभी लोग काम करने के लिए आए थे. जिस मकान में ये सभी लोग रहे थे, वह कच्चा था. बुधवार सुबह 7 बजे अचानक मकान की छत गिर गई. उस समय लोग सो रहे थे.

यमुनानगर में भी मचाई तबाही, एक की मौत, तीन बच्चों को भी लगी चोट

उधर यमुनानगर जिले में बुधवार सुबह एक मकान की छत ढह गई. हादसे में बैंदी गांव के मान सिंह (45) की मौत हो गई. उसकी पत्नी और तीन बच्चों को भी चोटें आई हैं. मान सिंह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था. पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने मकान की नींव को कमजोर कर दिया था. हादसे की सूचना मिलते ही गांव वाले मौके पर पहुंचे और उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद मान सिंह और उनके परिवार को मलबे से निकाला गया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया.

पंचकूला में एक कार पर पेड़ गिरने से छह स्कूली बच्चे हुए घायल

पंचकूला में बुधवार की सुबह एक कार पर पेड़ गिरने से छह स्कूली बच्चे दब गए. मौके पर जमा हुए लोगों ने बच्चों को बाहर निकालकर एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया. आनंद अत्री ने पुलिस को दी जानकारी में बताया कि पंचकूला के सेक्टर-चार स्थित सतलुत पब्लिक स्कूल में उसके भाई अनूप अत्री बच्चों को छोड़ने के लिए आए. इसी दौरान उन्होंने गाड़ी स्कूल के बाहर खड़ी की तो अचानक भारी पेड़ गाड़ी पर गिर गया. हादसे के दौरान कार में अनूप अत्री और 6 बच्चे सवार थे. हादसे में आनंद अत्री के दो बच्चे और उनके भाई अनूप अत्री के दो बच्चे और उनकी बहन के दो बच्चे घायल हो गए. घायल बच्चों को अस्पताल भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर है.

माता वैष्णो देवी यात्रा नौवें दिन भी स्थगित, कटरा में 24 घंटों से बारिश

एजेंसी । जम्मू

त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा बुधवार को नौवें दिन भी स्थगित रही, क्योंकि आधार शिविर कटरा में पिछले 24 घंटों के दौरान 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है, जो जम्मू क्षेत्र में सबसे अधिक है. दरअसल, 26 अगस्त को अर्धकुंवारी के पास बारिश के कारण हुए एक बड़े भूस्खलन ने 34 तीर्थयात्रियों की जान ले ली थी और 20 अन्य घायल हो गए थे. इसी के बाद माता वैष्णो देवी की यात्रा स्थगित कर दी गई थी, तभी से तीर्थयात्रा स्थगित है, लेकिन मंदिर खुला है और इसके पुजारी दैनिक प्रार्थना और अनुष्ठान कर रहे हैं. यात्रा रद्द होने के कारण कटरा पहुंच चुके कुछ तीर्थयात्री दर्शनी ड्योढ़ी (मंदिर के रास्ते का मुख्य प्रवेश द्वार) पर पूजा-अर्चना कर रहे हैं. दर्शनी ड्योढ़ी मंदिर के पहले दर्शन का प्रतिनिधित्व करती है. लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों और नालों, खासकर शहर से होकर गुजरने वाली बाणगंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है. अधिकारियों ने कहा कि हालात सुधरने के बाद यात्रा को फिर से शुरू करने का फैसला लिया जाएगा और पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने वाला 12 किलोमीटर का दोहरा रास्ता साफ़ होने के बाद ही श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति दी जाएगी.

उत्तराखंड में बारिश बनी आफत, केदारधाम के मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग में पार्किंग बही, खतरे में पड़ा आवासीय क्षेत्र

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड में बारिश का प्रकोप कम नहीं हो रहा है बल्कि लगातार बारिश से आफत बढ़ती जा रही है. राज्य की सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं और स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं. तेज बहाव से केदारधाम के बेस कैंप सोनप्रयाग में पार्किंग स्थल का एक बड़ा हिस्सा धंसने से दो वाहन गए. सोमवार देर रात केदारनाथ धाम के मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग में सोन नदी के लगातार कटाव ने खतरा बढ़ा दिया है. देर शाम

कटाव के चलते सोनप्रयाग शटल पार्किंग का लगभग 15 से 20 मीटर हिस्सा धंस गया और इस दौरान पार्किंग में खड़ी दो बोलेरो वाहन इसकी चपेट में आकर बह गए. गनीमत रही कि समय रहते वाहन चालकों को सूचना देकर सतर्क कर दिया गया. रुद्रप्रयाग जिले के आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर ने बताया कि सोन नदी का कटाव तेजी से हो रहा है. देर शाम जेसीबी (डोजर) मशीन की मदद से धंसाव में फंसे वाहनों को बाहर निकाल लिया गया. स्थानीय लोग नदी के तेज बहाव और लगातार हो रहे कटाव को लेकर चिंतित हैं. प्रशासन ने स्थिति पर करीबी नजर बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए टीमें अलर्ट पर हैं. कटाव आवासीय क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है.

न्यूज अपडेट

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की पत्नी के भी दो-दो वोटर कार्ड का दावा

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बाद उनकी पत्नी कोटा नीलिमा के भी दो अलग-अलग पते से वोटर कार्ड का दावा किया जा रहा है. बुधवार को भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स अकाउंट पर कहा कि राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के ईमानदार वोटरों को निशाना बनाकर उनकी छवि धूमिल कर दी- यहां तक कि उनकी पहचान बिना अनुमति उजागर करके उन्हें खतरे में डाल दिया. फिर भी, उन्होंने इस चौंकाने वाले खुलासे पर चुप्पी साध रखी है कि उनके एक करीबी सहयोगी के पास दो एपिक कार्ड हैं. क्या सिर्फ़ वही? बिल्कुल नहीं. उन्होंने दावा किया कि कोटा नीलिमा, जो तेलंगाना के खैरताबाद (60) विस क्षेत्र से प्रत्याशी रहीं और पवन खेड़ा की पत्नी हैं, उनके पास भी दो एपिक कार्ड हैं.

नासिक में छह हजार जिलेटिन छड़ें 2,200 डेटोनेटर बरामद, केस दर्ज

नासिक। पुलिस ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के एक गांव में बिना अनुमति के रखी गईं 6,000 से अधिक जिलेटिन की छड़ें और 2,200 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर जब्त किए हैं. मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है. सोमवार को वाडीवरहे पुलिस थाना क्षेत्र के सारुल शिवर गांव में छापेमारी के बाद यह जब्ती की गई. पुलिस की एक टीम ने 1 सितंबर को इलाके में छापा मारा और 49 बक्से बरामद किए, जिनमें 6,125 जिलेटिन छड़ें, 2,200 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और 150 मीटर डीएफ तार थे, जिनकी कुल कीमत 95,750 रुपये थी. उन्होंने बताया कि अमोनियम नाइट्रेट और डेटोनेटर के साथ जिलेटिन की छड़ें आरोपियों के घरों और घरों के पीछे टिन-शेड में लापरवाही से रखी हुई पाई गईं.

सुकमा में 33 लाख के इनामी 20 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी । सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 20 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है. इनमें 9 महिलाएं और 11 पुरुष नक्सली शामिल हैं. आत्मसमर्पण करने वालों में एक पीएलजीए बटालियन (माओवादी संगठन) की सक्रिय हार्डकोर महिला नक्सली भी है. इन सभी पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था. इनमें दो नक्सलियों पर 08-08 लाख, एक नक्सली पर 05 लाख, चार नक्सलियों पर 02-02 लाख एवं अन्य 04 नक्सलियों पर 01-01 लाख रुपये का इनाम घोषित था. सुकमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सल हिंसा से तंग आकर इन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है. नक्सलियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा में एसपी किरण चव्हाण, डीआईजी ऑफिस सुकमा द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश सिंह पायल, एएसपी अभिषेक वर्मा, एएसपी नक्सल ऑप्स मनीष रात्रे, एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया है. नक्सलियों को आत्म ससमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में जिला बल, डीआरजी सुकमा, इंटेरोगेशन सेल, आसूचना शाखा, रेंज फिल्ड टीम (आरएफटी) कोंटा, सीआरपीएफ 111, 217, 218, 226 वाहिनी एवं कोबरा 203 वाहिनी के सूचना शाखा कार्मिकों की विशेष भूमिका रही है. सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन के नवीन पुनर्वास नीति छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति-2025 के तहत 50-50 हजार रूपये के मान से प्रोत्साहन राशि एवं अन्य सुविधायें प्रदान किए जाएंगे.

देश में नफरत भड़काने वालों के लिए कोई जगह नहीं : मौलाना मदनी

नयी दिल्ली । जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने मंगलवार को कहा कि असम में जारी बेदखली अभियानों में सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित नियमों का पालन किया जाना चाहिए. मदनी ने कहा कि असम सरकार को प्रभावित सभी वास्तविक नागरिकों का पुनर्वास सुनिश्चित करना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि नफरत भड़काने वाले लोगों के लिए इस देश में कोई जगह नहीं है. मदनी ने कहा, इस राज्य में बेदखली जारी है. यह कई जगहों पर होता है. लेकिन असम में जिस तरह से किया जा रहा है, उससे दुख होता है. मैंने गोलपाड़ा और आसपास के इलाकों में बेदखल लोगों से मुलाकात की. असम में बेदखली निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किए बिना की जा रही है. उन्होंने असम सरकार पर उत्पीड़न और दमन करने का आरोप लगाते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. इस पर मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि वह हद पार करते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा. जवाब में मदनी ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री जैसे पद पर आसीन व्यक्ति कहता है कि वह मुझे बांग्लादेश भेज देगा. मैं असम में हूं, अगर वह चाहें तो मुझे बांग्लादेश भेज दें.

केंद्रीय गृह मंत्री ने 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले जवानों को किया सम्मानित

देश से जब तक सारे नक्सली समाप्त न हो जाएं, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे, न उनको बैठने देंगे : शाह

एजेंसी । नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएं या समाप्त न हो जाएं, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे. उन्होंने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलमुक्त बनाना मोदी सरकार का संकल्प है. अमित शाह ने नई दिल्ली में अपने आवास पर छत्तीसगढ़ के बस्तर स्थित करेंगुट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और कोबरा बल के जवानों से भेंट की और उन्हें सम्मानित किया. इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव

साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे. उन्होंने कहा कि करेंगुट्टालु की दुर्गम पहाड़ियों पर लगातार 19 दिनों तक चले सबसे बड़े नक्सल-विरोधी अभियान में बिना हताहत हुए 30 से अधिक नक्सलियों को मार कर वीर जवानों ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की. नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में हमारे सुरक्षाबलों की बहादुरी स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी. शाह ने वीर जवानों को बधाई देते हुए कहा कि 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा. उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, भीषण गर्मी और हर कदम पर आईईडी के खतरों के बावजूद सुरक्षाबलों ने पराक्रम दिखाकर नक्सलियों का बेस कैंप और उनकी सप्लाई चेन नष्ट की है. गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार का लक्ष्य देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त करना है. उन्होंने कहा, "जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएं या समाप्त न हो जाएं, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे. 31 मार्च, 2026 तक भारत को नक्सलमुक्त बना दिया जाएगा." शाह ने कहा कि नक्सलियों ने दशकों तक देश के पिछड़े इलाकों को विकास से वंचित रखा, स्कूल और अस्पताल बंद कर दिए तथा सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचने से रोका. लेकिन अब नक्सल विरोधी अभियानों के परिणामस्वरूप पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक के क्षेत्र में साढ़े छह करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है.

छत्तीसगढ़ में गणेश प्रतिमा विसर्जन करने जा रहे ग्रामीणों को बोलेरो ने रौंदा, 3 की मौत, कई घायल

जशपुर /रायपुर । जशपुर जिले में मंगलवार की देर रात गणेश विसर्जन करने जा रहे ग्रामीणों को बोलेरो वाहन ने रौंद दिया. हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए. सभी घायलों को बगीचा अस्पताल ले जाया गया. ग्रामीण बगीचा थाने के जुरूडांड़ गणेश विसर्जन के लिए जा रहे थे.

पाक के क्वेटा में बीएनपी की रैली में बड़ा धमाका

कम से कम 15 लोगों की मौत, 35 से अधिक घायल

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के क्वेटा शहर में मंगलवार रात बड़े बम धमाके में कम-से-कम 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 से अधिक लोग घायल हैं. मरने वालों की संख्या बढ़ने का अंदेशा है, क्योंकि बम धमाके में कई घायलों की हालत गंभीर है. यह फिदायिन धमाका बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) की ओर से सरियाब क्षेत्र में शाहवानी स्टेडियम के पास योजित एक रैली खत्म होने के तुरंत बाद हुआ. किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है. पाकिस्तान के अखबार डान के मुताबिक मंगलवार रात सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित रैली के समापन के करीब 15 मिनट बाद यह धमाका हुआ. उस समय रैली में हिस्सा लेने वाले बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर मौजूद थे और अपने-अपने घरों की तरफ निकलने की तैयारी कर रहे थे.

बताया जा रहा है कि फिदायिन हमलावर ने पार्किंग के इलाके में अपनी जैकेट में बंधे बम में विस्फोट कर हमले को अंजाम दिया. घटना के बाद प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हमले में मृतकों और घायल लोगों की संख्या की पुष्टि की है. हालांकि, रैली की अगुवाई कर रहे बीएनपी के नेता इस हमले में सुरक्षित रहे. रैली का नेतृत्व कर रहे बीएनपी प्रमुख अख्तर मेंगल, पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई, अवामी नेशनल पार्टी के असगर खान अचकजई भी रैली में मौजूद थे.

दिखाई ताकत : चीन के विक्ट्री डे परेड में सबसे बड़ा सैन्य प्रदर्शन

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा-चीन किसी से नहीं डरता

एजेंसी । बीजिंग

दूसरे विश्वयुद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ मिली जीत की 80वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में चीन का विक्ट्री डे परेड बुधवार को थियानमेन चौक पर हुआ. इस बहाने चीन ने बड़ा सैन्य परेड का प्रदर्शन करते हुए दुनिया को लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और न्यू इलेक्ट्रानिक वारफेयर सहित आधुनिक हथियार दिखाए. इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन, बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको सहित मलेशिया, म्यांमार, मंगोलिया,

इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव सहित 26 देशों के शीर्ष नेता मौजूद रहे. ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस अवसर पर कहा कि चीन को आगे बढ़ने से कोई ताकत नहीं रोक सकती. उन्होंने कहा कि उनका देश किसी धौंस जमानेवाले से डरता नहीं है और हमेशा आगे बढ़ता रहता है. उन्होंने कहा कि यह एक नई यात्रा, नया युग है. इस अवसर पर चीन ने अबतक का सबसे बड़ा सैन्य परेड करते हुए आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया. जिसमें जे 20 और जे 35 जैसे लड़ाकू विमान, डीएफ 31 एजी और डीएफ 41 बैलिस्टिक मिसाइलें, डीएफ-जेडएफ हाइपरसोनिक मिसाइल, एयर डिफेंस सिस्टम, टैंक और बख्तरबंद वाहन शामिल हैं. परेड में 10 हजार से ज्यादा सैनिक शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जापान ने अमेरिका के परमाणु हमले के बाद 15 अगस्त 1945 को समर्पण किया था जिसके बाद 2 सितंबर 1945 को चीन के खिलाफ भी हार स्वीकार कर ली. इसी उपलक्ष्य में चीन विक्ट्री डे परेड मनाता रहा है.

बीएसएफ ने जब्त किए 5.20 करोड़ रु. कीमत के 43 सोने के बिस्कुट

गुवाहाटी । बीएसएफ, गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) सुखदेव राज ने भारत-बांग्लादेश अंतराष्ट्रीय सीमा पर सीमा चौकियों का तीन दिवसीय व्यापक दौरा किया. इस दौरान उन्होंने वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य का आकलन किया एवं वाहिनियों की संक्रियात्मक तैयारियों की समीक्षा की. इसके अलावा अभियान के दौरान बीएसएफ ने 5.20 करोड़ रूपये के 43 सोने के बिस्किट बरामद किए. पीआरओ ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया है कि महानिरीक्षक के भ्रमण के दौरान, संबंधित वाहिनियों के समादेष्टा ने अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा पार अपराधों को नियंत्रित करने एवं सीमा पर विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों की विस्तृत जानकारी दी.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.